संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | ऊना, गुरूवार, 07 सितंबर 2023 ₹ 2 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 12 अंकः 238 पृष्ठः 12 | RNI : HPHIN/2012/48072

actionindiauna@gmail.com | हिमाचल संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

भारत मंडपम में लगी 27 फुट की नटराज प्रतिमा, 12 करोड़ और 7 महीने में तैयार हुई।

फास्ट न्यूज

जी20 : दिल्ली मेट्रो 8 से 10 सितंबर तक सुबह 4 बजे से चलेगी

नई दिल्ली: दिल्ली मेट्रो ने जी20 शिखर सम्मेलन के लिए विशेष व्यवस्था की है। जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर आठ, नौ और 10 सितंबर को मेट्रो नेटवर्क की सभी लाइनों के टर्मिनल स्टेशनों से सुबह 4.00 बजे से शुरू होंगी। सभी लाइनों पर 6:00 बजे तक हर आधे घंटे में मेट्रो ट्रेन सेवा उपलब्ध होगी। इसके बाद मेट्रो ट्रेनें सामान्य तौर पर चलेंगी।

हिमाचल-उत्तराखंड के लिए 1164.53 करोड़ की मंजूरी

नई दिल्ली: केन्द्र सरकार हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में औद्योगिक विकास से जुड़ी केंद्रीय योजना के तहत 1164.53 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि जारी करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पहाड़ी राज्यों में औद्योगिक विकास योजना 2017 के तहत अतिरिक्त फंड जारी किए जाने को मंजूरी प्रदान की। इससे 2028-29 तक केन्द्र की प्रतिबद्धता से जुड़ी देनदारी पूरी होगी।

कैबिनेट: बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम योजना, ऊर्जा भंडारण क्षमता में होगा इजाफा: केंद्र सरकार देश की ऊर्जा भंडारण क्षमता को बढ़ाने के लिए बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम योजना लेकर आई है। इसका मकसद नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त ऊर्जा के भंडारण की क्षमता को बढ़ाना है।

'सनातन धर्म' बयान पर थम नहीं रहा हंगामा

इस मुद्दे का जवाब तथ्यों के आधार पर दिया जाना चाहिए, उचित प्रतिक्रिया की जरूरत: पीएम मोदी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की सनातन धर्म को लेकर की गई टिप्पणी पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उचित प्रतिक्रिया की जरूरत है। पीएम मोदी ने केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कहा कि इस मुद्दे का जवाब तथ्यों के आधार पर दिया जाना चाहिए। उन्होंने 'इंडिया' और 'भारत' को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए कि जो लोग भी इसके लिए अधिकृत हैं, सिर्फ वे ही इस मसले पर बयान दें। दरअसल, उदयनिधि स्टालिन ने नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को निमंत्रण न दिए जाने को सनातन धर्म के अनुयायियों द्वारा भेदभाव का एक उदाहरण बताया था। इसके एक दिन बाद पीएम मोदी का बयान सामने आया है।

दरअसल, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने बीते शनिवार को बेहद आपत्तिजनक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि सनातन धर्म बीमारी की तरह है। इसलिए इसे खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने इसकी तुलना मलेरिया और डेंगू से की थी। तमिलनाडु में 'संतानम उन्मूलन सम्मेलन' आयोजित किया गया था। इसी दौरान वे बोल रहे थे।

माफी मांगने से किया इनकार: उदयनिधि ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगने से भी इनकार कर दिया है। उन्होंने बार-बार कहा है कि वह अपनी टिप्पणियों के लिए किसी भी कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार हैं। सूत्रों की मानें तो उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के लिए तमिलनाडु के राज्यपाल से मंजूरी लेने की कोशिश की जा रही है। भाजपा ने मंत्री की टिप्पणी को लेकर दावा किया कि यह नरसंहार के आह्वान के बराबर है। वहीं उन्होंने कहा कि सनातन धर्म प्रत्येक जीव के अंदर विराजमान ईश्वर के दर्शन करता है। यह मनुष्य मात्र की दिव्यता और समानता में विश्वास रखता है। सब के सुख की कामना करता है। 800 सालों तक मुगलों के आक्रमण और अत्याचार 200 सालों तक अंग्रेजों के शासन और मिशनरी प्रयासों के बावजूद भारत का बहुसंख्यक समाज सनातन धर्म पर विश्वास रखता है।

'सनातन का विरोध करने वाले खत्म हो गए'

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
विश्व हिंदू परिषद और अखाड़ा परिषद ने कांग्रेस, माकपा और द्रमुक नेताओं की ओर से सनातन धर्म के विरोध में अभद्र भाषा प्रयोग करने पर चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि यह राजनीतिक स्वार्थ के तहत समाज को बांटने और विभिन्न वर्गों में एक दूसरे के प्रति घृणा और शत्रुता बढ़ाने का बेईमान प्रयास है।
साथ ही यह स्वस्थ लोकतंत्र और संविधान पर विश्वास रखने वाले लोगों के लिए एक चुनौती है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र महाराज, अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती तथा विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने आज एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया। उन्होंने कहा कि यह एक बीमार मानसिकता है कि अल्पसंख्यक वोटों के लिए बहुसंख्यक धार्मिक समुदाय की आस्था को चोट करके उसके प्रति घृणा और अविश्वास का वातावरण पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है।

बवाल

▶▶ उदयनिधि के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के लिए राज्यपाल से मंजूरी लेने की कोशिश की जा रही है

राज्यपाल ने विशेष क्षमता वाले बच्चों के संस्थान ढली का दौरा किया

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन चमन शर्मा

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज शिमला के निकट ढली में विशेष क्षमता वाले बच्चों के संस्थान बाल का दौरा किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि विशेष रूप से सक्षम बच्चों के कौशल को निखारना समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विशेष मार्गदर्शन प्राप्त कर ये बच्चे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत साबित हो सकते हैं। उन्होंने संस्थान में छात्रों के लिए कई व्यावसायिक कार्यक्रमों के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के व्यावसायिक कार्यक्रम उन्हें आत्मनिर्भरता की राह पर आगे

बढने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि सभी बच्चों को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने और प्रतिभा को प्रदर्शित करने का समान अवसर प्रदान किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने बच्चों की विशेष देखभाल और उन्हें नियमित शिक्षण के साथ-साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए शिक्षकों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि आज विशेष रूप से सक्षम बच्चे कई प्रतिष्ठित क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से वे जीवन में सफ लतापूर्वक आगे

कौशल निखारे

▶▶शिक्षकों एवं कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जायेगा

बढ़ सकते हैं। उन्होंने संस्थान में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जायेगा तथा संस्थान में पढने वाले बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि वह सामाजिक संगठनों से भी बात करेंगे ताकि उन्हें संरक्षकता मिल सके उन्होंने बच्चों से संवाद किया और मिठाईयां भी बांटी। उन्होंने कहा कि वह इन बच्चों के साथ दीवाली मनाएंगे।

उन्होंने परिसर और कक्षाओं का निरीक्षण भी किया तथा नवनिर्मित भवन के बारे में जानकारी ली। इससे पहले, स्कूल के प्रधानाचार्य धर्मपाल राणा ने राज्यपाल का स्वागत किया और संस्थान में चलाए जा रहे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। उन्होंने राज्यपाल को कर्मचारियों की विभिन्न मांगों के बारे में भी जानकारी दी।

राज्यपाल के सचिव राजेश शर्मा, निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता प्रदीप ठाकुर, सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

नया पंडोह पंचायत के मिडिल और प्राइमरी स्कूल एक-एक अध्यापक के सहारे

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ

जिला सिरमौर शिलाई विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नया पंडोह पंचायत के अंतर्गत मिडिल और प्राइमरी स्कूल लंबे अरसे से केवल एक-एक अध्यापक के सहारे चल रहे हैं। अध्यापक दिवस पर दोनों स्कूलों की संयुक्त रूप से हुई एमसी की बैठक में वेकेंट अध्यापकों की पोस्ट का मुद्दा चर्चा का विषय बना। एसएमसी मिडिल के अध्यक्ष हक्मी राम तथा प्राइमरी स्कूल एसएमसी अध्यक्ष बिंदी देवी ने उद्योग मंत्री और शिक्षा मंत्री पर वादा खिलाफी के भी आरोप लगाए। इन्होंने कहा कि डेढ़ माह पहले सरकार में इसी विधानसभा क्षेत्र के मंत्री हर्षवर्धन चौहान तथा शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर से गांव का एक प्रतिनिधिमंडल खाली चल रहे शिक्षकों के पद को लेकर मिला था। उन्होंने बताया कि मौजूदा समय प्राइमरी स्कूल में 40

तथा मिडिल स्कूल में 23 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इनके द्वारा सरकार को यह भी बताया गया कि मिडिल स्कूल में 4 तथा प्राइमरी स्कूल में एक पोस्ट लंबे समय से खाली चल रही है। खाली पदों के चलते बच्चों के भविष्य दाव पर लग गए हैं। उन्होंने बताया कि इसके बाद शिक्षा मंत्री तथा उद्योग मंत्री द्वारा यह आश्वासन दिया गया था की 15 दिनों के भीतर खाली पड़ी पोस्टों को अध्यापकों से भर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि डेढ़ माह बीत गया है मगर दोनों स्कूल अभी भी एक.एक अध्यापकों के सहारे ही चल पा रहे हैं। ऐसे में इस क्षेत्र के दोनों स्कूलों में अध्यापक दिवस अपने आप में बच्चों के लिए एक बड़ा चुनौती बन गया है। गांव के लोगों ने भी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार में मंत्री होने के बावजूद इस ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का मंदिर अधूरा पड़ा है।

नशा और माइनिंग पर नकेल के लिए एसआईयू पुनर्गठन की उठी मांग

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/ एसपी जैरथ

नशा निवारण परिषद व जिला सिरमौर बैडमिंटन एसोसिएशन के द्वारा संयुक्त रूप से आज बुधवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता का मुख्य उद्देश्य स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट के फिर से गठन करने की मांग थी। यह प्रेस वार्ता नशा निवारण परिषद के अध्यक्ष अमरजीत सिंह परमार और जिला सिरमौर बैडमिंटन एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष योगेश ठाकुर के द्वारा कंडक्ट की गई।अमरजीत सिंह परमार ने कहा कि न केवल जिला बल्कि पूरे प्रदेश भर में नशा बेलगाम हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस बेलगाम नशा और अवैध माइनिंग पर ठोस रूप से कार्यवाही करने में एसआईयू काफी सक्षम थी। उन्होंने कहा कि एसआईयू के द्वारा जिला सिरमौर में कई जटिल से जटिल मुद्दे भी सुलझाए गए हैं। अमरजीत सिंह परमार ने कहा कि प्रदेश के पुलिस महानिदेशक के द्वारा अचानक बगैर कारण बताए हुए एसआईयू को बंद किए जाने को लेकर केमिकल नशा के कारोबारी खुशियां मना रहे हैं।उन्होंने कहा कि अब यदि इस स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट के कुछ कलिंदों ने अगर गलत काम किए हैं तो उसकी सजा पूरे प्रदेश को नहीं दी जा सकती। प्रेस वार्ता में यही मुद्दा जिला सिरमौर बैडमिंटन एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष योगेश ठाकुर के द्वारा उठाया गया। उन्होंने कहा कि यदि जल्द से जल्द स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट फिर से बाहर नहीं की गई तो धरने प्रदर्शन शुरू किए जाएंगे।वहीं पूछे गए सवाल के जवाब में अमरजीत सिंह परमार ने कहा कि जो युवा नशे की लत में फ ंस चुके हैं जल्द ही उनको इस चंगुल से बचाने को लेकर एक नया सवेरा की शुरूआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि नाहन के मेडिकल कॉलेज में नशा छोडने वाले युवाओं का मनोबल बढ़ाने के लिए बेहतर इलाज और अलग से उनके वार्ड की व्यवस्था किए जाने के भी प्रयास किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि नशा बेचने वालों और इस धंधे से जुड़े हुए अपराधियों को कतई भी नहीं बख्शा जाएगा।

द मैग्नेट पब्लिक स्कूल हमीरपुर में जन्माष्टमी उत्सव की रही धूम

टीम एक्शन इंडिया/ हमीरपुर/ विवेकानंद वशिष्ठ

द मैग्नेट पब्लिक स्कूल हमीरपुर में मंगलवार को जन्माष्टमी मनाई गई। इस अवसर पर नन्हें-मुन्ने बच्चे नटखट नंद गोपाल की भूमिका में नजर आए। कोई कृष्ण कन्हैया बना तो कोई बनी राधा। बच्चों ने श्रीकृष्ण व राधा की सुन्दर झांकियाँ निकाली। बच्चों ने श्री कृष्ण के जीवन से संबंधित बहुत सुन्दर नृत्य करके माहौल कृष्णमय कर दिया। बच्चों ने दही हांडी का भी सुन्दर कार्यक्रम प्रस्तुत हांडी फ ोडी। इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्य अरुण कुमार चौहान ने बताया कि ऐसे उत्सव न केवल बच्चों में नई ऊर्जा व स्फूर्ति प्रदान करते हैं बल्कि उन्हें अपनी संस्कृति व सभ्याचार से जोडकर भी रखते हैं।

'आपदा प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए सरकार को उठाने होंगे ठोस कदम'

टीम एक्शन इंडिया/ जोगिंद्रनगर/संगराय

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर का आज सुबह जोगिंद्रनगर विश्राम गृह में पहुंचने पर जोगिं द्रनगर भाजपा मंडल, महिला मोर्चा व भाजपा कार्य कताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने नवगठित जोगिंद्रनगर भाजपा मंडल की कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ परिचय किया व आगामी लोकसभा चुनाव के लिए आज से ही कमर कसने का कार्यकताओं से आह्वान किया।नेता प्रतिपक्ष ने कहा की मौजूदा सरकार आपदा से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने में बिल्कुल नाकाम रही है। प्रदेश में जहां-

जहां पर भी नुकसान हुआ है लोगों के घर ढह गए हैं या नामोनिशान मिट गया है पीड़ित लोगों को हर प्रकार से राहत पहुंचने में भी सरकार नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान इस आपदा के मुद्दे को गंभीरता से उठाया जाएगा। आपदा से पीड़ित लोगों के पुनर्वास स्थापित करने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। किन्हीं आवश्यक कारण से जोगिंद्रनगर के विधायक प्रकाश राणा इस आयोजन में उपस्थित नहीं थे।

'पूरे देश में चलाया जा रहा मेरी माटी मेरा देश, अभियान'

टीम एक्शन इंडिया/ कुल्लू/ श्याम कुल्वी

भारत मेरा देश है, मेरी माता है, ये भाव हर व्यक्ति के मन में जागृत करने हेतु भाजपा द्वारा पूरे देश में मेरी माटी मेरा देश, शहीदों को नमन अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत देशभक्तों, स्वतंत्रा सेनानियों बलिदानी वीरों को स्मरण करते हुए घरों से एक चुटकी मिट्टी एकत्र करना है और संपूर्ण भारत की मिट्टी से दिल्ली में शहीद स्मारक शहीदों की याद में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत वन की कल्पना की है। इस अभियान के मध्यम से

युवाओं के बीच राष्ट्रवाद की भावना को जागृत करना है। ये बात भाजपा प्रवक्ता आदित्य गौतम ने एक बयान में कही। भाजपा प्रवक्ता आदित्य गौतम ने बताया की इस अभियान का शुबारंभ भाजपा नेता नरोतम ठाकुर द्वारा कुल्लू के नरोगी गाँव से किया गया। इस अभियान के अंतर्गत नरोगी गाँव की मिट्टी बूथ अध्यक्ष तारा चंद द्वारा भाजपा नेता नरोतम ठाकुर को सौंपी गयी और इस मिट्टी को कलश में दिल्ली भेजा जाएगा। इस अवसर पर नरोतम ठाकुर द्वारा नरोगी गांव के भारतीय आर्मी में सेवा निवृत पूर्व उप प्रधान को सम्मानित किया गया।आदित्य ने बताया की ये अभियान 1 सेटेम्बर से अक्तूबर तक चलेगा।इस अवसर पर ब एल ए प्रवीण कुमार, भीमसेन, सहित आदि उपस्थित रहे।

बंजार में रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/कुल्लू/श्याम कुल्वी

जिला रेडकॉस सोसाइटी, कुल्लू द्वारा एक गैर सरकारी संगठन-फि टनेस फ्र ीक जिम, बंजार और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सहयोग से सीएचसीए बंजार में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन हेम चंद वर्मा, एसडीएम, बंजार ने किया। इस अवसर पर 22 स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया। एसडीम ने कहा कि रक्तदान अपने आप में एक पुण्य का कार्य है तथा सभी को जीवन में समय समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। इस अवसर पर रक्तदान से सम्बन्धित विभिन्न जानकारियां भी साझा की गई। रक्तदान से सम्बन्धित भ्रांतियों के बारे में भी जागरूक किया गया।

आंगनबाड़ी वृत्त जरी में विकलांगता पहचान कार्यशाला आयोजित

टीम एक्शन इंडिया/कुल्लू/श्याम कुल्वी

साम्फि या फाउंडेशन के आशा बाल विकास केन्द्र द्वारा जरी वृत्त की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए एक दिन की कार्यशाला का अयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को दिव्यांगता कि पहचान सबंधी जानकारी देना रहा। जिस दौरान श्री बीजू, कार्यक्रम प्रबंधक ने साम्फि या फाउंडेशन द्वारा चलायी जा रही सभी गतिविधीयों पर प्रकाश डाला और साथ ही जानकारी देते हुए बताया कि साम्फि या फ उंडेशन दिव्यंगता के क्षेत्र में जागरूकता लाने के

लिए एक विशेष कार्यक्रम चला है जिसके तहत जिला के सभी शिक्षण संस्थानों, सार्वजनिक कार्यक्रमों एवं त्योहारों आदि में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने प्रस्तावित हैं। इस अवसर सांफि या फाउंडेशन की तरफ धनेश्वरी ठाकुर, टेक चंद तथा जरी वृत्त की 25 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

HIMACHAL PRADESH PUBLIC WORKS DEPARTMENT (online)
Tel:01899-290219, erpwd-chowari@hp.gov.in

INVITATION FOR BIDS (IFB)

The Executive Engineer, Chowari Division, HPPWD, Chowari HP on behalf of Governor of HP invite the percentage rate bid in electronic tendering system from the eligible class of contractor registered with HP PWD for the following work as detailed in the table:-

S. No.	Name of work	Estimated cost	Earnest Money	Cost of tender form	Time limit	Eligible Class.
1.	Restoration of rain damage due to laying OFC on Chowari Kandaly road Km 0/0 to 12/570 (SH:- Construction of Paved shoulder and PCC drain Km 0/0 to 1/000).	5718000/-	54362/-	1500/-	Three Month	Class D & C
2.	Construction of link rd to village Fakrain Km 0/0 to 2/700 (SH:- Formation cutting at Rd 0/0 to 0/675 and C/c crate work for slumping site).	17091250/-	354000/-	500/-	Three Month	Class D & C

KEY DATES:-
1. Starting Date for downloading bid 11/09/2023 at 11.00 AM
2. Deadline for submission of bid 21/09/2023 at 11.00 AM

The undersigned has right to extend or cancel the bid without declaring any reasons thereof.
The bidders are advised to view other detail of tender from the department website www.hptender.gov.in

R.O.N-2544/2023-2024

Executive Engineer,
Chowari Division,
HPPWD, Chowari.

कार्यालय ग्राम पंचायत तरनोह
विकास खंड सदर मंडी, जिला मंडी हि.प्र. 175001

क्रम	सामग्री का विवरण	मात्रा जिसमें मूल्य सहित है
1	रेत (KANSA QUERRY)	Per cubic Meter
2	रेत (CRUSHER)	Per cubic Meter
3	बजरी (KANSA QUERRY)	Per cubic Meter
4	बजरी (CRUSHER)	Per cubic Meter
5	सीमेंट/सीमेंट पाउडर	Per cubic Meter
6	पत्थर (Cut Stone)	Per cubic Meter
7	ईंट	Per Brick
8	स्पून पाईप (व्यास: Dia) के	Per pipe
9	जेसीबी	Per Hours
10	टाईल	Per Square Meter
11	मंडी से तरनोह	Per Beg Mandi to Tarnoh

शर्तें:

प्रधान/सचिव
ग्राम पंचायत तरनोह
विकास खंड सदर मंडी

17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक भाजपा मनाएगी सेवा पखवाड़ाः सुमीत

टीम एक्शन इंडिया/ हमीरपुर/ विवेकानंद वशिष्ठ

भारतीय जनता पार्टी सुजानपुर मंडल की बैठक का आयोजन टौनी देवी में हुआ। इस बैठक में विशेष रूप से जिला भाजपा अध्यक्ष देशराज शर्मा जिला भाजपा के महामंत्री राकेश ठाकुर अजय रिंटू व इस बैठक की अध्यक्षता मंडल के अध्यक्ष प्रोफेसर विक्रम राणा ने की।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन से प्रारंभ होंगे भव्य कार्यक्रम

भाजपा प्रदेश सचिव व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सह प्रभारी सुमीत शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर बीजेपी हिमाचल में सेवा पखवाड़ा मनाएगी। यह सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री

मोदी जी के जन्मदिन 17 सितंबर से प्रदेश भाजपा के निदेर्शानुसार सभी कार्यक्रमों का आयोजन हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक मण्डल व बूथ पर आयोजित किया जाएगा।इसी कड़ी में आज सुजानपुर मण्डल की बैठक में इन सभी कार्यक्रमों की विस्तृत चर्चा की गई।साथ ही मेरी माटी, मेरा देश अभियान जोकि 1 सितंबर से 15 सितंबर तक चल रहा है उस अभियान की समीक्षा की गई और इस अभियान में प्रत्येक बूथ तक पहुंचकर घर-घर दस्तक देकर एक चुटकी मिट्टी के आह्वान को सफ लतापूर्वक करने का निर्देश दिया गया है।भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को हर्ष और उल्लास के साथ पूरे प्रदेश स्तर में अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से मनाने जा रही है उन्होंने कहा कि मोदी देश के प्रथम सेवक हैं और उनके जन्मदिन सेवा कार्यों के माध्यम से मनाया जाएगा सुमीत ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी अपने जन्मदिन के शुभ अवसर पर समाज के उसे वर्ग के लिए एक 15000 करोड़ की वृहद विश्वकर्म योजना का शुभारंभ करेंगे। इसमें की विभिन्न कारीगर लोहार, सुनार, कुम्हार, बढ़ई, मिस्त्री, बार्बर, टेलर, चर्मकार, मूर्तिकार, बुनकर आदि को इस योजना का लाभ मिलेगा।वहीं हिमाचल प्रदेश भाजपा ने पूरे प्रदेश के प्रत्येक बूथ और मंडल स्तर पर इस कार्यक्रम को देखने की व्यवस्था के लिए संबंधित मण्डल और जिला के पदाधिकारियों को निर्देशित भी किया है।इसी दिन देश के 75 स्थान पर एक्सपो केंद्र का भी उद्घाटन होगा।उन्होंने बताया कि इसी क्रम में 18 सितंबर को प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर रक्तदान शिविर लगाए जाने की योजना की गई है। 19 से 22 सितंबर तक आयुष्मान भारत योजना के कार्ड बनाने की योजना के लिए विशिष्ट मोबाइल ऐप का उपयोग किया जाएगा और साथ ही भाजपा के कार्यकताओं को सभी अभियान में बढ़.चलकर भाग लेने का आग्रह किया गया है। इस दौरान सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी रहे कैप्टन रंजीत, जिला भाजपा अध्यक्ष देशराज शर्मा, सुजानपुर मंडल के अध्यक्ष प्रोफेसर विक्रम राणा, सहित आदि उपस्थित रहे।

Government of Himachal Pradesh
Public Works Department
e-PROCUREMENT NOTICE
INVITING FOR BIDS (IFB).

The Executive Engineer, Chenab Valley Division HP. PWD. Udaipur on behalf of Governor of Himachal Pradesh invites the online bids on item rate/Percentage Rate, in electronic tendering system, in 2 cover System for the under mentioned work from the eligible and approved contractors/Firm registered with HP.PWD, Department.

Sr. No.	Name of work	Name of Division	Estimated cost of the Work	Bid Security /EMD	Cost of Document	Period of Completion
1.	S/R to town road Kaylong Km. 0/0 to 2/960. (SH: - Patch work at various Rd's 0/0 to 2/0960)	-do-	14,03,000/-	28,100/-	500/-	One month
2.	C/o Karpat to Khanjar road (Under NABARD)(SH: C/o abutment for damaged Karpat bridge at RD. 15/850).	-do-	28,12,014/-	56,250/-	1500/-	Three months
2	Starting date of downloading Bid.	06. 09.2023				
3	Deadline for submission of Bid.	14.09.2023				
4	Deadline for physical submission of Bid.	14.09.2023, 05.00 PM				
5	Date of opening of Bid	15.09.2023, 10.30 AM				

Bidders documents can be downloaded from the website http/hptenders.gov.in. The documents downloaded from the site should not be tempered, and if any such tempering is detected before or after the opening of bids, the bidder shall be penalized and black listed.
Other terms and condition shall remain same as given in CPWD Manual 2019 and as per the bid documents.

Terms & Conditions:-
Scanned copy of Registration/Enlistment with H.P.P.W.D. Dept.
Scanned copy of PAN/TIN & Income Tax clearance certificate .
Scanned copy of work done certificate of similar nature of work.
Scanned copy of Earnest Money and Cost of Form.
Scanned copy of Affidavit regarding genuineness and correctness of document attached. Other terms and condition as referred in bid documents.

-Sd/-
Executive Engineer,
Chenab Valley Division,
HP.PWD,Udaipur.
For and on behalf of the Governor of H.P.

R.O.N-2547/2023-2024

सुन्नी से चेवड़ी तक सड़क के विस्तारीकरण के लिए आवश्यक कदम उठाए परियोजना प्रबन्धनः विक्रमादित्य

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा
लोक निर्माण व युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री विक्रमादित्य सिंह की अध्यक्षता में गत दिवस को सुन्नी बांध जल विद्युत परियोजना तथा एनटीपीसी कोलडैम प्रबन्धन के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना निर्माण में प्रभावितों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि सतलुज जल विद्युत निगम द्वारा निर्मित की जा रही 382 मेगावॉट क्षमता की सुन्नी बांध जल विद्युत परियोजना से विद्युत उत्पादन सहित स्थानीय स्तर पर लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुंचेगा।

उन्होंने कहा कि शिमला व मण्डी जिला के मध्य यह परियोजना स्थापित की जा रही है और शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र का एक बड़ा भाग भी इसके अंतर्गत आ रहा है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से प्रभावितों को रोजगार में प्राथमिकता प्रदान की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर निगमित सामाजिक दायित्व के अंतर्गत विभिन्न कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सुन्नी-लुहरी सडक पर सुन्नी से चेवड़ी तक सडक के विस्तारीकरण के लिए परियोजना प्रबन्धन आवश्यक कदम उठाए। इससे परियोजना कार्य में बड़ी मशीनों को लाने-ले जाने में सुविधा होगी, वहीं स्थानीय जनता को भी आवागमन के लिए बेहतर सडक सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए लगभग 80 करोड़ रुपये का प्राक्कलन तैयार कर परियोजना प्रबन्धन को भेजा गया है। कोलडैम जलाशय में जल स्तर बढने से सुन्नी तथा आसपास के क्षेत्रों में हुए नुकसान एवं इससे बचाव संबंधी कार्यों पर भी चर्चा की गई। लोक निर्माण मंत्री ने परियोजना प्रबन्धन को शाकरा तथा अन्य पचांयतों को जोडने वाले चाबा पैदल पुल तथा थली पुल के पुनर्निर्माण एवं रख-रखाव में आवश्यक सहयोग करने को कहा।

इसके अतिरिक्त जल स्तर बढने से भू-धंसाव के कारण सकरोड़ी पंचायत में कुछ घरों में दरारें आई हैं। उन्होंने इसके लिए आवश्यक सुरक्षा प्रबन्ध सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने एनटीपीसी कोलडैम को सुन्नी सहित अन्य क्षेत्रों में जलाशय के जल स्तर में होने वाली वृद्धि के दृष्टिगत तटीयकरण एवं सुरक्षा दीवार इत्यादि के लिए व्यापक अध्ययन करने को भी कहा ताकि इन क्षेत्रों में भूमि कटाव सहित सार्वजनिक एवं निजी सम्पत्ति को बार-बार होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।

उपायुक्त अपूर्व देवगन ने 'माई पैड माई राइट प्रोजेक्ट का किया शुभारंभ

टीम एक्शन इंडिया/चंबा/हामिद
उपायुक्त अपूर्व देवगन ने बुधवार को 'माई पैड माई राइट प्रोजेक्ट' का शुभारंभ किया। उपायुक्त अपूर्व देवगन ने बचत भवन चंबा में आयोजित प्रोजेक्ट के शुभारंभ कार्यक्रम में कहा कि 'माई पैड माई राइट प्रोजेक्टइ का प्राथमिक उद्देश्य एक स्थायी व्यवसाय मॉडल के माध्यम से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए ग्रामीण महिलाओं के बीच बेहतर मासिक धर्म स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ावा देना है। प्रोजेक्ट ग्रामीण महिलाओं के बीच मासिक धर्म स्वच्छता और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल महिलाओं को राष्ट्र के आर्थिक विकास में योगदान करने में सक्षम बनाने के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है। उन्होनें कहा कि इस पहल के

हिस्से के रूप मेंए जिला स्तर पर प्रदर्शन इकाई के रूप में कार्यरत स्वयं सहायता समूहों को सैनिटरी पैड बनाने वाली मशीनें प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड, एनएबीफ उंडेशन और सामाजिक सेवा संगठन, स्पार्क एनजीओ के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। उन्होंने जिले भर के विभिन्न विभागों के साथ सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए महिलाओं को इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक साहिल स्वांगला द्वारा परियोजना की प्रमुख विशेषताओं और लक्ष्यों पर प्रकाश डालते हुए एक व्यापक प्रस्तुति और वीडियो स्क्रीनिंग आयोजित की गई।

सीएम ने सहायता के लिए ओडिशा सरकार का आभार व्यक्त किया

टीम एक्शन इंडिया/शिमला
ओडिशा सरकार ने आपदा राहत कोष-2023 के लिए हिमाचल प्रदेश को 5 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की है।
मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने उदारतापूर्ण सहायता के लिए ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे आपदा से प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने में प्रदेश सरकार को मदद मिलेगी। उन्होंने आम लोगों से आपदा राहत कोष में उदारतापूर्वक योगदान का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावितों को सहयोग और सहायता सुनिश्चित करने के लिए देश भर के लोगों के सामूहिक प्रयास और योगदान सराहनीय हैं।

सरदार पटेल विवि का दायरा कम करना कांग्रेस सरकार का मंडी से बदला: भाजपा

टीम एक्शन इंडिया/मंडी/ खेमचंद शास्त्री
भाजपा विधायक इंद्र सिंह गांधी,दिलीप ठाकुर और दीपराज कपूर ने कहा की मंडी संसदीय क्षेत्र और मंडी जिले को कांग्रेस की राजनीतिक परिस्थितियों का खम्याजा भुगतना पड़ रहा है।अगर सरदार पटेल यूनिवर्सिटी का दायरा कम किया गया है तो उसके पीछे कांग्रेस पार्टी की नकारात्मक सोच जनता के समक्ष आई है। उन्होंने कहा की ऐसा प्रतीत होता है की जिस प्रकार से 2022 के विधानसभा चुनाव में जनता ने मंडी जिले में 10 में से 9 सीटें भाजपा को जीत कर दी उसे हार का पूर्ण बदला वर्तमान कांग्रेस सरकार मंडी जिला की जनता से ले रही है। इस प्रकार के निर्णय कांग्रेस

की पड़ी फू ट के कारण भी हो सकते हैं। जिस प्रकार से कांग्रेस में नेतृत्व और वर्चस्व की एक बड़ी जंग चल रही है उससे भी मंडी के विकास को फ र्क पड़ा है। सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के अधीन आने वाले दिनों में तीन जिलों के कालेज ही होंगे। गत दिनों हुई कैबिनेट बैठक में एसपीयू के अंतर्गत आने वाले जिलों को कम करने के प्रस्ताव को मंजूरी भी मिल चुकी है। जानकारी के अनुसार सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के अंतर्गत अब मंडी, लाहुल-स्पीति और कुल्लू जिला के कालेज ही शामिल होंगे। कुल्लू जिला में भी आनी व निरमंड डिग्री कालेज को हिमाचल प्रदेश विवि के अधीन करने की योजना है। इसके बाद एसपीयू के अधीन तीन ही जिलों के कालेज शेष रह जाएंगे। पूर्व जयराम सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2022 में सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी की स्थापना की थी। वर्ष 2022 में अस्थायी कैंपस में विश्वविद्यालय का शुभारंभ कर दिया गया था, लेकिन कांग्रेस की सरकार सत्ता में आने के बाद अब एसपीयू से जिलों को कम करने की प्रक्रिया शुरू हुई। एसपीयू के शुभारंभ के दौरान पूर्व भाजपा सरकार ने दोनों विश्वविद्यालय के अधीन छह-छह जिलों के कालेज किए। जिस जिला को जो विश्वविद्यालय नजदीक पड़ाए उसमें शामिल किया गया। उस दौरान सरकार का कहना था कि पिछले कुछ समय से प्रदेश में सरकारी व निजी महाविद्यालयों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इससे प्रदेश के एकमात्र विश्वविद्यालय पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। सरकार ने इसके बाद सुझाव आने पर मंडी में प्रदेश विश्वविद्यालय खोलने का निर्णय लिया। तीन जिलों को छोडकर शेष नौ जिलों के कालेज हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अंडर आएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को जनता को दिए जाने वाली सुविधाएं अच्छी नहीं लगती, शायद कांग्रेस का यह कल्चर है कि वह केवल अपने बारे में ही सोचते हैं और जनता के बारे में नहीं। अगर भी जनता के बारे में सोचते होते तो ऐसे जन विरोधी निर्णय वह कभी नहीं लेते।

संक्षिप्त खबरें

राज्य में 16 सितम्बर से की जाएगी ईवीएम और वीवी पैट की प्रथम स्तरीय जांच

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, मनीष गर्ग ने गत दिवस को ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच एफ एलसी की प्रक्रिया पर चर्चा के लिए राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने राजनीतिक दलों को अवगत करवाया कि राज्य के जिला मण्डी व कुल्लू के अतिरिक्त सभी जिलों में ईवीएम और वीवी पैट की एफ एलसी 16 सितम्बर, 2023 से तथा जिला मण्डी व कुल्लू में यह कार्य 25 सितम्बर, 2023 से आरम्भ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एफएलसी की शुरूआत से पहले सभी जिला निर्वाचन अधिकारी (उपायुक्त) द्वारा सभी राष्ट्रीय व राज्य मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के सभी जिला अध्यक्ष व सचिवों को नोटिस जारी किया जाएगा। राजनैतिक दलों को जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा पहचान-पत्र जारी करने के लिए प्रतिनिधियों के पासपोर्ट आकार के फोटो के साथ उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की एक सूची प्रदान कर आवेदन करना होगा।

ऐतिहासिक पड्डल मैदान में अंडर-17 फुटबॉल टीम के लिए राज्य स्तरीय ट्रायल आयोजित

टीम एक्शन इंडिया/ मंडी/ खेमचंद शास्त्री। हिमाचल प्रदेश फुटबॉल संघ व मंडी फुटबॉल संघ द्वारा बुधवार को ऐतिहासिक पड्डल मैदान में अंडर-17 फु टबॉल टीम के लिए राज्य स्तरीय ट्रायल आयोजित किया गया। इस ट्रायल में प्रदेश के सभी

जिलों के लगभग 100 से अधिक खिलाडियों ने भाग लिया। जिला फु टबाल संघ के अध्यक्ष लिला विलास ने बताया कि इस राज्यस्तरीय ट्रायल में 30 खिलाडियों का चयन किया जाएगा।जो राष्ट्रीय स्तरीय फु टबॉल ट्रॉफ ी में हिस्सा लेंगे जो जबलपुर मध्यप्रदेश में आयोजित होगी। उन्होंने सभी खिलाडियों को शुभकामनाएं दी हैं।ट्रायल में पहुंचे खिलाडी खूब पसीना बहा रहे हैं।

पंचवक्त्र मंदिर के पास वैली ब्रिज बनाने की मांग

टीम एक्शन इंडिया/मंडी/खेमचंद शास्त्री। पंचवक्त्र मंदिर के पास वैली ब्रिज बनाने की मांग को लेकर माकपा का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को एडीसी मंडी निवेदिता नेगी से मिला और एक ज्ञापन प्रेषित किया। जिसमें उन्होंने मांग की है कि पंचवक्त्र पुल को ब्यास में बहे करीब 2 महीने का

समय हो गया है और यहां पर अभी भी लोगों की आवाजाही के लिए सरकार व जिला प्रशाशन की ओर से किसी प्रकार की भी सुविधा उपलब्ध नहीं करवाई गई हैं, जिसको लेकर लोगों को काफ ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। माकपा ने ज्ञापन के माध्यम से यहां पर जल्द वैली ब्रिज का निर्माण करने की मांग की है। माकपा नेता सुरेश सरवाल ने कहा कि इस पुल को लेकर स्थानीय विधायक भी चुप्पी साधे हैं जो सही नहीं। उन्होंने जल्द यहाँ पर लोगों की आवाजाही के लिए वैली ब्रिज का निर्माण करने की मांग की हैं।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री ने अपशिष्ट प्लास्टिक प्रबंधन इकाई मरेडी का किया निरीक्षण

टीम एक्शन इंडिया/चम्बा/हामिद। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह नेचंबा प्रवास के दौरान विकासखंड चंबा के तहत निमार्णाधीन अपशिष्ट प्लास्टिक प्रबंधन इकाई मरेडी का निरीक्षण किया। इस दौरान पर चंबा के विधायक नीरज नैय्यर भी मौजूद रहे। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को जल्द इस अपशिष्ट प्लास्टिक प्रबंधन इकाई को कार्यशील करने के निर्देश दिए। उपनिदेशक एवं परियोजना अधिकारी जिला ग्रामीण विकास अभिकरण ओपी ठाकुर ने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री को आगवत किया कि स्वच्छ भारत मिशन चरण-दो के तहत 16 लाख रुपए की धनराशि इस इकाई पर व्यय की जा रही है। साथ में उन्होंने यह भी बताया कि इकाई में सिंगल एक्शन बेलिंग मशीन के साथ प्लास्टिक श्रेडर मशीन से प्रतिदिन 6 क्यूबिक मीटर अपशिष्ट प्लास्टिक की कंप्रेस्ड वेल्स तैयार करने की क्षमता रहेगी। इसे निस्तारण के लिए सीमेंट फैक्ट्री को भेजा जाएगा।

करोड़ों रुपए के जख्म और मरहम के नाम पर मात्र छः लाखः विनोद ठाकुर

टीम एक्शन इंडिया/ हमीरपुर/ विवेकानंद वशिष्ठ
जिला परिषद कै रणजीत सिंह राणा जिला भाजपा सचिव विनोद ठाकुर सुजानपुर भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष अर्चना चौहान ने सुजानपुर विधायक राजेंद्र राणा पर तीखा हमला बोला है उन्होंने कहा कि सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र में बारिश से 100 करोड रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है और यह नुकसान का आंकड़ा खुद सुजानपुर के विधायक राजेंद्र राणा ने मीडिया के सामने पेश किया है लेकिन हैरानी की बात यह है कि 100 करोड रुपए से ज्यादा का नुकसान और नुकसान भरपाई के लिए विधायक मात्र रू 6 लाख रुपए मुख्यमंत्री से विधानसभा क्षेत्र की जनता के लिए उपलब्ध करवा पाए हैं यह रू 6 लाख विधानसभा क्षेत्र में कैसे बांटा जाएगा कितने परिवारों को इस राशि से राहत मिलेगी इस बात पर विधायक लोगों को जानकारी दें उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कहने पर मुख्यमंत्री ने विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया लेकिन अफसोस की बात है कि इलाके का विधायक होने के बावजूद राजेंद्र राणा मुख्यमंत्री से विधानसभा क्षेत्र के लिए कोई आपदा का विशेष राहत पैकेज दिलाने में कामयाब नहीं हुए हैं विधायक और मुख्यमंत्री के बीच की लड़ाई विधानसभा क्षेत्र की जनता पर भारी पड़ रही है यही कारण है कि मुख्यमंत्री सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र में आए लोगों से मिले लेकिन उसके बावजूद विधायक ने उनसे किसी भी तरह की कोई डिमांड

नहीं की विनोद ठाकुर चुटकी लेते हुए कहा कि विधायक विधायक होने का फर्ज निभाएं लोगों को राहत दिलाये विधायक इस बात को ना भूले की प्रदेश में कांग्रेस सरकार है और कांग्रेस सरकार का मुखिया सुखविंदर सिंह सुक्खू है और आपने भी कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा हैं लोगों को इस समय सरकार की जरूरत है और मुख्यमंत्री ने भी विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर लिया है ऐसे में विधायक राहत के नाम पर लोगों के साथ मजाक ना करें और उन्होंने कहा कि केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल मंत्री भारत सरकार अनुराग सिंह ठाकुर ने भी विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया था लोगों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर बनाकर दिए जाएंगे इसकी उन्होंने घोषणा की थी और इस घोषणा को उन्होंने अमली जामा भी पहना दिया है पूरी विधानसभा क्षेत्र से बारिश प्रभावित परिवारों का आंकड़ा भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता इका कर रहे हैं ताकि लोगों को केंद्र सरकार की ओर से हर यथासंभव सहायता उपलब्ध करवाई जा सके।

सीसे स्कूल सरोआ की साइंस लेब का निर्माण कार्य एक वर्ष से बन्द

टीम एक्शन इंडिया/मंडी/खेमचंद शास्त्री
प्रदेश सरकार हर स्कूल में करोड़ों रुपए की लागत से हर स्कूल में साइंस लैब निर्मित करती है। सिराज विधानसभा क्षेत्र के पडोह से सटे स्वर्ण जयंती उत्कृष्ट राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सरोआ की साइंस लेब का निर्माण कार्य 1 वर्ष से बन्द पड़ा है। यह बात स्कूल प्रिंसिपल रमेश चंद ने कहीं। उन्होंने कहा कि 80 प्रतिशत निर्माण हो चुका है। वह भी बरसात में क्षतिग्रस्त होने लगा है। स्कूल के बच्चों व अभीभावको में लोक निर्माण विभाग के प्रति रोष पनपने लगा है।

गोगा नवमी पर दुल्हन की तरह सजे गोगा मंदिर

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ
गोगा जाहरवीर की वीरगाथाएं घर-घर सुनाने निकली मंडलियां बुधवार को अपने स्थान लौट आई है। गिरिपार क्षेत्र में गोगा महाराज के प्राचीन मंदिर गोगा नवमी पर्व पर दुल्हन की तरह सजे हैं। इन मंदिरों में भाद्रपद के कृष्णपक्ष की अष्टमी को पूरी रात जागगण किया जाता है तथा गोगा नवमी पर भंडारे का आयोजन किया जाता है। मंदिरों में गोगा जाहरपीर का आर्शिवाद पाने के लिए भक्तों को सैलाब उमड़ता है। सबसे अहम बात यह है कि गोगा राणा की पूजा हिंदू लोग ईष्ट के रूप में तथा मुस्लिम समुदाय के लोग पीर के रूप में मानते हैं। गोगा माढ़ी

संप्रदायिक सदभाव का अनूठा संगम हैं।बता दें कि हर वर्ष रक्षा बन्धन से लेकर भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तक मंडलियां अपने क्षेत्र में गोगा छडि ?ों का भ्रमण करवाते हैं और घर घर जाकर लोगो को गोगा राणा की वीरगाथा सुनाते है। लोग इसके एवज में रोट तथा हलवे का प्रसाद चढाते है। लोगों का विश्वास है कि गुग्गा को रोट अर्पित करने से सर्पदशं व विषैले कीडों का भय नहीं रहता है तथा नकारात्मक शक्तियां घर में प्रवेश नहीं कर सकती है। बताते हैं कि गोगा को नागों के देवता भी माना जाता है। अनेक गोगा माढ़ी पर सर्पदंश का आज भी उपचार भी किया जाता है।

विद्यालय सोयल 2 में हुआ शिक्षा संवाद का आयोजन

अवगत कराया

शिक्षकों ने विद्यार्थियों के अभिभावकों के साथ चर्चा की और परीक्षा परिणाम से भी अवगत करवाया

टीम एक्शन इंडिया/ कुल्लू/ श्याम कुल्वी
हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षा संवाद का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षकों ने विद्यार्थियों के अभिभावकों के साथ चर्चा की और परीक्षा परिणाम से भी अवगत करवाया। बच्चों की कमियों के बारे में भी शिक्षकों ने अभिभावकों को बताया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सोयल

में हुए शिक्षा संवाद में सोयल-2 पंचायत के प्रधान नीरत राम, स्कूल प्रबंधन समिति की अध्यक्षा मीना देवी व पूर्व स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष भाग चंद विशेष तौर पर मौजूद रहे। बैठक में करीब 75 अभिभावकों ने शिरकत की। विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेश कुमार ने इस संबंध में अभिभावकों के समक्ष शिक्षा संवाद के संदर्भ में कुछेक बातें रखी। साथ ही एक प्रस्ताव भी स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा पारित किया गया। इस प्रस्ताव को मनाली विद्यानसभा क्षेत्र के विधायक भुवनेश्वर गौड़ को प्रेषित किया गया। जिसमें विद्यालय में डीपीई/सुपरीटेंडेंट ग्रेड-2 सीनियर असिस्टेंट/लैबअटेंडेंट/क्लर्क/क्लास-4 पदों को सृजित करने की मांग की गई है। इसमें कहा गया कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय वर्ष 2019 में स्तरोन्नत हुआ है। विद्यालय में शिक्षक वर्ग के प्रधानाचार्य सहित केवल 6 पद स्वीकृत किए गए थे। उस समय से लेकर विद्यालय में डीपीईए सुपरिटेंडेंट ग्रेड ग्रेड-2, सीनियर असिस्टेंट, लैब अटेंडेंट, क्लास 4 के पदों को सृजित नहीं किया गया है। जबकि वर्ष 2022 में अपग्रेड हुए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में डीपीईएसुपरिटेंडेंट ग्रेड-2 सीनियर असिस्टेंट, क्लर्क, लैब अटेंडेंट और क्लास 4 के पद सृजित किए गए।

जिला अंजुमन इस्लामिया चंबा ने लगाया रक्तदान शिवर

टीम एक्शन इंडिया/चंबा/हामिद
जिला अंजुमन इस्लामिया चंबा ने बुधवार को सैयद दिलदार अली शाह की स्मृति में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें लगभग 100 से ऊपर लोगों ने इस महान तथा पुनीत कार्य में अपनी आहुतियां डाली। अंजुमन इस्लामिया जिला चंबा के साथ-साथ चंबा सेवियर सोसाइटी ने भी इस कार्यक्रम में अपनी भागीदारी प्रस्तुत की। जिला अनुमान इस्लामिया के अध्यक्ष डॉ इसरार अली शाह ने सभी रक्तदाताओं को तथा सेवियर सोसाइटी के अध्यक्ष चरणजीत सिंह सहित अन्य सभी रोगों का आभार प्रकट किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि चंबा सदर के विधायक नीरज नैयर ने शिरकत की। उन्होंने

अपने संबोधन में कहा कि यह खुशी का विषय है की यह रक्तदान शिविर एक ऐसी शख्सियत के नाम से शुरू किया गया है जिसे चंबा में आपसी भाईचारा कायम करने के लिए याद किया जाता है। उन्होंने दिलदार अली शाह के बारे में कहा कि कुछ लोग ऐसे होते हैं जो अपनी छाप समाज में ऐसी छोड़ते हैं जिन्हें हमेशा याद रखा जाता है उनमें दिलदार अली शाह का नाम शामिल है। उन्होंने इस पुनीत कार्य के लिए जिला अंजुमन इस्लामिया तथा अन्य सहयोगी संगठनों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दिलदार अली शाह एक ऐसी व्यक्तित्व थे जो समाज के हर वर्ग हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई सभी को साथ लेकर चलते थे उन्होंने कहा कि उनका अब से नहीं बल्कि मेरे पिता के समय से घरेलू संबंध थे। इस मौके पर नीरज नैयर ने अंजुमन इस्लामिया चंबा के लिए 21000 रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार को बने सात महान ही हुए हैं।

इस अवधि में मुख्यमंत्री ने चंबा के मेडिकल कॉलेज को 170 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है इसी के साथ ही हाल ही में 21 नए चिकित्सकों की तैनाती के आदेश भी सरकार द्वारा जारी किए गए हैं जिनमें से 6 चिकित्सा अपनी ड्यूटी पर पहुंच गए हैं तथा बाकी जल्द ही पहुंच जाएंगे।

अक्षित और अवनी ने स्केटिंग में मारी बाजी

टीम एक्शन इंडिया/हमीरपुर/विवेकानंद वशिष्ठ
ऑलमाइटी पब्लिक स्कूल में स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता दो वर्गों में विभाजित थी। प्रथम वर्ग में कक्षा दूसरी से लेकर कक्षा पांचवी तक के छात्रों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा को सबके सामने प्रदर्शित किया। जिसमें कक्षा दूसरी के अक्षित प्रथम रहे। इसके बाद द्वितीय वर्ग के छात्रों में प्रतियोगिता का आयोजन रहा। जिसमें कक्षा छठी से आठवीं तक के छात्रों ने स्केटिंग की। अन्य छात्र प्रतिभागी छात्रों को उत्साहित करते हुए उनका मनोबल बढ़ा रहे थे।

जिसमें कक्षा सातवीं की अवनी प्रथम रही। स्कूल प्रधानाचार्या निवेदिता शर्मा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि स्केटिंग बच्चे के संतुलन और समन्वय को बेहतर बनाने में मदद करती है एमांसपेशियां मजबूत बनती है। स्केटिंग एक ऐसा व्यायाम है जिसे करने में मजा भी आता है और शरीर चुस्त और स्वस्थ रहता है। पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए स्कूल द्वारा जो भी गतिविधियां करवाई जाती हैं उन सब में बच्चों को बढ़-चढकर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। अंत में स्कूल प्रबंधक कुलबीर सिंह और प्रिंसिपल डायरेक्टर पूजा मिन्हास ने विजेता छात्रों को अपनी शुभकामनाएं

भक्त और भगवान का विशुद्ध मिलन ही रास है: इंद्रेश उपाध्याय

भागवत कथा के छठे दिन राष्ट्रीय संत बाबा बाल जी महाराज ने दिया आशीर्वाद

महारास

▶▶भगवान से प्रेम होना तो रस है, परंतु जब भगवान भक्त से प्रेम करते हैं, उसी को महारास कहना चाहिए

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी
आत्मा परमात्मा का एक रस हो जाना ही रास है। जब भक्त भक्ति की पाराकाष्ठा को पार कर भगवदमय बन जाता है। तब समझना चाहिए कि रास की दिव्य स्थिति बन चुकी है। भगवान से प्रेम होना तो रस है, परंतु जब भगवान भक्त से प्रेम करते हैं, उसी को महारास कहना चाहिए। भक्त और भगवान का विशुद्ध मिलन ही रास हैं। यह बात श्री राधा कृष्ण मंदिर कोटला कलां में श्री जन्माष्टमी पर्व पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान वृंदावन से पहुंचे कथा वाचक इंद्रेश उपाध्याय ने कही। कथा के छठे दिन कथा वाचक इंद्रेश उपाध्याय ने अपने प्रवचनों से सबको निहाल किया। इस दौरान मंदिर में पहुंचे श्रद्धालुओं को राष्ट्रीय संत बाबा बाल जी महाराज का ने अपना आशीर्वाद दिया। वहीं वृंदावन से आए पंकज ब्यास व कलाकारों ने श्री कृष्ण की झांकियां निकाली। कथा को आगे बढ़ाते हुए इंद्रेश उपाध्याय ने कहा कि मनुष्य का परम धर्म भगवान के चरणों में है। सभी लोगों को भगवान को सच्चे मन से याद करना चाहिए। वर्तमान में अधिकांश लोग स्वार्थ के लिए भगवान को पूजने लगे हैं। सच्चे मन से लोग प्रभु की भक्ति नहीं कर रहे हैं। जब उनका कोई काम पूरा नहीं हो रहा है या वह किसी समस्या में फंसे हुए हैं तो वे भगवान को याद कर रहे हैं। काम पूरा हो जाने या समस्या दूर हो जाने की प्रार्थना करते हैं। यह सच्ची भक्ति नहीं है। सच्ची भक्ति तो प्रभु से प्रेम करने में है। श्रेष्ठ भक्त वही है जो प्रभु से प्रेम करता है, स्वार्थ के लिए मांगता नहीं है। जब आप कुछ मांगोगे तो यह जरूरी नहीं कि उसके मिलने से आपका कष्ट दूर हो जायेगा, जबकि बिना मांगे भगवान देंगे तो वे सारी बाधाएं दूर कर देंगे। आज होगा श्री कृष्ण का जन्म, डिप्टी सीएम होंगे मुख्यातिथि राष्ट्रीय संत बाबा बाल जी महाराज ने बताया कि 7 सितंबर को श्री राधा कृष्ण मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। कथा सुबह 10 बजे शुरू हो जाएगी। वहीं देर रात्रि तक कार्यक्रम चलेगा। उन्होंने बताया कि रात को जन्माष्टमी पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

8 से 10 अक्तूबर तक मनाया जाएगा हरोली उत्सव, निकलेगी शोभा यात्रा

एसडीएम हरोली ने अधिकारियों के साथ की बैठक

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी
हरोली उत्सव की तैयारियों को लेकर बुधवार को एसडीएम हरोली विशाल शर्मा की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय हरोली में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उत्सव की विभिन्न गतिविधियों को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। एसडीएम विशाल ने बताया कि इस बार हरोली उत्सव 8 से 10 अक्तूबर तक मनाया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से उत्सव के सफल आयोजन के लिए पूर्ण सहयोग देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारी टीम वर्क की भावना से कार्य करें। जिस विभाग को जो कार्य का जिम्मा सौंपा गया है, उसे बखूबी से निभाएं। उन्होंने बताया

कि हरोली उत्सव की शुरूआत एक भव्य शोभा यात्रा निकाल कर की जाएगी जिसमें विभिन्न वाद्यय यंत्र और सांस्कृतिक दल शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त उत्सव में रंगोली प्रतियोगिता, मटका-तोड़, रस्सा-कस्सी, बेवी-शॉ, फैशन-शॉ इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल भी लगाए जाएंगे जिसमें प्रदेश सरकार की विकासात्मक योजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। एसडीएम हरोली ने बताया कि उत्सव में एक मैगा गिद्दा का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें हजारों की संख्या में जिला की महिलाओं द्वारा गिद्दा डाला जाएगा। बैठक में संबंधित विभागों के समस्त अधिकारीगण उपस्थित रहे।

न्यूज फ्लैश

मुख्यमंत्री ने आलमपुर में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में शीश नवाया

टीम एक्शन इंडिया/ धर्मशाला/ विजय समयाल। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गत दिवस को जन्माष्टमी के पावन अवसर पर कांगड़ा जिला स्थित आलमपुर में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में शीश नवाया और प्रदेश की समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने इस पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्य संसदीय सचिव किशोरी लाल, विधायक यादविंद्र गोमा, हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी ग्रामीण एवं कृषि विकास बैंक के अध्यक्ष संजय चौहान, कांगड़ा केन्द्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, कांग्रेस नेता संजय राणा, उपायुक्त डॉ. निपुण जिन्दल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुशाक और स्लाविया के नए वैरिएंट लॉन्च किये

मंडी: भारत में सबसे सुरक्षित, उच्चतम मूल्यांकन वाली, टक्कर.परीक्षित कारों के निमार्ता स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुशाक ओनिक्स प्लस और स्लाविया ऐम्बिशन प्लस के साथ दो नए उत्पादों की घोषणा की है।दोनों वैरिएंट त्योहारी कीमत, आकर्षक नए एक्सचेंज लाभ और विशेष कॉरपोरेट योजनाओं के साथ हैं। ये सभी विशेष सुविधायें सीमित अवधि तक उपलब्ध हैं। कुशाक ओनिक्स प्लस में बिल्कुल नए आर 16 ग्रूस अलॉय और एक विंडो क्रोम गार्निश है। फ्रंट ग्रिल रिब्स और पिछले भाग में ट्रंक गार्निश अब क्रोम में तैयार किए गए हैं। ओनिक्स प्लस1.0 टीएसआई इंजन द्वारा संचालित होगा जो मैनुअल ट्रांसमिशन से जुड़ा होगा।कुशाक ओनिक्स प्लस की कीमत11.59 लाख रुपये है और यह केवल कैंडी व्हाइट और कार्बन स्टील रंगों में उपलब्ध होगा।स्लाविया ऐम्बिशन प्लस को फ्रंट ग्रिल नीचे के ओर दरवाजे और ट्रंक गार्निश के लिए क्रोम पैकेज से सजाया गया है।कार में इन.बिल्ट डैश कैम होगा और यह सभी मौजूदा रंग के विकल्पों में उपलब्ध हैं।कुशाक ओनिक्स प्लस की तरह ही स्लाविया ऐम्बिशन प्लस में भी1.0 टीएसआई इंजन की विशेषता होगी।ग्राहक 6.स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन विकल्पों के बीच चुनाव कर सकते हैं। स्लाविया एम्बिशन प्लस 12.49 लाख रुपये की विशेष त्योहारी कीमत पर उपलब्ध है। मेड.फॉर.इंडिया, रेडी.फॉर.द.वर्ल्ड एमक्यूबी.एओ.इन प्लेटफॉर्म पर आधारित कुशाक और स्लाविया कंपनी के भारत 2.0 प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं और अपने सबसे कामयाब वर्ष 2022 में स्कोडा ऑटो इंडिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इन कारों ने वयस्कों और बच्चों दोनों के लिए ग्लोबल न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम में पुरे 5.स्टार अर्जित किए हैं।

वी ने भारत में पोस्ट पेड अनुभव को बनाया बेहतर उपभोक्ताओं को चॉइस के साथ बनाया सशक्त

शिमला: अपने यूजर्स को विशेष फायदां से लाभान्वित करने के प्रयास में प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने आज उद्योग जगत की अनूठी पहल चॉइस की घोषणा की है, जिसके द्वारा इसके पोस्टपेड यूजर लाईफ स्टाइल जैसे एंटरटेनमेन्ट, फूड, टैवल और मोबाइल सिक्योरिटी आदि में एक्सक्लुजिव फायदे पा सकते हैं।अपने पोस्टपेड उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से वी इस पहल को लाने वाली पहली दूरसंचार कंपनी है, जिसके द्वारा पोस्टपेड यूजर अपनी जरूरत के अनुसार फायदे चुन सकेंगे। इस नए प्रस्ताव के तहत वी के इंडीविजुअल एवं फैमिली पोस्टपेड यूजर चार एक्सक्लुजिव कैटेगरीज मेंअपनी पसंद के प्रीमियम पार्टनर की ओर से फायदों की एक रेंज चुन सकते हैं अवनीश खोसला, सीएमओ, वी ने कहा, ह्यह्यवी मैक्स इनोवेशन एवं उपभोक्ता उनमुख प्रयासों की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करताहै। इस अनूठे चॉइस फीचर के साथ हम पोस्टपेड प्लान की संभावनाओं को नया आयाम देना चाहते हैं। इसके द्वारा हमारे यूजर अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार फायदे चुन कर सशक्त बन सकेंगे।

डीएसपी शेर सिंह को डीजीपी डिस्क अवार्ड

टीम एक्शन इंडिया/ बिलासपुर/ कश्मीर ठाकुर
पुलिस विभाग में बतौर डीएसपी शेर सिंह को डीजीपी डिस्क अवार्ड से नवाजा गया है। यह पुरस्कार उन्हें राज्यपाल ने राजभवन में आयोजित समारोह में प्रदान किया। डीएसपी शेर सिंह बस्सी में तैनात हैं। उनकी उत्कृष्ट सेवाओं को देखते हुए डीजीपी डिस्क अवार्ड से उन्हें नवाजा गया। पुलिस मुख्यालय द्वारा ऐसे अधिकारियों व कर्मचारियों की सूची जारी की गई थीए जिन्होंने उत्कृष्ट कार्य किए थे। गौर रहे कि शेर सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान उत्कृष्ट कार्य किए हैं। जिन्हें देखते हुए यह अवार्ड उन्हें दिया गया। 2008 बैच के शेर सिंह बतौर प्रोबेशनल सब इंस्पैक्टर बद्दी में 2 वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। इसके उपरांत वह सब इंस्पेक्टर कुल्लू में 4 वर्षों तक कार्यरत रहे।

'भारत इंदिरा है, इंदिरा भारत है वाली अहंकारी सोच रखने वाली पार्टी है कांग्रेस'

टीम एक्शन इंडिया/ सोलन/ मनीष
अर्की विधान सभा एवं कसौली विधान सभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकताओं की बड़ी बैठकों का आयोजन हुआ जिसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिन्दल मुख्य अतिथि के नाते उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त शिमला लोकसभा से सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा सुरेश कश्यप, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री डॉ. राजीव सैजल, जिलाध्यक्ष रतन सिंह पाल व दोनों मण्डलों के नेतागण उपस्थित रहे। इस मौके पर कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए डॉ बिन्दल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जो कभी राष्ट्रव्यापी पार्टी थी

जिसके 400-400 संसद सदस्य हुआ करते थे व देश के 20-25 राज्यों में जिनकी सरकारें हुआ करती थी, आज वह पार्टी लगातार रसातल की ओर जा रही है। देशभर में 2-3 राज्यों में इनकी सरकारें है और केन्द्र में भी 50 सांसदों से इन्हें गुजारा करना पड़ रहा है। डॉ बिन्दल ने कहा कि कांग्रेस की इस हालत के लिए कांग्रेस पार्टी खुद जिम्मेवार है। जो पार्टी कभी लाला लाजपतराय, बाल गंगाधर तिलक, विपिन चंद्रपाल, महात्मा गांधी की पार्टी हुआ करती थी, आज वह पार्टी एक परिवार की पार्टी बन कर रह गई है। जो पार्टी कभी आजादी से पहले राष्ट्र की बात करती थी, भारत की बात करती थी, इनके नेता गांधी जी ने गीता पर पूरी भाषा टीका लिखी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने बेहतरीन गीता व्याख्या लिखी, वो पार्टी आज सनातन धर्म को समाप्त करने का संकल्प लेकर चलने वाली पार्टियों का साथ दे रही है।

दिव्यांग कल्याण संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

टीम एक्शन इंडिया/ बिलासपुर/ कश्मीर ठाकुर
दिव्यांग कल्याण संघ बिलासपुर का एक प्रतिनिधि मण्डल, अध्यक्ष विनोद कुमार की अध्यक्षता में उप मण्डलाधिकारी चैधरी से मिला और दिव्यांगों की समस्याओं जिसमें अत्याधिक बारिश के कारण जिन दिव्यांगजनों का नुकसान हुआ है, उनको सहयोग करने की अपील की साथ में कुमारी पिंगला देवी जो 85 प्रतिशत दिव्यांग है और घर में बिलकुल अकेली है। उनके लिए शौचालय घर तक सडक के लिए भी निवेदन किया। इसके साथ दिव्यांग भवन निर्माण कार्य में आ रही रुकावटों को दूर करने के लिए भी आग्रह किया ताकि इस स्थान को दिव्यांग जनों के लिए एक आजीविका केन्द्र के रूप में विकसित किया जा सके। उपण्मण्डलाधिकारी ने सभी समस्याओं का उचित समाधान करने का आश्वासन दिया।

इस प्रतिनिधिमंडल में अश्वनी चंदेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रचना देवी महासचिव और जोगिन्दर कुमार सह सचिव शामिल थे।

राजीव को जिला नियंत्रक पद पर पदोन्नत होने पर दी बधाई

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी।
पीडीएस डिपो होल्डर संघ हरोली ने राजीव शर्मा को जिला नियंत्रक पद पर पदोन्नत होने पर मुबारक दी। बता दें कि राजीव शर्मा ने ऊना में जिला नियंत्रक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले का पद संभाल रहे थे। इस मौका पर निरीक्षक गगरेट सुरिंदर सिंह, निरीक्षक बंगाणा नरेश कुमार, निरीक्षक अंब सरोज कुमार, निरीक्षक हरोली दीपक शर्मा, डिपो होल्डर संघ से सतपाल सैनी, वारिंदर कुमार, संजीव कुमार, पवन कुमार, धर्मपाल, अभिषेक, राकेश, गुरचरण, नंद लाल, संगीता रानी, रेखा, सुखविंदर कौर व मीना मौजूद रहे।

शहर में पानी की स्थिति में आया सुधार, पांचवे दिन हो रही पानी की सप्लाई

टीम एक्शन इंडिया/ सोलन/ मनीष
हिमाचल प्रदेश में अब स्थिति सामान्य होने लगी है ऐसे में नगर निगम सोलन भी पानी की सप्लाई 5वें दिन शहर के सभी वार्डों में कर रहा है बुधवार को भी निगम के पास 90 लाख लीटर पानी पहुंचा है। यह पानी की सप्लाई जल शक्ति विभाग के द्वारा निगम को की जाती है। शहर के सभी वार्डों में पानी की सप्लाई चौथे दिन हो इसके लिए निगम द्वारा कार्य किया जा रहा है। बुधवार को मीडिया को जानकारी देते हुए नगर निगम सोलन के डिप्टी मेयर राजीव कौड़ा ने बताया कि निगम को पिछले चारपांच दिनों से पानी की सप्लाई जलशक्ति विभाग द्वारा प्राप्त मात्रा में दी जा रही है जिसके बाद पानी की स्टोरेज निगम द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले चार.पांच दिनों से 70 लाख लीटर पानी से लेकर 90 लाख लीटर पानी निगम को मिल रहा है जिसके बाद पानी की राशनिंग की जा रही है और शहर के सभी वार्डों में पानी की सप्लाई भी निगम द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा कि शहर के कई वार्ड में ऐसे भी लोग हैं जिनके द्वारा पानी की टंकियां ओवरफ्लो रखी जा रही है ऐसे लोगों के चालान भी निगम द्वारा काटे जा रहे हैं और उनके कनेक्शन को भी काटा गया है लेकिन उन्होंने लोगों से अपील की है कि पानी का

उचित मात्रा में इस्तेमाल करें क्योंकि यदि पानी की राशनिंग उनके द्वारा की जाती है तो उनके लिए ही इसका फ ायदा आने वाले समय में मिलेगा। राजीव कौड़ा ने कहा कि यदि फिर से बारिश जैसी स्थिति बनती है और गिरी और अश्वनी खड्ड में गाद आती है तो दोबारा से पानी की किल्लत शहर में हो सकती है उन्होंने लोगों से आग्रह किया है कि पानी की वेस्टेज ना करें घरों में गाडियां वगैरह न धोएं ताकि पानी की बचत हो सके। बता दें कि सोलन शहर को रोजाना 90 लाख लीटर पानी की जरूरत होती है जिसकी सप्लाई जल शक्ति विभाग नगर निगम सोलन को करता है लेकिन पिछले दिनों हुई बारिश के कारण जलशक्ति विभाग की अश्वनी और गिरी पेयजल योजना में गाद आने के कारण पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही थी जिस कारण शहर में पानी को लेकर संकट आया था लेकिन अभी भी 5 से 6 दिन बाद निगम शहर के सभी वार्डों में पानी की सप्लाई कर रहा है।

आपदा से क्षतिग्रस्त घरों की समयबद्ध की जाए जियो टैगिंग: अनिरुद्ध

टीम एक्शन इंडिया/चंबा/हामिद
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कहा है कि जारी मानसून सीजन के दौरान प्राकृतिक आपदाओं से लोगों के आंशिक और पूरी तरह से क्षतिग्रस्त घरों की जियो टैगिंग प्रक्रिया समयबद्ध सीमा के भीतर की जाए। अनिरुद्ध सिंह ग्रामीण विकास विभाग के सौजन्य से चंबा जिला में कार्यान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं की प्रगति समीक्षा को लेकर परिधि गृह में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। बैठक में विधायक नीरज नैय्यर और उपायुक्त अपूर्व देवगन विशेष रूप से मौजूद रहे। भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं से जिला में लोगों के घरों को हुए भारी नुकसान के दृष्टिगत कैबिनेट मंत्री ने राहत मामलों में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए सभी खंड विकास अधिकारियों को समयबद्ध सीमा के भीतर आंशिक और पूरी तरह से क्षतिग्रस्त घरों की जियो टैगिंग प्रक्रिया पूरी करने को निर्देशित किया। अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि जिला में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत 83 करोड़ 50 लाख रूपयों की धनराशि से आपदा प्रभावित क्षेत्रों में अब तक 6984 विभिन्न कार्यों के लिए विशेष सेल्फ का अनुमोदन किया गया है। उन्होंने गुणवत्ता युक्त कार्यों के साथ प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सितंबर माह के अंत तक शिमला तक बहाल हो जाएगा रेलवे ट्रैक

टीम एक्शन इंडिया/ सोलन/ मनीष
हिमाचल प्रदेश में अब मौसम साफ होने के साथ साथ जनजीवन पटरी पर लौटने लगा है। एनएच बहाल होने का कार्य जारी है वहीं विश्व धरोहर कालका शिमला रेलवे ट्रैक पर भी अब धीरे-धीरे बहाल होने लगा है। जुलाई और अगस्त माह में हुई भयानक बारिश से सडकों के साथ साथ रेलवे ट्रैक भी पुरी तरह से प्रभावित हुआ है। फिलहाल अब रेलवे ट्रैक कालका से कोटी रेलवे स्टेशन तक बहाल हुआ हैएजहां से स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए रेल सेवा बहाल कर दी गई है। बारिश के कारण जुलाई और अगस्त माह में रेलवे ट्रैक कई बार बाधित हुआ हालांकि

जुलाई माह में रेलवे ट्रैक को सोलन से शिमला तक बहाल किया गया, लेकिन अगस्त माह में हुई भयानक बारिश ने रेलवे ट्रैक को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया और इतिहास में पहली बार रेलवे ट्रैक बन्द रहा, लेकिन ऐसा देखने मे पहली बार मिला है कि विश्व धरोहर कालका शिमला रेलवे ट्रैक इतने समय तक बन्द रहा हो। बारिश के कारण कालका से लेकर शिमला रेलवे तक जगह जगह ट्रैक पर मलबा आया है और कई जगह पर ट्रैक के नीचे की जमीन ही गायब हो गई है, पटरियां हवा में लटक रही और पटरी के नीचे लगे डंगे भरभरा कर गिर चुके है, लेकिन अब इसे रिस्टोर करने का काम शुरू हो चुका है। कालका से लेकर सोलन तक 5 ऐसे पॉइंट है जहां डंगा लगाने और ट्रैक को बहाल करने का काम चला हुआ है वहीं सोलन से शिमला के ट्रैक में भी 5 ऐसे मेजर पॉइंट है जहां पर युद्धस्तर पर ट्रैक को बहाल करने का काम चला हुआ है।

10 दिनों के भीतर सोलन तक पहुंच जाएगी रेल सेवा
बीते दिनों हुई भारी बारिश के कारण शिमला में समर हिल और जतोग स्टेशनों के बीच स्थित रेलवे लाइन का एक हिस्सा भारी भूस्खलन में बह गया था जिस कारण रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा हवा में लटका हुआ हैए जो अब बचा है। फिलहाल अब कालका से लेकर कोटी रेलवे स्टेशन तक ट्रैक पुरी तरह बहाल है वहां पर रेल सेवा अब शुरू हो चुकी है। वहीं अगले 10 दिनों के भीतर सोलन तक रेल सेवा पहुंचने की उम्मीद रेलवे अधिकारियों ने जताई है।

10 जगह पर चला है रिस्टोरेशन वर्क
बता दें कि कालका से लेकर कोटी रेलवे स्टेशन तक ट्रैक बहाल है यहां पर रेल सेवा शुरू हो चुकी है लेकिन अभी भी विश्व धरोहर कालका शिमला रेलवे ट्रैक पर धर्मपुर स्टेशन, आंजी, सुक्की जोहड़ी, कोटी टनल, सनवारा कंडाघाट और समरहिल के पास रेलवे ट्रैक को बहाल करने का कार्य किया जा रहा है।

खाद्य आपूर्ति विभाग ने नगर निगम क्षेत्र में 22 निरीक्षण कर जब्त किए 14900 रुपए

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा
जिला नियंत्रक खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले शिमला पूर्ण चंद ठाकुर ने गत दिवस को जानकारी देते हुए बताया कि शिमला शहर के नगर निगम क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश वस्तु मूल्यांकन एवं प्रदर्शन आदेश 1977 व हिमाचल प्रदेश जमाखोरी और मुनाफाखोरी उन्मूलन आदेश 1977 के तहत निरीक्षण किया गया और इन आदेशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई अमल में लाई गई। उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के तहत सब्जी मंडी और

संजौली में 22 निरीक्षण कर 14900 रुपए मूल्य की 180 किलोग्राम सब्जी और 10 दर्जन केले जब्त किये। इन प्रतिष्ठानों द्वारा फल और सब्जियों की रेट लिस्ट नहीं लगाई गई थी और निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर सामान की बिक्री की जा रही थी। पूर्ण चंद ठाकुर ने बताया कि इन आदेशों के जारी होने से लेकर अभी तक जिला में कुल 681 निरीक्षण कर 91835 रुपए मूल्य के कुल 1697 किलोग्राम सब्जी और फल जब्त किये गए हैं।उन्होंने बताया कि इन कानूनों के तहत दुकानदारों को फल और सब्जियों की रेट लिस्ट लगाना अनिवार्य है।

न्यूज फ्लैश

विद्यार्थियों ने दही हांडी फोड़ कर मनाया जन्माष्टमी का त्योहार

सोनीपत
ज्ञान गंगा मांटेसरी एवं मॉडल स्कूल, न्यू नंदवानी नगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया । स्कूली छात्र-छात्राओं ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों में श्रीकृष्ण जन्म से लेकर कंस वध तक की लीलाओं को प्रस्तुत किया । नौनिहालों ने माखन चुराते हुए भगवान श्रीकृष्ण की बाल रूप की झांकी प्रस्तुत की । राधा व श्रीकृष्ण की वेशभूषा में सजे नन्हे मुन्ने बच्चों ने कार्यक्रम की शोभा बधाई । इसके साथ ही स्कूल के छात्रों ने दही हांडी फोड़ कर सभी को प्रभावित किया । विधालय की प्राचार्या रिचा चावला ने सभी बच्चों व शिक्षकों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी ।

प्राचार्या रिचा चावला ने बताया कि श्रीकृष्ण भगवान विष्णु का अवतार हैं । श्रीकृष्ण का जन्म अपने दुराचारी मामा कंस को मारने के लिए हुआ था। .देवकीनंदन कृष्ण को यशोदा मैया ने पाला था जिस चलते उन्हें यशोदा का नंद भी कहा जाता है। बाल गोपाल अपने बचपन के दिनों में खूब हांडियां फोड़ते थे जिसके चलते उन्हें माखनचोर भी बुलाया जाता है । कान्हा अपने गांव की महिलाओं से माखन और दही चुराकर सभी सखाओं को खिलाते थे । वे गुलेल से सभी की हांडियां फोड़ा करते थे । स्कूल में भगवान श्रीकृष्ण का हिंडोला सजाया गया । इस मौके पर बच्चों की गीत व संगीत पर आधारित मनोहारी प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कक्षा आठवीं की छात्रा वंदना ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से सभी को अवगत कराया। छात्रों ने हांडी फोड़ कार्यक्रम का भी आयोजन किया, जिसमें नन्हे कन्हैया ने हांडी फोड़ी । हांडी फोड़ में पांचवी के छात्र कुश ने बाल गोपाल की भूमिका निभाई। इस मौके पर माखन और मिश्री का प्रसाद वितरित किया गया। विधालय के छात्र-छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण जी को झूला झुलाया। कार्यक्रम का मंच संचालन अध्यापिका कविता की देखरेख में कक्षा आठवीं की छात्रा जया और खुशी ने किया गया।

पी एस पब्लिक स्कूल भूर्री के छात्र जन्माष्टमी कार्यक्रम के दौरान अपने शिक्षकों व निदेशक संजीव कौशिक के साथ।

शारदा हॉस्पिटल के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा मनाया गया राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

ग्रेटर नोएडा। शारदा हॉस्पिटल के सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एसएमएस एंड आर द्वारा दिनांक 5 सितंबर 2023 को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया। भारत सरकार के सालाना कार्यक्रम के तहत हर साल 1 से 7 सितंबर के दौरान राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। इस कार्यक्रम को शारदा यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज, स्कूल ऑफ मेडिकल एंड रिसर्च के समुदायक चिकित्सा विभाग के डीन डॉ. निरुपमा गुप्ता के मार्गदर्शन में मनाया गया। लोगों को अच्छे और संतुलित आहार के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें सेमिनार, कार्यशालाएं, स्वास्थ्य जांच शिविर, आहार संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आदि शामिल थे। इस उपलक्ष पर अन्य अतिथि जिनमें संस्था के सहायक डीन डॉ. पूजा रस्तोगी, आयोजन सचिव डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, प्रोफेसर - विभाग अध्यक्ष कम्युनिटी मेडिसिन, डॉ. हर्ष महाजन, प्रोफेसर कम्युनिटी मेडिसिन, डॉ. नेहा त्यागी, एसोसिएट प्रोफेसर कम्युनिटी मेडिसिन, डॉ. अंशु सिंह एसोसिएट प्रोफेसर कम्युनिटी मेडिसिन भी मौजूद रहें।

मतदान के प्रति किया गया जागरूक

टीम एक्शन इंडिया/ खरखौदा (सोनीपत)
मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा के निदेर्शानुसार जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा जिला की सभी 6 विधानसभाओं के उन गांवों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिनमें पिछले लोकसभा व विधानसभा चुनावों में सबसे कम मतदान हुआ था। इसी कड़ी में खरखौदा विधानसभा के गांव आनंदपुर-झरोठ तथा रोहट में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कायक्रमों में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ मनोज कुमार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए ग्रामवासियों को नई वोट बनवाने तथा भविष्य में होने वाले चुनावों में शत प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रेरित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आपका मतदान लोकतंत्र की जान है। अपनी वोट की ताकत हर मतदाता को पहचाननी चाहिए। प्रजातंत्र में मतदान का अत्यधिक महत्व है। सरकार का चयन मतदाता ही करते हैं, जिसके लिए मतदान आवश्यक होता है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों द्वारा किए गए सघर्षों के कारण ही हमें यह अधिकार प्राप्त हुआ था इसलिए हमें इस अधिकार का जरूर प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपनी इच्छा का उम्मीदवार या सरकार चुनने के लिए वोट ही सबसे बड़ा अधिकार है इसलिए सभी मतदाता मतदान के दिन शत प्रतिशत वोट डालकर अपनी पंसद के उम्मीदवार को चुने ताकि वो आगे चलकर आपके विकास के लिए कार्य कर सके। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि ऐसे सभी युवा जिनकी आयु एक जनवरी 2024 को पूरी हो जाएगी वे तुरंत अपनी नई वोट के लिए आवेदन करें ताकि वे भी लोकतंत्र की मजबूती में अपनी अहम भूमिका निभा सके। उन्होंने कहा कि गांव के लोग अपनी बेटियों की वोट बनवाने में दिलचस्पी कम रखते हैं क्योंकि उनका मानना है कि बेटियों की शादी हो जाएगी और वे दूसरे घर चली जाएगी तो इस बारे में उनको बिल्कुल भी घबराने की जरूरत नहीं है जब हमारी बेटियों की शादी हो जाएगी तो वे अपनी ससुराल जाकर अपनी वोट को वहां स्थानांतरित करवाने के लिए आवेदन कर सकती है। निर्वाचन आयोग द्वारा एक सप्ताह के अंदर उनकी वोट स्थानांतरित कर दी जाएगी। इसलिए सभी परिजन 18 साल की होते ही अपनी बेटियों की वोट जरूर बनवाएं ताकि वे भी इस अधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने गांव आनंदपुर झरोठ में सबसे ज्यादा बार मतदान करने वाली महिलाओं और पुरूषों को मिठाई खिलाई और फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उन्हें सम्मानित किया और उपस्थित मतदाताओं को कहा कि हमें इन महिलाओं और पुरूषों से प्रेरणा लेनी चाहिए कि हमारे संविधान ने हमें जो अधिकार दिया है हमें उसका प्रयोग करना चाहिए।

नन्हे मुन्ने बच्चों ने मनाया जन्माष्टमी पर्व

टीम एक्शन इंडिया/संजय शर्मा
नारनौल। गली नंबर 1,केशव नगर में स्थित आधारशिला विद्यापीठ किड्स एकेडमी में और मंडलाना गांव में स्थित आधारशिला की ब्रांच में जन्माष्टमी महोत्सव को बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया । इस महोत्सव पर दोनो स्कूलों के छोटे छोटे बच्चों ने रंगा रंग कार्यक्रम पेश किया। आधारशिला विद्यापीठ की केशव नगर ब्रांच के किंडरगार्टन श्रेणी की जिया,परी, तन्वी, हेजल, मासूम बच्चियों ने "राधा तेरी चुनरी" पर, पहली कक्षा के विद्यार्थी हर्ष , नियान, जीवेश, अयांश ने ओ माय लॉर्ड गणेशा पर मासूमियत भरा सामूहिक नृत्य पेश किया।युवराज,वेदांत,पर्व, तन्य ने हनुमान जी बनकर अपने नृत्य से भक्ति भाव जगाया। मंडलाना गांव में स्थित आधारशिला विद्यापीठ की अन्य ब्रांच में भी पर किंडर गार्टन श्रेणी के विद्यार्थियों ने राधा कृष्ण महारास नृत्य किया और दही हंडी फोड़ी। इस मौके पर आधारशिला विद्यापीठ के चेयरमैन गिरीश खेड़ा ने और दोनो ब्रांच की प्रधानाचार्यों हरजिंदर कौर और निशा ने सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए जन्माष्टमी महोत्सव की महिमा का आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान किया।

12 से 25 अक्टूबर तक होगा भगवान राम की लीला का भव्य मंचन

टीम एक्शन इंडिया / संजय शर्मा
नारनौल। श्री धार्मिक रामलीला ट्रस्ट मोहल्ला चांदुवाडा के मंच पर संस्था की जनरल बॉडी की बैठक मंगलवार देर शाम आयोजित की गई। जिसमें आगामी रामलीला करने के बारे में चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि रामलीला का मंचन 12 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक किया जाएगा। 26 अक्टूबर को वहां नाटक मोरध्वज का मंचन होगा। बैठक के दौरान रामलीला मंच के नवनिर्माण की भी चर्चा करते हुए लोगों से अधिक से अधिक आर्थिक सहायता के बारे में योगदान की बात कही। ट्रस्ट के प्रधान संजय गर्ग ने बताया कि रामलीला में लगभग 25 से 30 लाख रुपए से रामलीला के मंच एवं दर्शक दीर्घा के नवीनीकरण का कार्य हो रहा है, इसमें सभी धर्म प्रेमी बंधुओ से सहयोग की आशा करते हैं। बैठक के दौरान सभी कलाकार साथियों से विचार विमर्श के उपरांत 9 सितंबर से रामलीला मंच पर रिहर्सल आरंभ करने का भी निर्णय लिया गया।

ट्रस्ट के सरंक्षक सत्यनारायण हरित व शंभूदयाल गर्ग ने सभी कलाकारों से इस 76 वर्ष पुराने मंच के नवनिर्माण उपरांत प्रभु राम की भव्य लीला मंचन हेतु तैयार रहने का आग्रह किया।

किडजी व किड्स प्लेनेट प्रेम पब्लिक स्कूल में आस्था के साथ मनाया जन्माष्टमी

टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक) किडजी व किड्स प्लेनेट प्रेम पब्लिक स्कूल में आस्था के साथ मनाया गया जन्माष्टमी का पर्व। स्कूल प्रबंधक श्री परमिंदर सिंह बाठ जी तथा प्रिंसीपल वीरेंद्र कुमार जी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कक्षा सातवीं तथा आठवीं के छात्र-छात्राओं ने श्री कृष्ण की लीलाओं का सुंदर दृश्य प्रस्तुत किया।

कक्षा पहली से तीसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । कक्षा चौथी व पांचवी के छात्रों ने राधा ढूंढ रही किसी ने मेरा शाम देखा पर सामूहिक नृत्य किया।मंच का संचालन शुभम सर तथा ममता मैम के द्वारा किया गया।

बाल विकास स्कूल में धूमधाम से मनाया गया श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व

टीम एक्शन इंडिया/सिद्धार्थ राव, बहादुरगढ़।
सराय औरंगाबाद के नजदीक स्थित बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कई प्रतियोगिताओ का का आयोजन हुआ। जन्माष्टमी पर्व पर स्कूल में बच्चे राधा कृष्ण की पोशाक धारण करके आए। स्कूल में दही हांडी, डांस पेंटिंग व अन्य प्रतियोगिताई हुई। सभी विजेताओं को स्कूल प्रबंधन द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल की डायरेक्टर डॉ सीमा छिल्लर ने कहा कि जन्माष्टमी का पर्व भगवान श्री कृष्ण के जन्म उत्सव पर मनाया जाता है। जन्माष्टमी के दिन भगवान श्री कृष्ण का जन्म हुआ था। जिन्होंने अत्याचारी कंस का वध करके संपूर्ण विश्व को यह संदेश दिया था कि अत्याचार का हमेशा अंत होता है। स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ पूनम चौधरी ने अपने सम्बोधन में कहा कि सभी पर्व हमें आपस में एक परिवार की तरह मिलजुल कर रहने का संदेश देते हैं।

उन्होंने कहा कि जब-जब धरा पर अत्याचार बड़ा है तब तक भगवान ने मनुष्य का रूप धारण कर इस पृथ्वी को अत्याचारियों से मुक्त कराया है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने अपने बाल्य काल में भी अनेक असुरों का वध किया तथा व अत्याचारी वाले राजा कंस का वध करके संपूर्ण जगत को यह संदेश दिया था कि बुरे कर्मों का फल हमेशा बुरा ही होता है। इसलिए हमें अपने जीवन में सदैव सत्य व धर्म का आचरण करना चाहिए।

गठबंधन सरकार में बह रही विकास की गंगा: डा. अजय सिंह

टीम एक्शन इंडिया/संजय शर्मा
नारनौल। गठबंधन सरकार में प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है तथा जो कोर-कसर रह गई है, शेष कार्यकाल में उसे दूर करते हुए तेजी से विकास एवं जनकल्याण के कार्य करवाएंगे। आम आदमी की दुख-तकलीफों को दूर किया जाएगा तथा कहीं कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उक्त विचार जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला ने मंगलवार को जिले के ग्रामीण दौरे में व्यक्त किए। डा. अजय सिंह चौटाला ने ग्रामीण दौरे की शुरूआत नांगल चौधरी विधानसभा के थनवास से हुई। तत्पश्चात उन्होंने सरेली, कारोता, खटोटी कलां, सेका एवं गुवानी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बहाला कलां में मास्टर भूपसिंह के पिता एवं बाबा ऑयल मिल्स के मालिक रामकुमार शर्मा के निधन पर शोक जताया, जबकि गांव दोंगली में सुरेंद्र ठेकेदार के निवास पर कार्यकताओं से मुलाकात की। उन्होंने गुवाणी में शहीद लाल सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। जनसभाओं की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डा. मनीष शर्मा ने की। ग्रामीणों सभाओं को संबोधित करते हुए डा. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि जब-जब भी हमारी पार्टी ने रैलियां की है, हमने अपने रिकार्ड खुद ही तोड़े हैं और लाखों की भीड़ इक्कठी करके अपने संगठन की ताकत दिखाई है। उन्होंने कहा कि प्रजातंत्र में जनशक्ति सबसे बड़ी ताकत होती है। जब हमने पुरानी पार्टी छोड़ी, तब झंडे से लेकर फंड तक सबकुछ छोड़ दिया था और नए सिरे से संगठन खड़ा किया था। मात्र नौ महीने में आप सब लोगों ने मिलकर पीठ थपथपाई तो 10 विधायकों के साथ हमने विधानसभा में प्रवेश किया। उन्होंने कहा कि अब फिर से देश-प्रदेश में चुनावी माहौल बन रहा है और प्रदेश की जनता दिल खोलकर पूर्ण बहुमत के साथ हमें सत्ता की चॉबी सौंपती है तो वह सारे अधूरे काम पूरे किए जाएंगे, जिनकी हमसे लोग अपेक्षा करते हैं।

उन्होंने कहा कि जेजेपी की स्थापना चौधरी देवीलाल की विचारधारा से हुई है तथा उन्हीं की नीतियों का अनुसरण करते हुए छत्तीस बिरादरी के कल्याण के लिए कार्य किए जा रहे हैं।

कैंटाबिल रिटेल ने हमीरपुर में नया स्टोर लॉन्च किया

हमीरपुर: भारत के अग्रणी परिधान निमार्ताओं एवं रिटेल विक्रेताओं में से एक, कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड ने हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में अपना रिटेल स्टोर खोलने की घोषणा की है।यह स्टोर 2700 वर्गफुट क्षेत्रफल में फैला हुआ है,ब्रांड का यह स्टोर एक्सिस बैंक के सामने, न्यू रोड, जिला हमीरपुर में स्थित है। कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड के निदेशक, दीपक बंसल ने कहा, हमें हमीरपुर में अपने इस नए रिटेल स्टोर के लॉन्च की घोषणा करते हुए बेहद खुशी महसूस हो रही है।एक ब्रांड के रूप में कैंटाबिल रिटेल को सभी आयु समूहों के मिड-प्रीमियम सेगमेंट में, ग्राहकों के बीच अच्छी तरह से स्वीकारा और सराहा गया है।अपने ग्राहकों को स्टाइलिश, ट्रेंडी और समकालीन फैशनेबल वस्त्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, हमने हिमाचल प्रदेश में अपना 5वां रिटेल स्टोर खोला है।आज, सम्पूर्ण देश में हमारी मजबूत उपस्थिति है और हमारा लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में अपनी रिटेल उपस्थिति को और अधिक आक्रामक रूप से विस्तारित करना है। नया कैंटाबिल रिटेल स्टोर अपने ग्राहकों को रिटेल अनुभव के भविष्य की झलक पेश करता है, क्योंकि स्टोर प्रतिस्पर्धी मूल्य पर पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों के लिए फॉर्मल-वियर, कैजुअल तथा अल्ट्रा-कैजुअल कपड़ों की पूरी रेंज पेश करता है। इस स्टोर के खुलने के साथ ही, कैंटाबिल रिटेल पूरे भारत में 475 स्टोर तक पहुंच गया है और अपनी रिटेल उपस्थिति का विस्तार जारी रखने की योजना बना रहा है। कैंटाबिल रिटेल हमेशा से ही अत्याधुनिक शैली में प्रीमियम कपड़े पेश करने में सबसे आगे रहा है।ब्रांड हर साल एक आराम दायक, क्लासिक और स्टाइलिश कलेक्शन तैयार करता है, जो ब्रांड को तेजी से बदलते समय के हिसाब से एक नई पहचान प्रदान करता है।

ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने 2000 से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने की घोषणा की

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत। ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी की ओर से आज एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई, जिसके तहत आगामी शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए 2,000 से अधिक योग्य छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। बेहद होनहार युवा छात्रों को अव्वल दर्जे की गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुँचने के समान अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाले इस पहल की शुरूआत की गई है। साल 2024 में जेजीयू की 15वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी, और इसी खास अवसर के उपलक्ष्य में वर्ष 2024-25 के आगामी बैच के लिए 2000 से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इससे 2024 में दाखिला लेने वाले 60% से अधिक नए छात्रों को जेजीयू में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

नशा बनता है शरीर व आर्थिक पतन का कारण: शेखर यादव

सिद्धार्थ राव, बहादुरगढ़।
हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा नशा मुक्ति का संदेश लेकर झज्जर पहुँची (साइक्लोथॉन) साइकिल मैराथन का झज्जर के सिलानी गेट स्थित राजकीय विद्यालय में भाजपा नेता शेखर यादव ने जोरदार स्वागत किया। साइकिल यात्रा में शामिल लोगों का भाजपा नेता शेखर यादव ने फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया। साइकिल यात्रा का स्वागत करने के उपरांत शेखर यादव ने कहा कि हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा नशा मुक्ति हरियाणा का संदेश देने के लिए प्रदेश भर में आयोजित की जा रही साइकिल मैराथन से युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया जा रहा है। नशा रहित समाज बनाने का संदेश देने के लिए झज्जर पहुंची (साइक्लोथॉन) साइकिल मैराथन में सभी वर्गों के युवा, महिला व पुरुष वर्ग ने बढ़चढ़ कर भाग लेकर नशा मुक्ति के संदेश को लेकर निकल जा रही इस यात्रा में अपना अहम योगदान दिया है। शेखर यादव ने बताया कि नशा मुक्ति के खिलाफ एकजुट प्रयासों के की सोच के साथ मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने युवा पीढ़ी को नशे से बचाए रखने के लिए यह विशेष मुहिम पूरे प्रदेश में बडे स्तर पर चलाई है। इस सभी वर्ग इस साइकिल मैराथन मुहिम का हिस्सा बनकर नशे को जड़ से खत्म करने का संकल्प लेकर प्रदेश के विकास में अपना योगदान देने के लिए आगे आ रहे है। भाजपा नेता शेखर यादव ने कहा कि अच्छे संस्कार नशे से बचाव का सबसे बेहतरीन तरीका है। उन्होंने कहा कि कोई भी नशा शरीर व आर्थिक पतन का कारण बनता है इसलिए युवा पीढ़ी को संकल्प लेना

हकेवि में हिंदी पखवाड़े का आयोजन 14 से 27 सितंबर तक

टीम एक्शन इंडिया/दिनेश नौताना
महेन्द्रगढ़। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में 14 से 27 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ें का आयोजन किया जा रहा है। हिंदी पखवाड़े के दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँवों के स्कूली विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बुधवार को हिंदी पखवाड़े का पोस्टर जारी करते हुए कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार में विश्वविद्यालय तेजी से अग्रसर है। विश्वविद्यालय में इस दिशा में जारी प्रयासों का नतीजा है कि कार्यालयीन गतिविधियों में हिंदी का उपयोग बढ़ा है और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के माध्यम से विश्वविद्यालय स्थानीय निकायों को भी हिंदी के प्रयोग में सहयोग प्रदान कर रहा है।

कुलपति ने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और इसका उपयोग अधिक से अधिक होना चाहिए। विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़े का आयोजन आगामी 14 सितंबर से 27 सितंबर तक किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों व शोधार्थियों तथा विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँवों के स्कूली बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता, विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता, शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता व पत्रलेखन व नोटशीट लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हिंदी पखवाड़े के दौरान विशेषज्ञ व्याख्यान व हिंदी कार्यशाला का आयोजन भी किया जाएगा। 27 सितंबर 2023 को समापन व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। हिंदी पखवाड़े के पोस्टर जारी करने के अवसर पर प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. अमित कुमार, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत, अमित यादव उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर पहुंचे कांग्रेस नेता एडवोकेट संजय आंतिल का बारोटा के राम मैमोरियल स्कूल के प्रबंधक व शिक्षक स्वागत करते हुए।

संपादकीय

कारगर सिद्ध हो रहा नवभारत साक्षरता मिशन

इस समय भारत में एक सितंबर से नवभारत साक्षरता मिशन पर काम चल रहा है। नवभारत साक्षरता मिशन सप्ताह का समापन आठ सितंबर को होगा। इसका उद्देश्य उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाना है। साथ ही सप्ताह भर इस अभियान में देश के हर नागरिक में उसके कर्तव्य व भागीदारी की भावना पैदा करना है। यह विजन इस योजना को लोकप्रिय बना रहा है और हमें भारत को पूर्ण साक्षर बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा। साक्षरता सप्ताह में गतिविधियों का एक परिदृश्य शामिल होगा। 8 सितंबर, 2023 को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाएगा। दूसरा मुख्य उद्देश्य ह्यउल्लासह्ल मोबाइल ऐप पर शिक्षार्थियों और स्वयंसेवकों के लिए पंजीकरण की संख्या में वृद्धि करना है। दरअसल इस तरह के मिशन या आयोजन लोगों को शिक्षा के प्रति गंभीर करते हैं। शिक्षा को मात्र स्कूल या कॉलेज की पढ़ाई से नहीं आंका जा सकता। अच्छी नौकरी व बेहतर जीवन के लिए अतिरिक्त कोर्स करने पड़ते हैं जिसके लिए आम व मध्यम परिवार का बच्चा जागरूक व सक्षम नहीं होता। इस विषय में मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी में यह बताया गया है कि इस अभियान में सरकारी, प्राइवेट स्कूल, सीबीएसई से संबंधित स्कूल, नवोदय विद्यालय समिति, केंद्रीय विद्यालय समिति, राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षण परिषद के तहत शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय या एआईसीटीई के तहत एचईआई डिग्री कॉलेज व तकनीकी संस्थान के छात्र, स्काउट्स एंड गाइड्स, एनसीसी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम पंचायतें आदि भी भाग ले रहे हैं। इस अभियान में उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के बारे में जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा बैठकें आयोजित की जा रही हैं जिससे इसमें आर्कषण बना हुआ है। वहीं पंचायत राज संस्थानों को शामिल करते हुए ग्राम पंचायतों में बैठकें तथा साक्षरता कार्यक्रम के बारे में बैनर और तख्तियों के साथ छात्रों और शिक्षकों द्वारा रैलियां, साइकिल रैलियां, प्रभात फेरियां, नुक्कड़ नाटक आदि का आयोजन किया जा रहा है। इन सब चीजों से स्पष्ट हो जाता है कि शिक्षा को हर स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है। हालांकि ऐसे आयोजन व कार्यक्रम पहले भी चलाए जाते रहे हैं लेकिन लेकिन पहले जनता व विद्यार्थी इतनी रुचि नही दिखाते थे। चूंकि आज से लगभग दो दशक पहले आर्थिक चुनौतियां ज्यादा घेरती थीं जिसका परिणाम यह होता था कि लोग इस क्षेत्र से मन चुराते थे लेकिन समय के चलते लोगों को यह समझ आया कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा हथियार व रास्ता है जिससे किसी भी जंग को जीता जा सकता है। सरकार का इस क्षेत्र में काम करने का उद्देश्य है कि पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा युवा भारत देश में हैं जिनको तैयार केवल शिक्षा के बल पर ही किया जा सकता है। बीते दिनों हम चीन को पछाड़ जनसंख्या के आधार पर नंबर एक पर आ चुके हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि कंपीटिशन के इस दौर में हर क्षेत्र में चुनौती बहुत अधिक बढ़ चुकी है। सरकारी हो या प्राइवेट, मात्र एक पद के लिए लाखों आवेदन आ जाते हैं लेकिन मात्र इस बात से निराश होकर हम होकर हम शिक्षा की ओर न बढ़े तो यह पूर्ण रूप से अपने ही नहीं अपनी आने वाली कई पीढ़ियों के साथ बहुत बड़ी बेईमानी होगी।

क्यों पीओके के लोग कारगिल के दरवाजे खोलने की मांग कर रहे?

अशोक भाटिया

"शिया समुदाय पाकिस्तान के नए ईशनिंदा कानून के खिलाफ है और यही कह रहा है कि अगर इसे लागू करना ही है तो कारगिल के दरवाजे खोल दिए जाएं ताकि गिलगित-बल्तिस्तान के शिया भारत में पनाह ले सकें।जिक्र यदि यहां रहने वाले लोगों की जनसंख्या का हो तो यहां रहने वालों में 39 प्रतिशत शिया आबादी है, जबकि यहां 27 प्रतिशत सुन्नी और 18 प्रतिशत इस्माइली मुसलमान हैं। मौलाना आगा बाकिर अल-हुसैनी का शुमार स्कर्दू और आस पास के बेहद प्रभावशाली लोगों में होता है। मौलाना ने गिलगित बल्तिस्तान के कई अहम आंदोलनों में न केवल हिस्सा लिया बल्कि उन्हें कामयाब बनाया। मौजूदा वक़्त में मौलाना आगा बाकिर अल-हुसैनी साफ पानी के लिए आंदोलन कर रहे हैं। जिससे स्थानीय प्रशासन सकते में आ गया है"

कंगाल पाकिस्तान से अपना देश नहीं संभल रहा है। जहां दक्षिण पश्चिम पाकिस्तान के बलूचिस्तान और सिंध प्रांत में पाकिस्तान विरोधी गतिविधियां बढ़ गई हैं। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले पी.ओ.के. में पाकिस्तान की हुकूमत और पाक आर्मी के खिलाफ बगावत तेज हो गई है। पाकिस्तान की सेना के जुल्म से परेशान गिलगित बालतिस्तान के अल्पसंख्यक शिया मुस्लिमों में आक्रोश है। ये आक्रोश लगातार तेज होता जा रहा है। यही कारण है कि इन दिनों पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्तिस्तान में इन दिनों घमासान मचा है। कट्टरपंथी सुन्नी संगठनों और पाकिस्तानी सेना के दमन के खिलाफ अल्पसंख्यक शियाओं ने विद्रोह कर दिया है। पहली बार इस क्षेत्र के शिया संगठन फौज के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। अल्पसंख्यक शियाओं के तेवर इतने तीखे हैं कि पाकिस्तान की आर्मी भी घबरा गई है। भारत से करीब 90 किलोमीटर दूर स्कर्दू में शिया समुदाय के लोग भारत की ओर जाने वाले कारगिल हाइवे को खोलने की मांग पर अड़ गए हैं। उनका कहना है कि वे अब पाकिस्तानी फौज की हुकूमत वाले गिलगित-बाल्तिस्तान में नहीं रहना चाहते हैं, वे भारत जाना चाहते हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान की आबादी करीब 20 लाख है। इनमें से 8 लाख के करीब शिया समुदाय के लोग हैं। इन शियाओं के बगावती तेवर देखकर पाकिस्तानी आर्मी घबरा गई है। बगावती तेवरों को देखते हुए पाकिस्तान आर्मी ने अपने 20 हजार अतिरिक्त जवानों को तैनात किया है। बताया जाता है कि पाकिस्तान का गिलगित-बल्तिस्तान लगातार उबाल मार रहा है। विरोध प्रदर्शन के नाम पर हजारों लोग सड़कों पर हैं। फिजा में चलो, चलो कारगिल चलो के नारे बुलंद हैं। विरोध के नाम पर जिस तरह लोग उग्र हैं, किसी भी क्षण वहां स्थिति गंभीर हो सकती है। सवाल होगा कि आखिर पाकिस्तान जैसे मुल्क के एक हिस्से में ऐसा क्या हुआ, जो वहां के लोग भारत में विलय होने की बात कह रहे हैं। जवाब है एक शिया धर्मगुरु की गिरफ़्तारी और वो सजा जो उसे पाकिस्तान के प्रचलित ईशनिंदा कानूनों के तहत हुई है। गिलगित के स्थानीय

लोग शिया मौलवी की गिरफ्तारी से बेहद नाराज हैं जिसके मद्देनजर स्थानीय नेताओं ने पाकिस्तानी प्रशासन को गृहयुद्ध की चेतावनी दी है। वहीं कुछ लोग तो ऐसे भी हैं जिन्होंने खुलकर भारत में विलय की मांग करनी शुरू कर दी है। ध्यान रहे, शिया समुदाय से ताल्लुक रखने वाले मौलवी आगा बाकिर अल-हुसैनी पर एक धार्मिक सभा में उनकी टिप्पणियों को लेकर मामला दर्ज किया गया था। बाद में मौलवी को हिरासत में लिया गया जिसके बाद स्कर्दू के शिया समुदाय के लोग सड़कों पर आए और विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ और नौबत हाई-वे जाम तक की आ गयी है।अभी हालिया दिनों में पाकिस्तान की संसद में ईशनिंदा को लेकर एक बिल पास हुआ था। इस बिल के आने के बाद ही शिया मौलाना आगा बाकिर अल-हुसैनी पर एक एफआईआर होती है और कहा जाता है कि उन्होंने ईशनिंदा की है। इसके बाद गिलगित के पास स्थित जलास और द्यामर जो कि एक सुन्नी बाहुल्य क्षेत्र है वहां लोग शिया मौलव के विरोध में सड़कों पर आते हैं। वहीं पाकिस्तान के अपर कोहिस्तान के सुन्नी बहुल हिस्से में एक धरना प्रदर्शन होता है और मांग की जाती है कि शिया मौलाना आगा बाकिर अल-हुसैनी को फौरन ही गिरफ्तार किया जाए और उन्हें सख्त से सख्त सजा मिले। तब लोगों का ये भी कहना था कि यदि मौलाना गिरफ्तार नहीं होते हैं तो उग्र प्रदर्शन करते हुए सड़कों को बंद कर यातायात को बाधित किया जाएगा। सुन्नी समुदाय की ये मांग शिया समुदाय को नागवार गुजरी और उन्होंने मौलाना की गिरफ्तारी के विरोध में स्कर्दू और आस पास के इलाकों में विरोध प्रदर्शन की शुरूआत की और मुख्य हाई वे जाम कर दिया। बताया जा रहा है कि पूरे गिलगित-बल्तिस्तान के हालात बहुत जटिल हैं और ये विरोध प्रदर्शन किसी भी वक़्त एक बड़ी हिंसा का रूप ले सकता है, जिसका खामियाजा कई मासूम लोगों को भुगतना होगा। शिया समुदाय पाकिस्तान के नए ईशनिंदा कानून के खिलाफ है और यही कह रहा है कि अगर इसे लागू करना ही है तो कारगिल के दरवाजे खोल दिए जाएं ताकि गिलगित-बल्तिस्तान के शिया भारत में पनाह ले सकें।जिक्र यदि यहां रहने वाले लोगों की जनसंख्या का हो तो यहां रहने वालों में 39 प्रतिशत शिया आबादी है, जबकि यहां 27 प्रतिशत सुन्नी और 18 प्रतिशत इस्माइली मुसलमान हैं। मौलाना आगा बाकिर अल-हुसैनी का शुमार स्कर्दू और आस पास के बेहद प्रभावशाली लोगों में होता है। मौलाना ने गिलगित बल्तिस्तान के कई अहम आंदोलनों में न केवल हिस्सा लिया बल्कि उन्हें कामयाब बनाया। मौजूदा वक़्त में मौलाना आगा बाकिर अल-हुसैनी साफ पानी के लिए आंदोलन कर रहे हैं। जिससे स्थानीय प्रशासन सकते में आ गया है। माना जा रहा है कि मौलाना को गिरफ्तार करने की वजह उनका राजनीतिक रूप से सक्रिय रहना है। अभी बीते दिनों ही एक धार्मिक सभा में मौलाना ने पैगंबर मुहम्मद के नवासे इमाम हुसैन के हत्यारे यजीद की तीखी आलोचना की थी। यजीद जैसे व्यभिचारी पर जो रुख मौलाना का था उसने पाकिस्तान के सुन्नियों को आहत किया और उन्होंने मौलाना पर ईशनिंदा का आरोप लगाया जिसके बाद एफआईआर हुई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिलगित-बल्तिस्तान का के शिया समुदाय का कहना है कि पाकिस्तान की हुकूमत द्वारा एक बार फिर उनके खिलाफ गहरी साजिश की जा रही है। इस इलाके में शिया सुन्नी संघर्ष की शुरूआत कब हुई अगर इस सवाल के जवाब तलाशने हैं तो हमें 1988 के उस दौर में जाना होगा जब पाकिस्तान में हुकूमत जियाउल हक के हाथ में थी। तब उस वक़्त जियाउल हक ने 400 शिया मुसलमानों का कत्लेआम करवाया था और फिर जब 2012 के आस पास हुकूमत के इशारों पर पाकिस्तान में शिया विरोधी सिपाह ए सहाबा जैसे संगठनों का निर्माण हुआ जिन्होंने बाद में गिलगित-बल्तिस्तान को अपनी शरणस्थली बनाया। पाकिस्तान के हुक्मरान लंबे अरसे से गिलगित-बल्तिस्तान में सुन्नी आबादी बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। इसके लिए शिया समुदाय पर जुल्म जारी है। ऐसे ऐसे हालात पैदा किये गए हैं कि शिया अपनी जमीनें बेचने पर मजबूर हो रहे हैं। अब ताजा ईशनिंदा कानून वो हथियार बन गया है, जिससे शिया दबाव महसूस कर हैं। फिलहाल, दोनों समुदायों के बीच संघर्ष जारी है। पिछले महीने भी गिलगित बाल्तिस्तान के लोगों ने पाकिस्तानी हुकूमत के खिलाफ प्रदर्शन किया था। स्थानीय लोगों ने पाकिस्तान सरकार को गृहयुद्ध और भारत के साथ विलय की चेतावनी दी है। यहां के लोगों ने कहा कि अगर सरकार उनके खिलाफ दमन का रास्ता अख्तियार करेगी तो वो गृहयद्ध करेंगे। सरकार ने अगर उनके नेताओं को रिहा नहीं किया तो वो गिलगित बाल्तिस्तान का भारत में विलय कर देंगे।

कविता

श्री कृष्ण

मेरी हर प्रार्थना
का आगाज तुम्ही से
और अंजाम भी श्रीकृष्ण
तुम्हीं पर समर्पित,
जीना मोहक बनाया मोहन ने
देकर गीता का यह अमृत उपदेश,
गर मन में कुछ भर के जिएंगे
तो मन भर के ना जी पाएंगे
होते कामयाब वही अक्सर जीवन में
सोच अपनी से जो जहां बदलते हैं !
वक़्त करवाता अपनों का एहसास
भेद ये भी बतलाया योगेश्वर ने,
बेशक अपनो के साथ बिताया
वक़्त पता नहीं चलता
किंतु वक़्त के साथ होती है
जग में परख अपने और पराए की !
पथ कामयाबी का दिखलाया
तुम्ही ने माधव गाकर पावन गीत,
कर्म करें बिन फल लोभ के
खुश रहें सदा अपनों के साथ
बेशक दूजों में हस्ती न हो हमारी
पर अपनों के लिए होतें हैं खास !

मुनीष भाटिया

विनम्रता को आत्मसात करें

संजीव

प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है वह जीवन के हर सोपान में अपने आप को उत्तम स्थिति में रखना चाहता है। किंतु जीवन की सफलता मनुष्य के संघर्ष और उसके आचरण में अंतर्निहित विनम्रता पर भी निर्भर करती हैं। मनुष्य यदि सब कुछ प्राप्त करके भी वह विनम्र नहीं है तो उसका जीवन अधूरा है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रता ना होकर दंभ और अहंकार समाविष्ट था, अतः वह अपने अहम और विनम्रता विहीन जीवन के कारण प्रभु श्री राम के हाथों मारा गया। विनम्रता मनुष्य का वह गुण है जो मनुष्य के निजी जीवन में समाजीकरण की प्रक्रिया में उसके द्वारा आत्मसात किया जाता है। मनुष्य मूलतः अहंकारी, स्वार्थी, लालची तथा पद प्राप्त करने वाला लोभी रूप होता है। किंतु धीरे-धीरे वह सामाजिक परिवेश में अपने आसपास के ज्ञानी ,साधु एवं सच्चे सद्गुणी नागरिकों के संपर्क में आकर अपने लोभ तथा लालच की अहंकारी गतिविधियों में सुधार लाकर सहिष्णु, सौहार्द, करुणा, सहयोग आदि गुणों को अपने में समाहित कर विनम्रता के सद्गुण को ग्रहण कर लेता है। विनम्रता सही मायने में सामाजिक अच्छाई की परिणति है। सद्गुण और विनम्रता महान लोगों के द्वारा ग्रहण किया हुआ वह अलंकार है जो उसे लोक तथा परलोक में सर्वमान्य रूप से स्थापित करता है। छोटा और तुच्छ व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी गतिविधियों में रहकर अपने आप को सर्वशक्तिमान एवं सर्व ज्ञानी समझकर कुएं के मेंढक की तरह अधजल गगरी छलकत जावे की कहावत को सिद्ध करता है। महान तथा ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता झलकती है वह उसे प्रदर्शित करने से परहेज करते हैं क्योंकि विनम्रता उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में समाहित होती है। विनम्रता किसी भी सज्जन व्यक्ति की जीवन की शैली होती है। महान और विनम्र व्यक्ति की प्रशंसा करने पर भी वे उसे स्वीकार न कर किसी दूसरे व्यक्ति को इसका श्रेय देते हैं। और अज्ञानी और छोटी सोच के कारण व्यक्ति अपने मियां मिट्ठू बनने से नहीं अघाते हैं। ज्ञानी व्यक्ति अपनी उपलब्धि को समाज की बेहतरी के लिए उपयोग में लाता है, ना कि उसे केवल अपने अथवा अपने करीबी या परिवार के लिए ही सीमित नहीं रखता है। विनम्र व्यक्ति सदा ज्ञान तथा सद्गुणों की खोज में रहता है एवं उसके जीवन में नई-नई उपलब्धियां अपने आप आने लगती हैं । जिस तरह फलदार वृक्ष सदैव झुके हुए होते हैं उसी तरह विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति भी बहुत अधिक विनम्र तथा देश समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर बने रहने के पश्चात भी विद्यार्थियों के साथ रहा करते थे जो उनको महानतम बनाता है और इसी महानता के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च भारत रत्न की उपाधि दी गई थी।

विचार

आसियांन शिखर सम्मेलन में भारत पर रहेगी नजर

किशन भावनानी गोंदिया

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां में विकासशील सहित विकसित देशों के बीच भारत की सकारात्मक केमिस्ट्री जिस तरह प्रगाड़य हो रही है उससे वैश्विक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की पूछ परख, रुतबा और वजन काफी हद तक बढ़ा है और हर कार्यक्रम में भारतीय सुविधा जनक समय सुझावों को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है, ऐसा पूरी दुनियां में माना जाना लगा है, यही कारण है कि आसियान के मौजूदा अध्यक्ष इंडोनेशिया ने भारत की जी20 में व्यस्तता और 9-10 सितंबर 2023 को हो रहे शिखर सम्मेलन 5-7 सितंबर 2023 के चलते हुए भारतीय पीएम जो बुधवार 6 सितंबर 2023 को देर शाम जकार्ता जा रहे हैं और 7 सितंबर 2023 को देर शाम लौटनें के प्लान को देखते हुए दोनों शिखर सम्मेलनों के समय को समायोजित किया गया है ताकि सुविधा से लौट सकें और जी20 के नेताओं और अमेरिका राष्ट्रपति से 8 सितंबर 2023 को द्विपक्षीय बैठक सुचारू रूप से संचालित हो। बता दें कि भारत और आसियान के बीच रणनीतिक साझेदारी की घोषणा के बाद यह पहला भारत आसियान शिखर सम्मेलन हो रहा है। बता दें कि हाल ही में चीन द्वारा जारी दक्षिण चीन सागर के क्षेत्र पर चीनी आधिपत्य का दावा किया जाने के लिए जारी किए गए मानचित्र पर आसियान देशों द्वारा संयुक्त वक्तव्य जारी कर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है। बता दें चीनी मानचित्र में भारत के प्रादेशिक क्षेत्र को भी अपना दशार्या गया है वहीं इस सम्मेलन में अमेरिकन उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी पहुंच चुकी है, तो स्वाभाविक ही है कि अमेरिका इस मुद्दे हाथों हाथ लेते हुए हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती दखलंदाजी सहित कुछ मुद्दे उठाकर अपना रुतबा दिखाने की कोशिश करेगा वही चीन भी अपना दबदबा दिखाएगा यानें दोनों संवाद भागीदारों के बीच खींचतान से इनकार नहीं किया जा सकता। वैसे भी अमेरिकी राष्ट्रपति इसी क्षेत्र में भारत वियतनाम दौरे पर होते हुए भी आसियान शिखर सम्मेलन की बैठक में गैर हाजिर रहना अपने आप में बहुत कुछ कहता है, इससे भारत का रुतबा बहुत बढ़ जाएगा क्योंकि अमेरिका द्वारा भारत को प्राथमिकता देने का संदेश स्पष्ट जाएगा वैसे भी आसियान शिखर सम्मेलन कोभारतीय सहूलियत के हिसाब से समायोजित किया गया है और अमेरिकी राष्ट्रपति इस क्षेत्र में रहते हुए भी आसियान ना जाकर भारत में आ रहे हैं, इसलिए आज हम मीडिय में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आसियान शिखर सम्मेलन 5-7 सितंबर 2023 भारत के सहूलियत से समय समायोजित करना बड़ी उपलब्धि है। साथियों बात अगर हम 43 वें आसियान शिखर सम्मेलन जकार्ता इंडोनेशिया की करें तो, यह बैठक दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव के बीच हो रही है, जब चीन ने कुछ आसियान सदस्यों द्वारा विवादित बड़े हिस्से पर दावा करते हुए एक नया नक्शा जारी किया, जिसके बाद इन राज्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सिंगापुर के प्राइम मिनिस्टर समिट में एक डेलिगेशन को लीड करेंगे और ब्लॉक के नेता दूसरे मुद्दों के अलावा म्यांमार क्राइसिस पर चर्चा करेंगेआसियान का पूरा नाम दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ है। इसकी स्थापना 8 अगस्त, 1967 को बैंकॉक, थाईलैंड में हुई थी। आसियान के फाउंडिंग फादर्स में इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड शामिल है, जिन्होंने आसियान डिक्लरेशन (बैंकॉक डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करके इसकी स्थापना की थी। आसियान को क्षेत्र में सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक माना जाता है। भारत और अमेरिका, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देश इसके संवाद भागीदार हैं। आसियान-भारत संवाद संबंध 1992 में क्षेत्रीय साझेदारी की स्थापना के साथ शुरू हुआ, जो दिसंबर 1995 में पूर्ण संवाद साझेदारी और 2002 में शिखर स्तर की साझेदारी में बदल गया। भारत और आसियान के बीच संबंध 2012 में रणनीतिक साझेदारी तक पहुंच गए। आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति और व्यापक हिंद-प्रशांत के लिए इसके दृष्टिकोण का केंद्र है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: HPHIN / 2012 / 48072

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक रवि भारद्वाज, एक्शन इंडिया कार्यालय कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना हिमाचल प्रदेश-174303 ने अर्थ प्रकाश प्रैस, अर्थ प्रकाश भवन, सेक्टर-29डी, चंडीगढ़ से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र हिमाचल प्रदेश ही होगा।

समूह संपादक: रवि भारद्वाज (9999889104)

स्थानीय संपादक: पंकज शर्मा (7018221146)

ई-मेल : actionindiashimla@gmail.com
actionindiauna@gmail.com

एक्शन इंडिया शिमला कार्यालय: सचदेवा निवास, डेजी बैंक इस्टेट, नजदीक जोधा निवास, लोअर जाखू, शिमला, 171001

एक्शन इंडिया ऊना कार्यालय: कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना, हिमाचल प्रदेश-174303

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

और कितनी 'निर्भयाएं '

निर्मल रानी

याद कीजिये 16 दिसंबर 2012 की वह काली रात जब दिल्ली के वसंत विहार में पैरा मेडिकल की छात्रा 'निर्भया' के साथ 6 अपराधियों द्वारा चलती हुई बस में गैंगरेप किया गया था। निर्भया के साथ बलात्कार किया गया था व उसके निजी अंगों को बुरी तरह जख़्मी किया गया था। यहां तक कि छात्रा और उसके दोस्त को बस से कुचलकर मारने की कोशिश भी की गई थी। घटना के कुछ दिन बाद निर्भया की मृत्यु हो गयी थी। इस घटना के बाद दिल्ली सहित पूरा देश उबल पड़ा था। राजधानी दिल्ली सहित देश भर में इस गैंगरेप को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किए गए थे। पूरे देश का मीडिया एक स्वर से सत्ता के विरोध में उतरा हुआ था। उस समय कांग्रेस के नेतृत्व वाली यू पी ए गठबंधन की सरकार पर दबाव बनाने के लिये जगह जगह विरोध प्रदर्शन हुये थे। और तत्कालीन केंद्र सरकार द्वारा प्रत्येक विरोध स्वर को सम्मान देते हुये इस तरह के मामलों में कानून बनाने के लिए एक कमेटी का गठन किया था। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने इन आरोपियों पर गैंगरेप, हत्या और लूट के मामलों में आरोप तय किए थे।11 जुलाई 2013 को 6 आरोपियों में से राम सिंह नाम के एक अपराधी ने तिहाड़ जेल में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।तथा एक नाबालिग को गैंगरेप और हत्या के मामले में तीन साल की सजा सुनाई गई थी। जबकि विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट से लेकर उच्च न्यायलय व उच्चतम न्यायलय तक सभी अदालतों द्वारा सुनाये गये फैसलों के बाद निर्भया के शेष चारों दोषियों को 20 मार्च 2020 को सुबह 5 .30 बजे तिहाड़ जेल में फांसी के फंदे पर चढ़ा दिया गया था। उस समय सत्ता का विरोध करने वाले किसी एक पत्रकार की न तो गिरफ़्तारी हुई थी न ही बदनामी के डर से सरकार अपनी आलोचनाओं को दबाने का प्रयास करते दिखाई दी। और कहना गलत नहीं होगा कि 2014 में हुये सत्ता परिवर्तन के जहां अनेक कारण थे वहीँ 'निर्भया काण्ड ' भी उन कारणों में एक था। इसी काण्ड की आड़ में भारतीय जनता पार्टी ने 2014 चुनाव पूर्व अपना लोकप्रिय नारा गढ़ा था - 'बहुत हुआ नारी पर वार -अबकी बार मोदी सरकार'।

निर्भया काण्ड के दिनों को याद कीजिए तो ऐसा लग रहा था कि स्वतंत्र भारत के इतिहास की उस समय तक की वह सबसे वीभत्स घटना थी। और यह भी कि महिला विरोधी अपराधों को रोक पाने वाली उस समय की वह सबसे विफलतम सरकार थी। आज के सत्ताधारी ही उस वक़्त की निर्भया काण्ड के सबसे बड़े पैरोकार व प्रदर्शनकारी थे।

मक्खा-मक्खी का खेल

डॉ. सुरेश कुमार

वाट्सप के मैसेजस पढ़ने से फोकट का ज्ञान बहुत मिलता है। ज्यादातर तो यह बंटाधार करता है, लेकिन कभी-कभार हम जैसे दसवीं में पाँच बार लुढ़क्की मारने वाले की किस्मत भी चमका देता है। हुआ यूँ कि हम उन दिनों खुली भैंस की माफिक जहाँ-तहाँ वाट्सप के अलग-अलग समूहों वाले खेत चरने का शौक रखते थे। कई वाट्सप खेत के मालिक वही होते थे लेकिन मुद्दे की फसल बदल जाती थी। वाट्सप मक्खी उड़ाऊ बैच के लिए बड़ी काम की चीज है। अगर आप में मक्खी उड़ाने का टैलेंट है तो आ जाओ वाट्सप के मैदान में। आपको ऐसे-ऐसे मक्खी उड़ाऊ मिलेंगे कि नानी याद आ जाएगी। एक दिन हमारा पाला एक बुढ़ऊ मक्खा से पड़ गया। यहाँ हम नर मक्खी या मादा मक्खी कहने के पचड़े में नहीं पड़ना चाहते। वैसे भी हम दसवीं फेल हैं और ऊपर से इतने दिनों से खाली बैठने का कुछ तो फायदा उठाना चाहिए। हमने नर मक्खी के लिए मक्खा शब्द का आविष्कार कर दिया। आज न्यूटन होते तो हमारे आविष्कार को देखकर अवश्य खुश होते। हाँ तो मैं बात कर रहा था बुढ़ऊ मक्खा के बारे में। बुढ़ऊ मक्खा ऊपर से बूढ़े नजर आते हैं, लेकिन अंदर से अभी भी जवान हैं। पहले कुछ दिन एक दो वाट्सप समूहों के लड्डुओं पर भिनभिनाए लेकिन वहाँ बात नहीं बनी। वहाँ से उन्हें उड़ा दिया गया। अब उन्हें लगा कि ऐरे-गैरे लड्डुओं पर बैठने का कोई फायदा नहीं। इसलिए खुद का एक लड्डू ढूँढ़ निकाला। बुढ़ऊ मक्खा ने अपने संग तीन-चार रंगीन मक्खियों को जोड़ लिया। इन तीन-चार रंगीन मक्खियों में एक इंटरनेशनल भी थी। भिनभिनाना गली, मोहल्ला, गाँव, शहर, राष्ट्र से ऊँचा उठ चुका था। अब भिनभिनाने का अंतर्राष्ट्रीयकरण हो चुका था। अब इनका हर दिन एक ही काम था झ भिनभिनाना। बुढ़ऊ मक्खा भिनभिनाता तो रंगीन मक्खियाँ उनकी तारीफ में भिनभिनाना शुरू कर देतीं। रंगीन मक्खियाँ भिनभिनाती तो बुढ़ऊ मक्खा लार टपकाते भिनभिनाना शुरू कर देते। अब रोज का यही तमाशा था। बुढ़ऊ मक्खा अलग-अलग वाट्सप लड्डुओं की रंगीन मक्खियों को अपने लड्डू पर भिनभिनाने का न्यौता देते। भिनभिनाने को लड्डू मिले तो रंगीन मक्खी भला कैसे मना करतीं। बुढ़ऊ मक्खा में लड्डू ढूँढ़ निकालने का टैलेंट तो था लेकिन रंगीन मक्खियाँ इन सबमें फिसड्डी थीं।

जानकारी

छोटे बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है देर रात तक जागना

दिन भर सोना और रात को जागना कई बच्चों की रुटीन बन जाती है। ऐसे बहुत कम बच्चे होते हैं, जो रात आराम से सोकर बिताएं। बच्चों को सुलाना मां-बाप के लिए चैलेंज होता है। आइए हम आपको इसे लेकर कुछ टिप्स देते हैं। नवजात शिशु की नींद बहुत हल्की होती है। थोड़ी सी खिटपिट की आवाज हुई नहीं कि बच्चे उठ जाते हैं। ऐसे उठने के बाद उन्हें फिर से सुलाना मुश्किल हो जाता है। छोटे बच्चे नींद को लेकर हमेशा ही जिद्दी होते हैं। उन्हें हमेशा अपने मन से ही सोना और जागना पसंद होता है। कुछ शिशु तो रात में देर तक जागते रहते हैं, जबकि मां-बाप सोना चाहते हैं। इस तरह के जिद्दी बच्चों को सुलाना मुश्किल काम होता है। कई बार मां-बाप को समझ नहीं आता कि उन्हें कैसे सुलाएं। हालांकि ऐसी दिक्कत पहली बार मां-बाप बने लोगों को होती है। अगर आप भी अपने बच्चे की ऐसी आदत से परेशान हैं, तो हम आपको उनको सुलाने के 6 टिप्स देते हैं।

सुलाकर कुछ देर बच्चे के पास ही सोएं

बच्चे को सुलाते वक्त उसे सुलाकर कुछ देर उसके पास ही सोएं, ताकि उसे लगे कि आप उसके आस-पास ही हैं। फिर उसके पास एक तकिया या कोई कपड़ा रख दें। इसके अलावा अगर आप उसे पालने में सुला रहे हैं, तो ध्यान रखें कि पालने में किसी भी चीज की सुगंध न आ रही हो। यह सुगंध अच्छा हो बुरा, इससे आपके बच्चे की नींद बीच में ही टूट सकती है। आधी नींद में उठने की वजह से वह और चिड़चिड़ा हो सकता है और दोबारा उसे सुलाने में आपको परेशानी हो सकती है।

बच्चे की सेहत का ख्याल रखें

कई बार बच्चे की तबीयत खराब होती है और आपको पता नहीं चलता कि उसे क्या हुआ है। ऐसे में अगर वो उठे तो उसे पूरी तरह चेक करें कि उसे क्या हुआ है। कई बार पेट में एसिडिटी की वजह से बच्चा सो नहीं पाता। इसलिए बच्चे को दूध पिलाने या खिलाने-पिलाने के बाद कंधे पर रखकर उसे डकार जरूर दिलवाएं। जिससे कि सोते वक्त उसे एसिडिटी जैसी समस्या नहीं होगी।

अच्छे से खिला-पिला कर सुलाएं

डॉक्टर्स की मानें तो शिशु अगर भूखा होता है तो ढंग से सोता नहीं है। शिशु भूख की वजह से या तो सो नहीं पाते हैं या आधी नींद में ही उठ जाते हैं। ऐसे में मां को चाहिए कि वह बच्चे का पेट हमेशा भरा रखे। ताकि सोते वक्त बच्चा भूखे पेट न सोए। इसके बाद भी वह उठ जाए तो उसे फिर से दूध पिलाकर सुलाने की कोशिश करिए।

शिशु की मालिश जरूर करें

शिशु की मालिश करना बेहद जरूरी चीज है। इससे बच्चे की बॉडी रिलैक्स फील करती है। अगर नहाने के तुरंत बाद शिशु की मालिश की जाए तो उन्हें उसके बाद तुरंत अच्छी नींद आ जाती है। बच्चों को नहलाते वक्त या फिर बाद में कभी भी खिलौने न दें। इससे बच्चे का मन डाइवर्ट होगा, जिस वजह से बच्चा सोने में आनाकानी करता है और सोता नहीं।

लाइट्स को डिम रखें

बच्चों को सुलाने से पहले कुछ ऐसा माहौल तैयार करें, इससे उन्हें भी लगता है कि अब सोना है। फिर बच्चे को लेकर लेट जाएं और उसे हल्की थपकी मार कर सुलाएं। डिम लाइट में बच्चों की आंखें चमकती नहीं है इसलिए वह शांत हो जाते हैं। ऐसे में आपने अक्सर देखा होगा कि बच्चा अगर सोया हो और अचानक से लाइट जलाएं तो वह जग जाता है। इसलिए बच्चों को सुलाते वक्त लाइटिंग का ख्याल रखें। साथ ही आप अगर उसे कुछ गाकर सुला सकें तो उसे और अच्छी नींद आएगी।

बच्चों को सुलाने का वक्त तय करें

यह काम एक दिन में तो नहीं होगा पर अगर आप धीरे-धीरे एक ही वक्त पर बच्चे को सुलाएंगे, तो उन्हें उस वक्त पर ही सोने की आदत हो जाएगी। इस तरह वो रोज उसी वक्त पर आसानी से सोने लगेंगे। इसी तरह आप शुरू से ही बच्चों में सोने की आदत का विकास कर सकते हैं।

अध्ययन

Cancer Risk मी-कैन नाम के एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि अगर आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि यदि आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। इस अध्ययन में यह पता लगाने की कोशिश की गई क्या व्यस्कों (40 की उम्र से ज्यादा) में, जिनका वजन जरूरत से ज्यादा (25 से ज्यादा बीएमआई) या मोटापे (30 से ज्यादा बीएमआई) का शिकार हैं उनमें कई प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

नार्जेन यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ एंड प्राइमरी केयर के प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि 'मोटापा कई कैंसर के जोखिम कारक के रूप में जाना जाता है। इस अध्ययन में हमने जरूरत से ज्यादा वजन की डिग्री, समय और अवधि व कैंसर जोखिम के मोटापे से संबंध पर ध्यान केंद्रित किया।'

प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने दो या उससे अधिक माप वाले वयस्कों को शामिल किया और संभावित रूप से कैंसर निदान से पहले उन्हें कम से कम तीन साल तक अलग-अलग रखा। शोधकर्ताओं ने सभी व्यक्तियों की औसतन लगभग 18 वर्षों तक गतिविधियों पर नजर रखी।

बढ़ जाती है इस तरह के कैंसर की संभावना

- अंतर्गर्भाशयकला कैंसर (Endometrial Cancer) 70 फीसदी।
- पुरुषों में गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर (renal-cell cancer)58 फीसदी।
- पुरुषों में पेट के कैंसर की संभावना 29 फीसदी।
- मोटापे से संबंधित सभी प्रकार के कैंसर की संभावना पुरुषों और महिलाओं में 15 फीसदी तक बढ़ जाती है।

अध्ययन के निष्कर्षों से सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे का शिकार व्यस्कों में रजोनिवृत्ति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

इस अध्ययन में नार्वे, स्वीडन और आस्ट्रिया के प्रतिभागी शामिल हुए थे। मी-कैन नाम के इस अध्ययन में 2,20,000 व्यस्कों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया गया। लंबाई और वजन सहित स्वास्थ्य जांच जानकारियां नेशनल कैंसर रजिस्ट्री के डेटा से संबंधित थी। जांच के दौरान 27,881 व्यस्कों में कैंसर का निदान पाया गया, जिसमें से 35 फीसदी यानी की 9,761 मोटापे से संबंधित थे।

मोटापे से ग्रस्त प्रतिभागियों में सामान्य बीएमआई वाले प्रतिभागियों की तुलना में (30 से ज्यादा बीएमआई) पहली और दूसरी स्वास्थ्य जांच में उनमें मोटापे से संबंधित कैंसर विकसित होने का खतरा अधिक पाया गया।

जार्ज ने कहा कि 'कैंसर का जोखिम पुरुषों में 64 फीसदी और महिलाओं में 48 फीसदी पाया गया।' अध्ययन के नतीजों में सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे से ग्रस्त लोगों में रजोनिवृत्ति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

जार्ज का कहना है कि हमारा मुख्य संदेश कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए एक जरूरी जन स्वास्थ्य रणनीति बनाकर वजन बढ़ने से रोकना है।

सेहत

दांतों की समस्याएं बच्चों के संपूर्ण स्वास्थ्य पर डालती है बुरा असर

यह हैं बचाव के तरीके

यह सच है कि जो खाना हम खाते हैं वह हमारे शरीर, हड्डियों, दांतों व मसूड़ों को पोषण प्रदान करता है तथा संक्रमणों एवं रोगों से लड़ने और ऊतकों को नया करने में मददगार होता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2018 में जारी की गई फैक्टशीट ऑन डाइट एंड ओरल हैल्थ के मुताबिक अस्वास्थ्यकर खुराक और खराब पोषण दांतों व जबड़ों के विकास को कुप्रभावित करता है और इसका दुष्प्रभाव जीवन के बाद के वर्षों में भी रहता है। जीवन के आरंभिक वर्षों में जो आहार बच्चों को मिलता है उससे उनके शारीरिक एवं संज्ञानात्मक विकास में मदद मिलती है। परिणामस्वरूप इससे उनके ओरल एवं संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार असंतुलित आहार में बहुत सारे कार्बोहाइड्रेट, शुगर एवं स्टार्च होता है जिससे दांतों में कैविटी और दंत क्षय जैसी मुंह की बीमारियां पनपती हैं, जिससे बच्चों के समग्र स्वास्थ्य पर और ज्यादा दुष्प्रभाव होता है।

डेंटल की डॉक्टर प्रियंका माथुर का कहना है कि आहार और पोषण का मुंह पर बहुत अहम असर होता है। अत्यधिक शुगर वाले खाद्य पदार्थों से ऐसिड बनता है जो दांतों के इनामल पर असर करता है और जिससे दंत क्षय होता है। दांतों की समस्याएं न सिर्फ ओरल कैविटी को प्रभावित करती हैं बल्कि ये बच्चों के संपूर्ण विकास पर भी व्यापक असर डालती हैं।

मुंह के स्वास्थ्य की स्थिति, खानपान की आदत, पोषण का स्तर और सामान्य स्वास्थ्य के बीच में काफी पेचीदा संबंध है और इन्हें परस्पर जोड़ने वाले कई कारक होते हैं। अगर मौखिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो उससे भोजन के विकल्प चुनने में बदलाव आता है और खानपान पर नकारात्मक असर पड़ता है, जिससे पोषण का स्तर घटता है और चलकर क्रोनिक सिस्टेमिक रोगों की स्थिति बनती है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉरमेशन, यूएसए के मुताबिक मौखिक एवं पोषण संबंधी समस्याओं को पहचानना और उनका उपचार करना स्वास्थ्य एवं जीवन गुणवत्ता सुधारने के लिए बेहद अहम है।

डेंटल ऑफिसर डॉक्टर विमल अरोरा कहते हैं कि मौखिक स्वास्थ्य से संपूर्ण स्वास्थ्य एवं कल्याण का रास्ता खुलता है। यह न केवल बच्चे के विकास को बल्कि उसके आत्म विश्वास को भी प्रभावित करता है। बच्चों के दांत खराब होंगे तो वे खुद को कमतर समझेंगे, शर्मिंदा और नाखुश होंगे। संतुलित व पौष्टिक आहार सर्वश्रेष्ठ तरीका है बढ़िया मौखिक स्वास्थ्य पाने और भविष्य में होने वाली परेशानियों को रोकने का।

सेहतमंद दांतों के लिए जरूरी पोषक तत्व

- सेहतमंद दांतों के लिए कम उम्र से ही स्वास्थ्यकर पोषण बेहद अहम है। माता-पिता को अपने बच्चों की खानपान की आदतों पर ध्यान देना चाहिए और खानपान की अच्छी आदतें उन्हें सिखानी चाहिए। कैल्शियम से भरपूर चीजें (जैसे लो-फैट मिल्क, दही, टोफू, बादाम), हरी पत्तेदार सब्जियां व अन्य ऐसे ही स्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ दांतों व हड्डियों को मजबूत करते हैं इसलिए इन्हें बच्चों के आहार में बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंडे, मछली, हल्का मांस व डेयरी उत्पाद फॉस्फोरस से भरपूर होते हैं जो कि मजबूत दांतों के लिए लाभकारी होता है।
- सही मात्रा में फ्लोराइड होने से दंत क्षय की रोकथाम में मदद मिलती है, यद्यपि फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने से दांतों में धब्बे आ जाते हैं जो खर्दिगी की वजह बनते हैं।
- इसी प्रकार अन्य विटामिनों एवं खनिजों की कमी दांतों एवं हड्डियों दोनों के ही विकास पर असर करती है और उनका रूप बिगड़ जाता है।
- कोमल और चिपकने वाले खाद्य पदार्थ मसूड़ों की बीमारियों की शुरुआत करते हैं, इनकी वजह से बाद में चलकर मसूड़ों से खून निकलने लगता है। खराब खानपान की वजह से बचपन में ही दांत खराब हो जाते हैं, चबाने का उकसाव ठीक से नहीं होता जिससे जबड़ा छोटा रह जाता है और बेडौल दांत विकसित होते हैं। बच्चों को ऐसा भोजन दीजिए जिसे उन्हें अच्छे से चबाना पड़े इससे उनके दांते बेडौल नहीं होंगे और उनके मसूड़ों, हड्डियों व जबड़ों का भी अच्छी तरह से विकास होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले ले आ): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सफलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति सम्मान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की योजनाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्यह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्यर्थकारी सिद्ध होगा। ऋतुपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यवसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगे। खिन्नीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): काल का परिक्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में न पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। पारिवारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आशेष प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और मनोरंजन का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2579

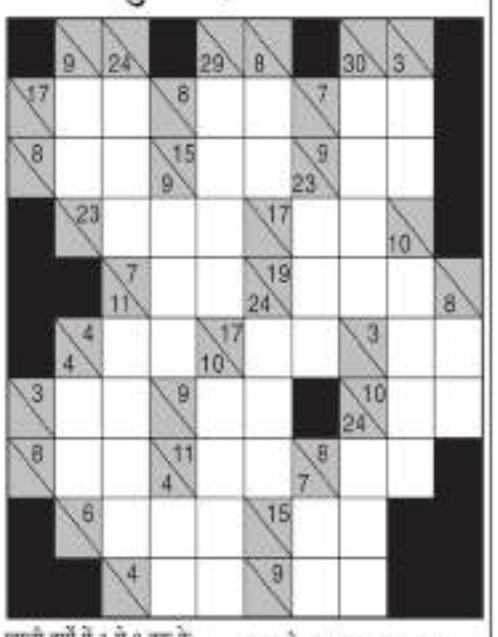

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

9+8+6=23
7+6+3=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -2578 का हल

लॉफिंग ज़ोन

सुरेश महिला संघ में भाषण दे रहा था , विषय था-बढ़ती हुई आबादी! सुरेश ने कहा-'आज हालत यह है कि दुनिया में हर मिनट पर कोई न कोई महिला एक बच्चे को पैदा कर रही है,आप ही बताइए कि ऐसी हालत में क्या किया जाये?'

तुरन्त एक सदस्य खड़ी हुई और बोली-'मेरे हिसाब से सबसे पहले ऐसी महिला का पता लगाया जाय और फिर उसे ऐसा करने से रोका जाए.'

☺ ☺ ☺

मां ने अपने सब बच्चों को इकट्ठा करके कहा कि जो सप्ताह भर में सबसे ज्यादा आज्ञाकारी साबित होगा, उसे हर सप्ताह के अन्त में मेरी ओर से एक अच्छा पुरस्कार दिया जायेगा.

सब बच्चों ने एक साथ इस प्रस्ताव का विरोध किया. उनका कहना था कि हर बार वह अच्छा पुरस्कार पिताजी के सिवा और किसी को नहीं मिलेगा.

☺ ☺ ☺

एक हीरोइन ने जब चौथी बार शादी की तो पार्टी के बाद दोस्तों के बीच घिरी हुई वह बताने लगी-'अपने नए पति को मैंने सब कुछ बता दिया है. सारे दोस्तों और प्रेमियों के नाम गिना दिये हैं.'

एक ने कहा-'क्या हिम्मत है!'

दूसरा बोला-'क्या ईमानदारी है!'

तीसरे ने फब्ती कसी-'और क्या याददाश्त है ?'

फिल्म वर्ग पहेली- 2579

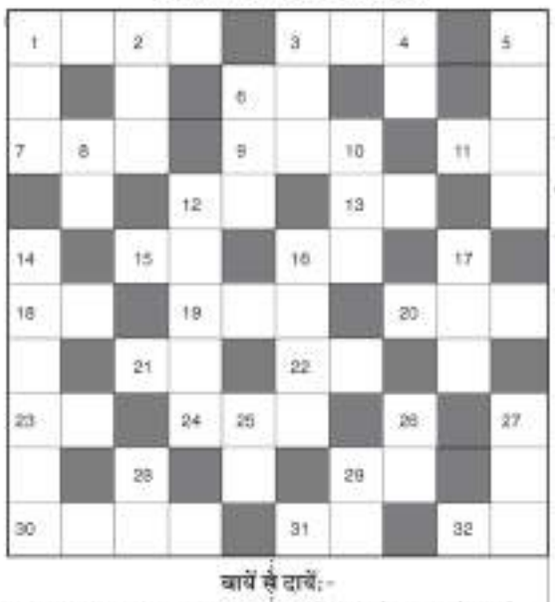

बायें से दायें:-

१. बसंती, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. किशोरकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नगमा ले जो' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आया रे अब मेरा दिल पुकार' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की मुमकिन फिल्म-३
११. गुरुदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणवाह, मनीषा, गजराज सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफताब, विवेक, जिंदल, लारा, अमृतराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मनिष खेडेकर, तब्बू, मिमी की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं जीवन हमारा लिए जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. एजाजकुमार, रश्मि, सलमान की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'दिल मेरे का और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'गेटे बबली' के संगीतकार कौन थे ?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, मिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रसीर, शाहरुख, रोनाल्ड की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई गली' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, मिथुनदा, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली आफिकपूर, रीना मुखर्जी की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अभिमन्यु पटेल, मीत की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अनन्य कल्पना निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सपने जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२०. राकेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2578

सूडोकु -2579

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2578 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली -2579

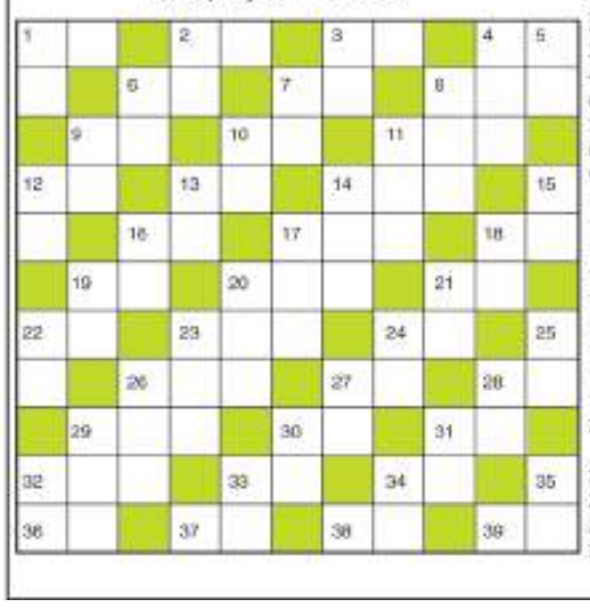

बाईं से दाईं

1.जमस,वर्ण-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.बमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उम्मिद, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रई मथन करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीड़, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.गर्मी फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग वाला-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सिपाहर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवशेष-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.त्रिवाय, सम-2
32.कष्ट, रुग्न-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.चोर, रुग-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.बमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रोध-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.रॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.पालक-3
21.कार्य-2
22.खराबी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सर्वज्ञ-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -2578 का हल

न्यूज फ्लैश

जन्माष्टमी विशेष: कान्हा की नगरी में दूध से सस्ता दही, बात निकली सही!

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
कान्हा को भक्त माखन चोर कहते हैं, तो कोई नटखट ग्वाला। हाल फिलहाल कान्हा के ब्रज में जो हो रहा है वह अचंभित करने वाला है लेकिन सच है। कान्हा की नगरी में दूध से सस्ता दही मिल रहा है। मिलावटी दूध मिल रहा है तो सिंथेटिक दूध पीकर लोग बीमार हो रहे हैं। यह कारोबार वर्षों से हो रहा है लेकिन अधिकारी इसे सही बताते रहे हैं। इसके पीछे के कारण बताते रहे हैं, लेकिन जब जब सैंपलिंग हुई और जांच रिपोर्ट आई तो अधिकारियों के दावों की भी पोल खुलती रही है। दूध की कीमत से भी कम कीमत पर दही के साथ पैकिंग और प्लास्टिक की कट्टी भी मिल रही है। अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम न्यायालय द्वारा सुंदरलाल निवासी वृंदावन पर मिलावटी दही का विक्रय करने के कारण एक वर्ष के कारावास की सजा तथा 5000 जुमार्ना लगाया गया।
मिलावट करने वाले खाद्य कारोबारियों पर लगा 66 लाख 95 हजार का जुमार्ना लगाया गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा मिलावट के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जांच के लिए संग्रहित नमूना की रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत मिलावट खोरी करने वाले खाद्य करवाणियों के विरुद्ध अपर जिलाधिकारी प्रशासन के न्यायालय में मुकदमा दायर किए गए। न्यायालय द्वारा मिलावट खोरी करने वाले कारोबारियों पर 66 लाख 95 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। इससे पूर्व माह में 138 खाद्य कारोबारी पर 51 लाख 99 हजार जुमार्ना लगाया जा चुका है। उमर मोहम्मद निवासी हसनपुर होडल पलवल, परमानंद निवासी प्रखम, हन्नान मोहम्मद निवासी शेरगढ़, डोरी लाल निवासी बड़ी हवेली गोवर्धन पर मिलावटी दूध व पनीर विक्रय करने के कारण क्रमशः 70000, 60000, 120000, 55000, फ्यूचर रिटेल लिमिटेड ईजीडे मसानी चैक घटिया खजूर विक्रय करने पर 65000, संजय निवासी गुप्ता कॉलोनी राया मिलावटी पेड़ा, भज्जू निवासी कोसीकला घटिया नमकीन, मोहित निवासी धोली प्याऊ मिलावटी पेड़ा का विक्रय करने पर क्रमशः 55000, 65000, 45000 आदि पर 66 लाख 95 हजार जुमार्ना अधिरोपित किया गया।

खाद्य कारोबारियों से अपील है कि वह गुणवत्ता युक्त खाद्य एवं पेय पदार्थ का ही विक्रय करें उनके द्वारा यदि मिलावट की जाती है तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
-डॉ. गौरी शंकर, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मथुरा

भारत जोड़ो यात्रा की वर्षगांठ मनाएगी कांग्रेस

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
कांग्रेस राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा का एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर पदयात्रा निकाल कर इस यात्रा की वर्षगांठ मनाएगी। जिला अध्यक्ष कांग्रेस भगवान सिंह वर्मा ने बताया कि पदयात्रा के जरिये भारत जोड़ने का संदेश दिया जाएगा। होली गेट से कांग्रेस कार्यकताओं के साथ मिलकर सात सितंबर को पदयात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारी होली गेट पहुंच कर भारत जोड़ने का आह्वान करेंगे। गुरुवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर व पदयात्रा के एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर ब्रज में आए हुए सभी श्रद्धालुओं से भारत जोड़ने का आह्वान करेंगे। उन्होंने कांग्रेस के सभी कार्यकताओं से सात सितंबर की सुबह 11 बजे शहर कांग्रेस कार्यालय होली गेट पहुंचने की अपील की है।

कछुआ को तस्करी कर ले जा रहे दो लोग दबोचे

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
कछुओं की तस्करी में लगे दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस को तीन जिंदा और एक मृत कछुआ मिला। पुलिस के मुताबिक ये लोग कछुआ और दूसरे जीवों की तस्करी में लिप्त हैं। वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत थाना नौहझील पर तस्करी के दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पकड़े गये दोनों आरोपित हापुड़ के रहने वाले हैं। चैकी प्रभारी यमुनापुल थाना नौहझील आदेश कुमार के मुताबिक जीतेन्द्र निवासी निराज्य सेवा समिति रेलवे पार्क के पास थाना कोतवाली जनपद हापुड तथा शिवकुमार निवासी मीरा की रेती थाना कोतवाली गढमुक्तेश्वर जिला हापुड को गजेन्द्र के मकान के पास शेरगढ नौहझील रोड ग्राम मकदूमपुर थाना नौहझील को गिरफ्तार किया गया।

भाकियू के राष्ट्रीय अधिवेशन में किसान महापंचायत की तैयार हुई रणनीति

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
भारतीय किसान यूनियन टिकैत का मथुरा में आयोजित हुआ तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन बुधवार को संपन्न हुआ। राष्ट्रीय अधिवेशन में लखनऊ में होने जा रही संगठन कि किसान महापंचायत की रणनीति तय हुई। अधिवेशन की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजपाल शर्मा ने की। अधिवेशन में प्रमुख रूप से युवा किसान नेता गौरव टिकैत एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह चैरोली मी मौजूद विशेष रही। अधिवेशन में गौरव टिकैत ने कहा कि 18 सितंबर को राजधानी

लखनऊ में होने वाली किसान महापंचायत की सफलता के लिए रणनीति तैयार की गई है। यह महापंचायत किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। गौरव टिकैत ने संगठन को और अधिक मजबूत गतिशील बनाने पर जोर दिया। उन्होंने किसानों से कहा कि देश व किसानों की सफलता के लिए संगठन का मजबूत होना बहुत जरूरी है। प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा ने प्रदेश में संगठन को लेकर पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारी का अहसास कराया। उन्होंने लखनऊ की किसान महापंचायत के लिए अधिक से अधिक संख्या में किसानों से पहुंचने की अपील की।
प्रदेश प्रवक्त गजेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की सरकार किसानों का शोषण कर रही हैं। इस दौरान राष्ट्रीय प्रचार मंत्री करूआ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बुद्धा सिंह प्रधान, प्रदेश प्रवक्ता गजेंद्र सिंह परिहार, प्रदेश सचिव ओम प्रकाश सिंह, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य कराल सिंह, जिला अध्यक्ष आगरा राजवीर लवानिया, जिला अध्यक्ष मथुरा देवेंद्र सिंह रघुवंशी, जिला अध्यक्ष फिरोजाबाद प्रेम अतुल यादव, जिला अध्यक्ष मैनपुरी रूपेंद्र शाक्य, तेज बहादुर, भंवर सिंह, महिला प्रकोष्ठ की मंडल अध्यक्ष मीना चैधरी, चैधरी अमन चाहर, देवेंद्र सिंह पारसोली, जयवीर सिंह एटा, मंडल प्रमुख महासचिव जगदीश परिहार, जिला महासचिव बृज बिहारी मथुरा, सलीम खान, महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष मथुरा रीना चैधरी आदि मौजूद रहे।

पहले दिन 7574 लघु आपराधिक वादों लोक अदालत में निस्तारण

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
लोक अदालत में 7574 लघु आपराधिक वादों को निस्तारण हुआ।
छह सितम्बर से आठ सितम्बर तक आपराधिक वादों के निस्तारण के लिए आयोजित विशेष लोक अदालत का शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मथुरा आशीष गर्ग द्वारा बुधवार को प्रातः 10 बजे केन्द्रीय कक्ष जनपद न्यायालय मथुरा में मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेन्द्र पाण्डेय, अपर जिला जज एवं नोडल अधिकारी अभिषेक पांडेय, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरू शर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्सव गौरब राज सहित समस्त न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी, वादकारी उपस्थित रहे।
आयोजित विशेष लोक अदालत में 9137 लघु आपराधिक वाद निस्तारण के लिए नियत किये गये, जिनमें से 7574 वादों का निस्तारण किया गया। सात सितम्बर को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पर्व के अवकाश पर विशेष लोक अदालत के आयोजन के लिए न्यायालय परिसर में सभी मजिस्ट्रेट न्यायालय खुले रहेंगे तथा लघु आपराधिक वादों का निस्तारण किया जायेगा। अतः आम जनमानस श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पर्व के अवकाश के दिन भी अपने लघु आपराधिक वादों का निस्तारण करा सकते हैं।

रेलवे के रिटायर्ड कर्मचारी की धारदार हथियार से कर दी हत्या

-सेवानिवृत्ति के बाद गांव में ही रहे थे गुलाब सिंह
-हत्या के खुलासे में जुटीं पुलिस की तीन टीमें
मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
रेलवे से रिटायर्ड एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की रात के समय हत्या कर दी गई। बुधवार की सुबह मृतक का खून से लथपथ शव चारपाई पर पडा देख परिजनों के होश उड गये। हत्या की सूचना पर आला पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। घटना के खुलासे के लिए तीन टीमों को लगाया गया है।
थाना हाईवे क्षेत्र के ग्राम अडूकी हाईवे निवासी गुलाब सिंह रेलवे में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। रिटायर्ड होने के बाद वह गांव में ही अपने परिवार के साथ रह रहे थे। दो दिन पहले उन्होंने एक भैंस खरीदी थी। घर से करीब 100 मीटर के दूरी पर नौहरे में वह भैंस को रख रहे थे। रात को वह नौहरे पर ही सोने चले जाते थे। मंगलवार की रात को भी वहीं सोने चले गये। सुबह जब घर नहीं पहुंचे तो परिजन उन्हें देखने नौहरे पर आये। परिजनों ने देखा कि गुलाब सिंह चारपाई पर खून से लथपथ पड़े थे। गुलाब सिंह की हत्या की खबर गांव में आग की तरह फैल गई। कुछ ही देर में घटना स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इस बीच घटना की जानकारी पुलिस को भी दे दी गई। थाना हाईवे पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में ले लिया। रिटायर्ड रेलवे कर्मी की हत्या की सूचना पर एसपी सिटी एमपी सिंह, सीओ रिफाइनरी हर्षिता सिंह, प्रभारी निरीक्षक हाइवे उमेश कुमार त्रिपाठी भी पहुंच गये। पुलिस अधिकारियों ने घटना के संबंध में ग्रामीणों से बात की। परिजनों से भी बात की तथा फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुला लिया गया। फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण कर कुछ नमूने लिए। एसपी सिटी ने घटना के खुलासे के लिए तीन टीमों का गठन किया है।

डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान समारोह का आयोजन

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
बाल शिक्षा प्रबंधक समिति मथुरा का द्वितीय डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान समारोह का आयोजन मां रेशम देवी भगवान दास आदर्श इंटर कॉलेज सराय आजमाबाद पर आयोजित हुआ। इस आयोजन में करीब 60 विद्यालयों के प्रबंधक प्रधानाचार्य तथा अध्यापकों ने प्रतिभा किया। इस आयोजन का मंच संचालन दीपक गोस्वामी ने किया तथा अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष विनीत मौर्य द्वारा की गई। विनीत मौर्य ने कहा कि डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन का सम्मान समारोह विशेष उन अध्यापकों समर्पित है। जिन्होंने अपने विद्यालय में बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने में विद्यालय का भरपूर सहयोग किया है।

90 घरों की चेकिंग कर साढ़े चार लाख वसूले

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
कोसीकलां में बकाया वसूली के लिए विद्युत निगम ने अब रुख और सख्त कर लिया है। यदि कोई उपभोक्ता एक माह का बिल रोकेगा तो उसका बिजली का कनेक्शन काट दिया जाएगा। विभाग द्वारा बुधवार को चलाए गए अभियान में बकाया बिलों की वसूली, लोड परिवर्तन, बिल संशोधन और बकायेदार उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए। एक्सईएन एनपी सिंह के निर्देशन में उपखंड अधिकारी सर्वज्ञ राम ने चेकिंग टीम के साथ अभियान चलाकर 15 बकायेदारों का विद्युत कनेक्शन काटकर दो के मीटर उखाड़ लिए। इस मौके पर चार लाख 50 हजार रुपये बकाया राजस्व की वसूली की गई। टीम ने 90 घरों की चेकिंग की। 10 लोगों

का बिल सही कराकर बकाया राशि जमा कराई गई। कई त्रुटिपूर्ण बिलों को संशोधित किया गया।
एसडीओ ने बताया कि क्षेत्र में करीब पांच हजार ऐसे उपभोक्ता है, जिन्होंने अपने बिलों का भुगतान नहीं किया है। विद्युत निगम वसूली और बिजली चोरी रोकने को लगातार अभियान चला रहा है। क्षेत्र में 50 हजार रुपये से ऊपर के 10 प्रतिशत बकाएदार उपभोक्ता हैं। वसूली के लक्ष्य को पूरा करने के लिए व्यवस्था में बदलाव किया गया है। जिसके चलते अलग अलग टीमों को राजस्व लक्ष्य दिया गया है। अब अगर कोई उपभोक्ता एक महीने के भी बकाया का भुगतान नहीं करता है तो ऐसे उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए जाएंगे।

प्रभु ज्ञान से आयेगी वास्तविक सुंदरता: निरंकारी संत

सत्संग

▶▶सत्संग में सुख, शांति, आंनद, खुशियां और संत महात्माओं के आशीर्वाद मिलते हैं

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
सत्संग से दृष्टि और वाणी बदलती है। भक्ति मजबूत होती है और प्रभु के प्रति विश्वास दृढ़ होता है, उक्त विचार दिल्ली से आये निरंकारी संत एसएल गर्ग ने यहां मथुरा आगमन पर हाइवे नवादा स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर आयोजित सत्संग में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सत्संग में सुख, शांति, आंनद,

खुशियां और संत महात्माओं के आशीर्वाद मिलते हैं। सत्संग से रोम रोम खिल उठता है। सत्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज सबको सत्य का संग करा रहे हैं। संत एसएल गर्ग ने कहा कि जब हमारी दृष्टि अच्छी है तो सब अच्छे ही नजर आयेंगे। अगर हमारी अपनी वाणी में मिठास है तो औरों के भी बोल हमें मधुर लगेंगे, हमें भायेंगे। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि एक उम्र भी कम है प्यार के लिए, लोग कैसे नफरत के लिए समय निकाल लेते हैं। उन्होंने कहा कि चींटी अगर तलवार पर चढ़े तो कभी नहीं कटेगी, वहीं अगर हाथी पैर रखेगा तो तलवार से पैर कट जाएगा। कारण सिर्फ वजन का है। हाथी का पैर अपने वजन के कारण ही कटा। यही स्थिति इंसान की है, जिसने वैर नफरत, धन दौलत, पद प्रतिष्ठा के अभिमान का वजन बढ़ा लिया है, जिसके कारण उसकी दशा बिगड़ती देखी जाती है। निरंकारी संत ने कहा कि कोयले को साबुन से या दूध दही से या फिर किसी अन्य रंग से बदला नहीं जा सकता। कोयला काला का काला ही रहता है, लेकिन जैसे ही कोयला अग्नि के हवाले होता है, उसका रंग बदल जाता है, वह काले से लाल हो जाता है, इसी प्रकार नाकारात्मक विचारों से ग्रसित इंसान कितने भी सौंदर्य प्रसाधन लगा ले, उसके जीवन में सुंदरता नहीं आ सकती। उन्होंने कहा कि युग सुंदर, सदियां सुंदर, गर मानव जीवन हो सुंदर। मानव के जीवन में वास्तविक सुंदरता प्रभु ज्ञान से आएगी। इस मौके पर मथुरा के जोनल इंचार्ज श्री एच के अरोड़ा ने संतों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। संचालन एस के रावत ने किया। स्थानीय मीडिया प्रतिनिधि किशोर स्वर्ण ने बताया कि केंद्रीय योजना एवं सलाहकार बोर्ड, संत निरंकारी मंडल के कंवीनर श्री एस एल गर्ग जी दिल्ली से लखनऊ, कानपुर, इटावा, आगरा, मथुरा आदि शहरों में प्रचार यात्रा पर निकले थे।

35 सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर प्राइवेट चिकित्सक देंगे सेवाएं

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
सरकार की ओर से संचालित जनपद के 35 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर केएम हॉस्पिटल के चिकित्सक रविवार को निशुल्क चिकित्सकीय सेवाएं देंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं केएम मेडिकल कॉलेज एंड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के अध्यक्ष किशन चैधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में प्रत्येक रविवार को केएम सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक मथुरा के 35 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर अपनी निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे है। जिसमें मेडिसिन रोग हड्डी रोग सर्जरी रोग महिला रोग बच्चा रोग विभाग के चिकित्सा बलदेव, चौमुंहा, छाता, फरह, गोवर्धन, बरसाना एवं मथुरा के 35 गांवों के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रत्येक रविवार सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक निःशुल्क सेवाएं देंगे। उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल उत्तर प्रदेश सरकार के साथ हर उस गरीब मरीज के इलाज के लिए सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने को 24 घंटे तैयार है, उन्होंने बताया कि केएम अस्पताल में भी इलाज सरकारी दरों की समानता या उससे भी कम दरों में उपलब्ध करवाया जा रहा है, अस्पताल में समस्त प्रकार के उपलब्ध ऑपरेशन निःशुल्क किये जा रहे हैं। अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों के लिए निशुल्क बैड चार्ज, खून की जांच, डिजिटल एक्सरे, अल्ट्रासाउंड व मरीज के लिए निशुल्क भोजन की सुविधा भी उपलब्ध है, अस्पताल में समस्त प्रकार की गंभीर बीमारियों का इलाज जनरल वार्ड में केवल दवाई के खर्चे पर किया जा रहा है।

कोसी में दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
शहर के देहली गेट स्थित सराय निकासा में एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच बुधवार को किसी बात को लेकर आपस में भिड गये। जिसमें कई लोग घायल हो गये, मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया। बुधवार की दोपहर अफरोस पत्नी स्व. अब्बास हुसैन और अमजद पुत्र हस्सू के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। गाली गलौच के बाद विवाद इतना बढ गया कि दोनों ओर से एकत्रित लोगों ने लाठी डण्डे लेकर एक दूसरे पर हमला बोल दिया। इससे लोगों में भगदड मच गयी। दोनों पक्षों के लोग छतों पर चढ़कर पत्थर बाजी करने लगे। पत्थरबाजी से आस पडोस में अफरा तफरी का माहौल बन गया। मारपीट में कई लोगों के घायल होने की सूचना है। झगडा की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी।

आज अवतरित होंगे कान्हा, स्वागत को सजी मथुरा

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
कान्हा के अवतरण के साक्षी बनने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने मथुरा वृंदावन में डेरा डाल दिया है। लोगों की अधीरता लगातार बढ रही है। अपने लाडले स्वागत के लिए मथुरा वृंदावन सहित गोकुल, महावन, नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन, राधाकुंड आदि को भव्य रूप से सजाया गया है। ब्रज के मंदिरों की शोभा देखते ही बन रही है। मथुरा वृंदावन में देशभर के कलाकारों ने कान्हा की लीलाओं को दीवारों पर उकेरा है। तिराहे चौराहों को

भव्य रूप से सजाया गया है। रात को दूधिया रोशनी में नहाया शहर अद्भुत शोभा पा रहा है। बुधवार को श्री राम जन्मभूमि न्यास, श्री राम जन्मभूमि क्षेत्र एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपालदास महाराज श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर सात सितम्बर जन्माष्टमी को कन्हैया का अभिषेक करेंगे। उन्होंने बुधवार को मथुरा जंक्शन मार्ग स्थित राम हनुमान मंदिर पहुंच कर भक्तों को आशीर्वाद दिया। हिला पुरुषों ने वाद्ययंत्रों की धुन हरिनाम संकीर्तन किया। महाराज ने कुछ दूरी से अपने भक्तों को दर्शन दिये और उनका अभिवादन स्वीकार किया। मंदिर के महंत रामजी बाबा ने इस दौरान सभी व्यवस्थाएं सम्हालीं। महंत नृत्य गोपाल दास कोरोना से पीड़ित होने के बाद पहली बार मथुरा आए हैं। उनके अनुयायियों का मंदिर पर तांता लगा हुआ है। लाडले कान्हा के अवतरण के लिए घर घर तैयारियां चल रही हैं। बृजवासी अपने लाडले के स्वागत के लिए आतुर हैं। कृष्ण जन्माष्टमी पर गोवर्धन के प्रमुख मंदिरों में कान्हा स्वरूप गिरिराज जी का उत्सव मनाया जाएगा।

ओवर बिलिंग, विद्युत कटौती परेशान हुए लोग

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
ओवर बिलिंग और अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। एक और तमाम लोगों के यकायक बिल बढ कर आ रहे हैं वहीं बिजली भी नहीं मिल रही है। भारतीय किसान यूनियन चढूनी ने बिजली विभाग के खिलाफ बडे आंदोलन का ऐलान किया है। किसान संगठन के नेताओं का कहना है कि जनपद वासियों का हाल बेहाल है। अघोषित कटौती ने आम आदमी को रुला कर रख दिया है। भाकियू चढूनी के मंडल अध्यक्ष रामवीर सिंह तोमर ने कहा है कि जनपद में पूरी साल ओवर बिलिंग, आए दिन फॉल्ट, अघोषित कटौती आम आदमी के लिए सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरी है। बिजली अधिकारी एसी में बैठकर आम

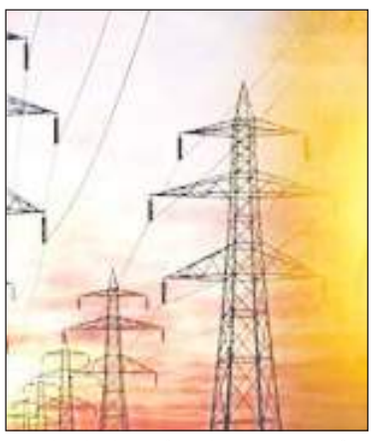

आदमी की पीड़ा को नहीं समझना चाहते। परेशान लोग विद्युत विभाग के कार्यालयों के चक्कर लगाकर थक जाते हैं लेकिन उनके काम नहीं हो पा रहे हैं। विद्युत विभाग में व्यप्त भ्रष्टाचार ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। लोग बिजली के मीटर की ओर देखकर डरने लगे हैं। अधिकारी आम लोगों के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। उन्होने कहा कि भाकियू चढूनी बिजली विभाग के खिलाफ बडा आंदोलन करेगी। बड़े आधिकारियों का घेराव किया जायेगा। जिला अध्यक्ष रामफल सिंह, प्रेम सिंह सिकरवार, डा रमेश चंद्र सिकरवार, महानगर अध्यक्ष रामकुमार, जगदीश निषाद ने कहा कि बिजली गुल होने के बाद जेई एसडीओ सियूजी फोन तक नहीं उठाते, कभी फोन उठा भी लें तो लोगों से ढंग से बात नहीं करते। लोगों की समस्याओं का समाधान करने की इनकी मंशा नहीं है। ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की अघोषित कटौती से ग्रामीणों में सरकार के प्रति रोष व्याप्त है। बिजली विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के लिए बनाए गए शेड्यूल के अनुसार भी बिजली उपलब्ध नहीं हो पा रही है। सेनापति कुंतल ने कहा कि बिजली पर निर्भर दुकानदारों में बिजली निगम के प्रति खासा गुस्सा व्याप्त है। अघोषित बिजली कटौती ने पेयजल आपूर्ति को भी बिगाड़ दिया है। महानगर प्रभारी जयपाल सिंह चौधरी, सलाहकार श्यामपल सिंह, प्रताप सिंह प्रधान, मानसिंह उर्फ भुल्ली, डा सतीश चन्द्र, चरण सिंह पवार, हरिपाल सिंह परिहार, लक्ष्मण सिंह चैधरी, हीरा सिंह चैधरी, संदीप कुमार, पुष्पेंद्र सिंह चौधरी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर रोष जताया है।

विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस मनाया

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया
गोवर्धन परिक्रमा मार्ग स्थित राधाकांत युगल स्वरूप ग्वालियर मंदिर कुसुम सरोवर पर विश्व हिंदू परिषद का 59 वा स्थापना दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विनायक राव देशपांडे सुबह गोवर्धन पहुंचे। गोवर्धन पहुंच कर मुखारविंद पर गिर्राज जी की पूजा अर्चना की और गिर्राज जी पर दूध की धार चढ़ा कर परिक्रमा की। स्थापना दिवस के मौके मुख्य वक्ता रहे अखिल भारतीय संगठन मंत्री विनायक राव देशपांडे ने कहा कि आज हिन्दू जाति में बट कर रह गया है। यही वज है कि सनातन धर्म पर हर कोई उंगली उठा देता है। इसका मुख्य कारण है यही है कि हम

लोग जाति में बंटे हुए हैं। हमें जातिवाद भूल कर सिर्फ हिंदू बनाना पड़ेगा तभी हम देश विरोधी संगठनों को परास्त कर पाएंगे। वहीं कृष्ण जन्म भूमि सवाल पर कहा कि जितना संघर्ष हमने राम जन्मभूमि के लिए किया है उससे कम संघर्ष कृष्ण जन्म भूमि को मुक्त कराने में करना पड़ेगा। उदयगिरी द्वारा की गई सनातन धर्म को खत्म करने की टिप्पणी पर कहा कि ये सत्ता के नशे में चूर है इस तरह को टिपणी की हम घोर निन्दा करते हैं।

कच्चा तेल 91 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। सऊदी अरब के क्रूड ऑयल के उत्पादन में दिसंबर तक कटौती के फैसले की खबर के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल हुआ है। ब्रेंट क्रूड का भाव 91 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 87 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक बुधवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये , चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.14 डॉलर यानी 0.16 फीसदी की उछाल के साथ 90.18 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.12 डॉलर यानी 0.14 फीसदी की बढ़त के साथ 86.81 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई; दो लोग गिरफ्तार, तीन दिनों की हिरासत में भेजे गए

नई दिल्ली। डी ने केरल के करुवन्नूर सर्विस को-ऑपरेटिव सोसाइटी बैंक धोखाधड़ी मामले में पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत 4 सितंबर को सतीश कुमार और किरण पीपी नामक दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और विशेष पीएमएलए विशेष अदालत के समक्ष पेश किया है। उन्हें तीन दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया है।

सात से 11 सितंबर 2023 के बीच यात्रियों के लिए खास सुविधा, एयर इंडिया ने किया एलान

नई दिल्ली। जी-20 के मद्देनजर होने वाली व्यस्तता को लेकर एयर इंडिया ने यात्रियों के लिए एक विशेष सुविधा का एलान किया है। एयर इंडिया ने ट्वीट किया कि सात से 11 सितंबर 2023 के बीच दिल्ली में यात्रा प्रतिबंध लागू रहेंगे। ऐसे में इन तारीखों पर दिल्ली

से या दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले यात्रियों को एक विकल्प दिया जाएगा। इसके मुताबिक, कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को लागू शुल्कों में एक बार की छूट दी जाएगी। यदि पैसेंजर्स अपनी यात्रा की तारीख या अपनी उड़ान बदलना चाहते हैं, तो केवल पुनर्निर्धारित उड़ान के लिए किराए में अंतर का ही भुगतान करना होगा। ऐसा भी उन परिस्थितियों में अगर बदलाव के दौरान किराए में कुछ अंतर आ रहा होगा तो वरना उनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

अबतक 6.98 करोड़ रिटर्न दाखिल, 88 फीसदी का प्रसंस्करण पूरा: सीबीडीटी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2022-23 में अर्जित आय के लिए अब तक 6.98 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए गए हैं, जिनमें से 6 करोड़ से ज्यादा प्रसंस्कृत किए जा चुके हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने यह जानकारी दी है।

वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 और आकलन वर्ष 2023-24 में पांच सितंबर तक कुल 6.98 करोड़ आईटीआर जमा किए गए हैं, जिनमें से 6.84 करोड़ रिटर्न सत्यापित किए जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि सीबीडीटी ने छह करोड़ से अधिक आईटीआर यानी कुल सत्यापित रिटर्न में से 88 फीसदी का प्रसंस्करण अबतक किया है।

सीबीडीटी के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 के लिए दाखिल किए गए कुल आईटीआर में से

लगभग 14 लाख रिटर्न को करदाताओं ने अभी तक सत्यापित नहीं किया है। इसके साथ 12 लाख करदाताओं से शीघ्र कदम उठाने को कहा है, जिनसे अतिरिक्त जानकारी मांगी गई है। सीबीडीटी ने करदाताओं से रिफंड के लिए अपने बैंक खातों को ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से सत्यापित करने का अनुरोध किया है।

आरबीआई महंगाई दर को चार फीसदी पर लाने के लिए प्रतिबद्ध : शक्तिकांत दास

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि आरबीआई मुद्रास्फीति के दूसरे दौर के प्रभाव को लेकर सजग है। वे महंगाई दर को चार फीसदी पर लाने के लिए भी प्रयासरत है। शक्तिकांत दास ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स में एक व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा कि आरबीआई महंगाई दर को 4 फीसदी पर लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आरबीआई जोखिमों पर नजर रखेगा, क्योंकि कीमतों के प्रबंधन पर कई बार वैश्विक आपूर्ति से संबंधित झटके लग सकते हैं। गवर्नर दास ने कोई समय-सीमा बताए बिना कहा कि हम मुद्रास्फीति को चार फीसदी के लक्ष्य पर लाने के लिए मजबूती से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि सब्जियों की कीमतों

की वजह से जुलाई में महंगाई दर 7.4 प्रतिशत पर पहुंची गई थी, लेकिन अब यह घटने लगी है।

उन्होंने कहा कि खाद्य वस्तुओं की महंगाई की गंभीरता और अवधि को सीमित करने में सरकार द्वारा लगातार और समय पर किए गए आपूर्ति महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में मूल्य स्थिरता के लिए किसी भी जोखिम के प्रति सतर्क रहना होगा और समय पर उचित कदम उठाने जरूरी हैं। दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क है कि मुद्रास्फीति के संबंध में ऐसे क्रमिक दूसरा प्रभाव (सेकेंड ऑर्डर इफेक्ट) न पड़ सके।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट सुस्ती के माहौल में, बिटकॉइन और एथेरियम में गिरावट

नई दिल्ली। क्रिप्टो करेंसी मार्केट में आज सुस्ती का माहौल बना हुआ है। मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से 6 मामूली बढ़त के साथ और 4 मामूली गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रही हैं। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन और एथेरियम में आज गिरावट का रुख बना हुआ है। टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से सिर्फ डोजेकॉइन में आज 1 प्रतिशत से अधिक की हलचल दर्ज की गई है।

भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 5 बजे तक बिटकॉइन 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,746.11 यानी 21.38 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी

क्रिप्टो करेंसी एथेरियम की कीमत 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ गिर कर 1,631.59 डॉलर के स्तर पर आ गई। कॉइन मार्केट कैप के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 0.47 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप घट कर 1.04 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 86.38 लाख करोड़ रुपये रह गया है।

बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा टेथर 0.02 प्रतिशत और सोलाना 0.88 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, बीएनबी 0.55 प्रतिशत, एक्सआरपी 0.08 प्रतिशत, यूएसडी कॉइन 0.01 प्रतिशत, डोजेकॉइन 1.14 प्रतिशत, कार्डानो 0.14 प्रतिशत और ट्रॉन 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

ग्लोबल मार्केट कैप में गिरावट आने के बावजूद पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में तेजी दर्ज की गई है। इस अवधि में कुल 2,458 करोड़ डॉलर यानी 2.04 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 10.76 प्रतिशत अधिक है। पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में बिटकॉइन की स्थिति भी 0.12 प्रतिशत कमजोर हुई है, जिसके कारण इस आभासी मुद्रा की मार्केट खरीदारी घटकर 48.22 प्रतिशत हो गई है।

जी-20 कार्य समूह के नतीजों को अंतिम रूप देने पर विचार-विमर्श कर रहे हैं वित्त विशेषज्ञ

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले जी-20 देशों के वित्त विशेषज्ञों की बैठक राजधानी दिल्ली में शुरू हुई। राजधानी दिल्ली में आयोजित इस बैठक में वित्त प्रतिनिधि जी-20 कार्य समूह के नतीजों को अंतिम रूप देने पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। वित्त विशेषज्ञों की यह बैठक 9-10 सितंबर के बीच होने वाले जी-20 देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन से पहले आयोजित की गई है। इस बैठक में टिकाऊ और मजबूत वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास के लिए जलवायु कार्रवाई सहित सतत विकास लक्ष्यों की

खातिर वित्तीय संसाधन जुटाने पर चर्चा हो रही है। इसके अलावा साझा दृष्टिकोण के जरिए उचित वित्तीय विनियमन और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के बारे में भी बातचीत हो रही है। जी-20 दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है, जिसमें यूरोपीय संघ और 19 देश शामिल हैं। यूरोपीय संघ के अलावा इसमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, दक्षिण कोरिया, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूके और अमेरिका प्रमुख हैं। जी-20 सदस्य देश वर्तमान में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 85 फीसदी, वैश्विक व्यापार का 75 फीसदी से ज्यादा और दुनिया की 60 फीसदी से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मजबूती के साथ बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार, निवेशकों को 1.69 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली। वैश्विक दबाव के कारण घरेलू शेयर बाजार आज एक सीमित दायरे में कारोबार करने के बावजूद लगातार तीसरे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.23 प्रतिशत और निफ्टी 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी, लेकिन खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 12 बजे तक शेयर बाजार की चाल में लगातार तेजी बनी रही। हालांकि, इसके बाद कुछ देर के लिए बिकवाली का दबाव भी बना, जिसकी वजह से बाजार लुढ़क कर लाल निशान में आ गया। आखिरी 2 घंटे के कारोबार में एक बार फिर खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिससे बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा।

आज के कारोबार में फार्मास्यूटिकल, एफएमसीजी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह एनर्जी, आईटी और मेटल इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, फाइनेंशियल और बैंकिंग सेक्टर से जुड़े शेयर आज दबाव में कारोबार करते नजर आए। आज के कारोबार में ब्रॉडर मार्केट में भी जम कर खरीदारी होती रही, जिसके कारण मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स अपने ऑल टाइम हाई लेवल पर बंद हुए। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज बाजार में आई तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति करीब 1.69 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 316.70 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 315.01 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.69 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,817 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,146 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,525 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 146 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,055 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,151 शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में और 904 शेयर नुकसान उठाकर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 33 शेयर हरे निशान में और 17 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 43.46 अंक की मामूली बढ़त के साथ 65,671.60 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार पर खरीदारों ने अपना कब्जा कर लिया। लगातार हो रही खरीदारी के कारण सेंसेक्स 203.56 अंक की छलांग लगाकर 65,831.70 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से इस सूचकांक ने कुछ देर के लिए लाल निशान में भी गोता लगाया। लेकिन 2 बजे के थोड़ी देर पहले ही खरीदार एक बार फिर एक्टिव होकर लिवाली करने लगे, जिससे इस सूचकांक की चाल में दोबारा तेजी आ गई। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 152.52 अंक की तेजी के साथ 65,780.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 35.85 अंक की मजबूती के साथ 19,564.65 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारों के सपोर्ट से ये सूचकांक उछलकर 19,587.05 अंक के स्तर पर पहुंच गया। दिन के दूसरे सत्र में बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक भी कुछ समय के लिए लाल निशान में गिर गया। कारोबार के आखिरी 2 घंटे के दौरान हुई जोरदार खरीददारी के कारण निफ्टी 46.10 अंक की बढ़त के साथ 19,574.90 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा।

देश में यूपीआई से लेनदेन 100 अरब तक पहुंचने की क्षमता: दिलीप असबे

मुंबई/नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दिलीप असबे ने कहा कि भारत के पास यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए 100 अरब से भी अधिक लेन-देन करने की क्षमता है। यह देश में यूपीआई से मौजूदा समय में होने वाले मासिक लेन-देन का 10 गुना होगा। दिलीप असबे ने यहां ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2023 समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के पास यूपीआई के जरिये 100 अरब से भी अधिक लेन-देन करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि कहा कि

वर्तमान में देश के भीतर 35 करोड़ लोग यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं। इनकी मौजूदा संख्या में तीन गुना बढ़ोतरी की गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि अगर आप इसके सम्मिलित प्रभाव को लें तो हम मौजूदा स्थिति से 10 गुना लेन-देन तक पहुंच सकते हैं। हालांकि, दिलीप असबे ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए किसी समय-सीमा का उल्लेख नहीं किया लेकिन उन्होंने कहा कि भारत 2030 तक यूपीआई से रोजाना दो अरब लेन-देन होने लगेगा।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में एकीकृत भुगतान मंच के तौर पर यूपीआई की शुरुआत के बाद से इसके जरिए होने वाले लेन-देन की संख्या अगस्त महीने में 10 अरब के पार पहुंच गई है।

डिजिटल क्षेत्र में मजबूती से बढ़ इरहा भारत, केंद्रीय मंत्री बोले- भारत ने डीपीआई को बनाया ताकत

राची। चेन्नई की एक उपभोक्ता अदालत ने आईटीसी लिमिटेड को 16 बिस्किट वाले 'सन फीस्ट मैरी लाइट' के पैक में एक बिस्किट कम पैक करने के कारण मुआवजे के तौर पर एक लाख रुपये चुकाने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि वह चेन्नई के एक उपभोक्ता को मुआवजे के तौर पर एक लाख रुपये का भुगतान करे।

एमएमडीए माथुर के पी दिल्लीबाबू ने चेन्नई के मनाली में एक खुदरा स्टोर से दिसंबर 2021 में आवारा जानवरों को खिलाने के लिए दो दर्जन 'सन फीस्ट मैरी लाइट' बिस्किट के पैकेट खरीदे थे। जब उन्होंने पैकेट खोले, तो उन्हें केवल 15 बिस्कुट मिले, जबकि रैपर के अनुसार यह

16 बिस्किट का पैकेट था। जब दिल्लीबाबू ने स्टोर से संपर्क किया, तो कोई उचित प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने आईटीसी से स्पष्टीकरण के लिए भी संपर्क किया, पर वहां भी उन्हें कोई सफलता हाथ नहीं लगी। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा कि आईटीसी लिमिटेड एक दिन में करीब 75 लाख पैकेट बनाती है पैकेट के प्रत्येक बिस्किट की कीमत 75 पैसे है। पैकेट पर लिखे आंकड़ों की गणना से पता चलता है कि कंपनी इस तरह एक बिस्किट कम देकर दिन जनता को 29 लाख रुपये से अधिक का चूना लगा रही है।

अपने जवाब में, कंपनी ने तर्क दिया कि उक्त उत्पाद केवल वजन के आधार पर बेचा गया था, न कि बिस्कुट की संख्या के आधार पर। बिस्कुट के पैकेट का विज्ञापित शुद्ध वजन 76 ग्राम था। हालांकि, जब आयोग ने इसकी जांच की, तो उन्हें पता चला कि सभी (15 बिस्कुट वाले) पैकेट की कीमत केवल 74 ग्राम थे।

उसके बाद आईटीसी के वकील ने तर्क दिया कि 2011 के लीगल मेट्रोलॉजी रूल्स प्री-पैकेज्ड कमोडिटीज के मामले में अधिकतम 4.5 ग्राम की स्वीकार्य त्रुटि की अनुमति देते हैं। हालांकि फोरम ने इस तर्क को भी नहीं माना और कहा किइस तरह की छूट केवल अस्थिर प्रकृति के उत्पादों पर लागू होती है। यह बिस्कुट जैसी वस्तुओं पर लागू नहीं है, जिनका समय के साथ वजन कम नहीं होता है। इस बचाव को कि उत्पाद ÷संख्या÷ के आधार पर नहीं बल्कि ÷वजन÷ के आधार पर बेचा गया था उसे भी खारिज कर दिया गया, क्योंकि पैकेट पर बिस्किट के पैकेट पर बिस्किट की संख्या अंकित की गई थी।

उसके बाद उपभोक्ता अदालत ने 29 अगस्त को आईटीसी को निर्देश दिया था कि वह अनुचित व्यापार प्रथाओं को अपनाने के लिए दिल्लीबाबू को मुआवजे के रूप में न केवल एक लाख रुपये का भुगतान करे, बल्कि बिस्कुट के उक्त बैच की बिक्री भी बंद करे।

टमाटर और प्याज के बाद अब चीनी पर महंगाई की मार

नई दिल्ली। बीते एक पखवाड़े में चीनी की कीमतों में 3त्न से अधिक की वृद्धि के साथ कीमतें छह वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में व्यापारियों और उद्योग जगत के अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया है कि देश के प्रमुख चीनी उत्पादक क्षेत्रों में बारिश की कमी के कारण घबराहट की स्थिति बनी है, जो आगामी सीजन में उत्पादन में गिरावट का संकेत देती है। अगर ऐसा होता है तो त्योहारों के पहले चीनी की कीमतों पर इसका असर दिख सकता है। टमाटर और प्याज की कीमतों में राहत मिलने बाद अब चीनी के बढ़ते भाव लोगों की परेशानी फिर बढ़ा सकते हैं।नए सीजन में चीनी उत्पादन 3.3त्न तक कम होने की आशंका

रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्तूबर से शुरू होने वाले नए सीजन में चीनी उत्पादन 3.3फीसदी घटकर 31.7 मिलियन मीट्रिक टन हो सकता है क्योंकि कम बारिश से दक्षिणी भारत के पश्चिमी राज्य महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने की पैदावार प्रभावित हो सकती है, इनका कुल भारतीय उत्पादन में आधे से अधिक का हिस्सा है। इस बीच चीनी की कीमतें मंगलवार को बढ़कर 37,760 रुपये (454.80 डॉलर) प्रति मीट्रिक टन पर पहुंच गईं, जो अक्टूबर 2017 के बाद से उच्चतम स्तर है। हालांकि भारत में चीनी की कीमतें वैश्विक सफेद चीनी बेंचमार्क की तुलना में लगभग 38फीसदी कम हैं। उत्पादक क्षेत्रों में कमजोर मानसून के मद्देनजर उत्पादन को लेकर चिंताओं के कारण बुधवार को चीनी कंपनियों के शेयरों में 8त्न तक की तेजी दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में राणा शुगर के शेयर 5 प्रतिशत तक मजबूत हुए। इसके बाद श्री रेणुका शुगर्स, द उगार शुगर, द्वारिकेश शुगर, ईद पैरी, त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज और बलरामपुर चीनी मिल्स के शेयर शुरुआती कारोबार में 1.4त्न से 8त्न तक तक इजाफा दिखा। चीन कंपनियों के स्टॉक इस उम्मीद में मजबूत हो रहे हैं कि यदि उच्च कीमतें बनी रहती हैं तो चीनी निर्माताओं के मार्जिन में सुधार हो सकता है। उन्होंने कहा, 'चीनी मिलों को चिंता है कि सूखे की वजह से नए सीजन में उत्पादन तेजी से गिर सकता है। बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक जैन के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, 'वे कम कीमतों पर बेचने के इच्छुक नहीं हैं। डीलरों ने कहा कि ऊंची कीमतों से बलरामपुर चीनी, द्वारिकेश शुगर, श्री रेणुका शुगर्स और डालमिया भारत शुगर जैसी उत्पादक कंपनियों के मार्जिन में सुधार होगा।

अमेरिका के 'दावे' पर पाकिस्तान तिलमिलाया, दूतावास ने कहा-यह दुष्प्रचार

वाशिंगटन। अमेरिका के 'दावे' पर पाकिस्तान तिलमिला उठा है। उसके दूतावास ने सफाई में अमेरिका के विदेश विभाग की वीजा के संबंध पर की गई टिप्पणी पर कठोर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पाकिस्तान के दूतावास ने कहा कि यह एक गलत सूचना है। यह उसके खिलाफ दुष्प्रचार है।

मीडिया रिपोर्ट्स में दोनों पक्षों के हवाले से इस पर चर्चा की गई है। संयुक्त राज्य अमेरिका में पाकिस्तान दूतावास ने उन रिपोर्टों को खारिज किया है जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान-अमेरिकी नागरिकों को मातृभूमि की यात्रा के लिए वीजा देने से इनकार किया जा रहा है। दूतावास ने कहा है कि यह अफवाह है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है।

दूतावास का यह स्पष्टीकरण अमेरिका के विदेश विभाग के संवाददाता सम्मेलन के बाद आया है। इस प्रेस वार्ता में प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने पाकिस्तानी-अमेरिकियों के अपनी मातृभूमि की यात्रा के लिए वीजा खारिज किए जाने पर सवाल उठाया गया था।

राष्ट्रपति बाइडन फिलहाल चेहरे पर मास्क लगाएंगे, लोगों से मिलेंगे फासले के साथ

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एहतियातन आवास के अंदर और लोगों से मिलते समय चेहरे पर मास्क पहनने का फैसला किया है। उन्होंने यह निर्णय प्रथम महिला जिल बाइडन की जांच में कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि के बाद किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जीन पियरे के हवाले से यह जानकारी दी गई है। पियरे ने संवाददाताओं से कहा, राष्ट्रपति बाइडन इस दौरान अपनी पत्नी के साथ घर पर रहेंगे और कोविड-19 के सरकारी मार्गदर्शन के अनुरूप घर के अंदर और लोगों के आसपास पर्याप्त दूरी बनाकर रहेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पियरे ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया कि मौजूदा परिस्थिति में राष्ट्रपति बाइडन जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने भारत जाएंगे या नहीं। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में हाल के सप्ताहों में कोविड मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है।

बाजरे की खपत को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ आया नेपाल, संयुक्त राष्ट्र ने भी चलाया अभियान

बोगोटा। नेपाल बाजरे की खेती और खपत को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ सहयोग करने के लिए तैयार ही। इस बात की जानकारी कृषि और पशुपालन मंत्री बेदुराम भुशाल ने दी है। एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए बेदुराम भुशाल ने बाजरा अभियान में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए भारत को बधाई दी है और इस अन्न का नाम बदलकर इसे श्रीअन्न कर दिया। भुसाल ने बाजरे को एक मूल भोजन के रूप में दर्शाते हुए इसके उच्च पोषण मूल्यों का वर्णन किया। भारत के साथ संयुक्त राष्ट्र ने भी बाजरा की खपत को बढ़ावा देने के लिए अभियान शुरू किया है। नेपाल के कृषि मंत्री ने बताया कि इस अभियान में नेपाल नई दिल्ली के साथ हाथ मिलाने के लिए तत्पर है। साल 2021 में भारत ने यूएन में 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित करने का प्रस्ताव रखा था। इस प्रस्ताव का 72 देशों ने समर्थन किया, जिसके बाद यूएन ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित कर दिया। काठमांडू में भारतीय दूतावास ने नेपाल के कृषि और पशुपालन मंत्रालय के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने बाजरा उत्पादन के क्षेत्र में भारत और नेपाल के सहयोग के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा, बाजरा जलवायु परिवर्तन और विश्व खाद्य सुरक्षा जैसी चुनौतियों समाधान है। खाद्य विशेषज्ञों ने भी बाजरे के महत्व को बताते हुए इसके उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया। बाजरा मानव जाति द्वारा खेती की जाने वाली सबसे पुरानी फसलों में से एक है। मौजूदा समय में बाजार में बाजरे के विभिन्न प्रकार मौजूद है, जिसमें कोदो, फॉक्सटेल, ब्राउनटॉप, छोटा बाजरा और पोरसो प्रमुख है।

नासा ने फोटो जारी कर दिखाई चांद की सतह के संपर्क में आए लैंडर विक्रम के धुएं से निकली रोशनी

वाशिंगटन। भारत का मिशन चंद्रयान-3 लगातार दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने एक विशेष फोटो जारी कर चांद की मिट्टी के संपर्क में आए लैंडर विक्रम के धुएं से निकली रोशनी दिखाई है। नासा ने चंद्रयान-3 के लैंडिंग साइट की फोटो लेकर यहां से साउथ पोल की दूरी भी बताई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन लगातार चंद्रमा पर चंद्रयान-3 के पहुंचने के बाद से फोटो जारी कर रहा है। अब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी एक विशेष फोटो जारी की है। नासा ने उस स्थान की फोटो अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर साझा की है, जहां चंद्रयान-3 उतरा था। चंद्रमा पर लैंडिंग के ठीक चार दिन बाद यानी 27 अगस्त को चांद की

कक्षा में घूम रहे नासा के लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एलआरओ) ने यह तस्वीर खींची थी। तस्वीर जारी करने के साथ ही नासा ने चंद्रयान मिशन की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा गया है कि चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव से लगभग 600 किलोमीटर दूर है। लैंडिंग के चार दिन बाद एलआरओ ने लैंडर का एक तिरछा दृश्य यानी 42 डिग्री स्लीव कोण हासिल किया। साथ ही कहा कि लैंडर के आसपास दिख रही रोशनी लैंडर के धुएं के चांद की मिट्टी के संपर्क में आने से बनी है।

अमेरिका में यूनाइटेड एयरलाइंस की उड़ानें तकनीकी समस्या के कारण हुई प्रभावित

शिकागो। संयुक्त राज्य अमेरिका की सबसे बड़ी विमानन कंपनी यूनाइटेड एयरलाइंस ने तकनीकी समस्या के कारण मंगलवार को कुछ समय के लिए अपनी सभी उड़ानें रोक दीं। तकनीकी समस्या को ठीक करने के बाद उड़ानें शुरू की। यह जानकारी स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एयरलाइन ने एक ई-मेल में कहा कि वह सभी विमानों को उनके प्रस्थान हवाई अड्डों पर रोक रही है। जो विमान रवाना हो चुके हैं उनकी उड़ानें गंतव्य तक जारी रहेंगी। कंपनी ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर कहा-हमने प्रौद्योगिकी समस्या के समाधान की पहचान कर ली है और उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने कहा है कि यूनाइटेड

ने उसे देशभर में उड़ानें रोकने के लिए कहा था। पहली घोषणा एफएए के सोशल मीडिया पेज पर 16:33 बजे पोस्ट की गई थी। इसके बाद करीब डेढ़ घंटे तक काम चला। इससे कई उड़ानें प्रभावित हुईं। उल्लेखनीय है कि जून में कंप्यूटर सिस्टम में खराबी के बाद एयरलाइन को सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने चीन को घेरा, लगाए आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाने के आरोप

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत ने चीन की जबर्दस्त घेराबंदी की है। भारत ने चीन पर आतंकवाद के मसले पर दोहरा रवैया अपनाने के आरोप लगाए हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि विश्व स्तर पर स्वीकृत आतंकवादियों को बिना कारण बताए काली सूची में डालने के प्रस्तावों को रोकना अनावश्यक है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रतिबंध समितियों की कार्यप्रणाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता को लगातार नुकसान पहुंचा रही है। विश्व स्तर पर स्वीकृत आतंकवादियों के लिए वास्तविक, सबूतों के आधार पर सूची प्रस्तावों को उचित कारण बताए बिना अवरुद्ध करना अनावश्यक है। जब इसमें आतंकवाद की चुनौती से निपटने

में परिषद की प्रतिबद्धता की बात आती है तो इसमें दोहरेपन की बू आती है। रुचिरा कंबोज ने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिबंध समितियों के कामकाज के तरीकों में पारदर्शिता आनी चाहिए। प्रतिबंध लगाने के लिए लिस्टिंग व डीलिस्टिंग में निष्पक्षता पर जोर दिया जाना चाहिए और यह राजनीतिक विचारों पर आधारित नहीं होना चाहिए। कंबोज की टिप्पणी चीन और उसके सदाबहार दोस्त पाकिस्तान का परोक्ष संदर्भ थी। बीजिंग ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को सूचीबद्ध करने के भारत और उसके सहयोगियों के प्रयासों पर बार-बार रोक लगाई है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के आठ बार निर्वाचित सदस्य भारत की सुरक्षा परिषद के कामकाज के तरीकों में सुधार की आवश्यकता के बारे में कुछ प्रमुख चिंताएं हैं। हमें ऐसी सुरक्षा परिषद की आवश्यकता है जो आज संयुक्त राष्ट्र की भौगोलिक और विकासात्मक विविधता को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करे। सुरक्षा परिषद में विकासशील देशों और अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया और प्रशांत के विशाल बहुमत सहित गैर-प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों की आवाज भी उठनी चाहिए।

म्यांमार को 2026 में नहीं मिलेगी आसियान के नेतृत्व की अनुमति, फिलीपीन करेगा समूह की अध्यक्षता

जकार्ता। एशियाई राजनयिकों के मुताबिक, दक्षिण पूर्व एशियाई नेताओं ने फैसला किया है कि म्यांमार 2026 में अपने क्षेत्रीय ब्लॉक का नेतृत्व नहीं करेगा। यह म्यांमार के सैन्य शासन को हिंसक तरीके से सत्ता पर कब्जा करने के बाद वैश्विक मान्यता हासिल करने के लिए अपने सत्तारूढ़ जनरलों के प्रयासों के बीच सबसे बड़ा झटका है। अमेरिकी नेतृत्व वाली पश्चिमी सरकारों ने 2021 में म्यांमार सेना द्वारा आंग सान सू की की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को हटाने की निंदा की है और अन्य अधिकारियों के साथ उनकी तत्काल रिहाई की मांग की है। फिलीपीन ने मंगलवार को आसियान शिखर सम्मेलन में 2026 में क्षेत्रीय ब्लॉक की अध्यक्षता संभालने पर सहमति जताई। फिलीपीन के राष्ट्रपति एफ. मार्कोस ने बाकायदा इसकी घोषणा की लेकिन यह नहीं बताया कि म्यांमार ने साल भर चलने वाली आसियान अध्यक्षता क्यों खो दी। हालांकि दो आसियान राजनयिकों ने बताया, यह देश में नागरिक संघर्ष से संबंधित था और डर है कि अमेरिका व यूरोपीय संघ सहित अन्य देशों के साथ इस गुट के संबंध खराब हो सकते हैं। म्यांमार में सैन्य-नेतृत्व वाली सरकार को मान्यता न देने के कारण इसे कमजोर किया जा सकता है। मंगलवार को शिखर सम्मेलन के बाद क्षेत्रीय समूह के नेता बुधवार और बृहस्पतिवार को एशियाई-पश्चिमी नेताओं से मिलेंगे। इनमें अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी शामिल हैं, जो राष्ट्रपति जो बाइडन के स्थान पर भाग ले रही हैं। जापानी पीएम फुमियो किशिदा भी इंडोनेशिया के लिए रवाना हो चुके हैं।

बुर्किना फासो में झड़प में 50 से अधिक सुरक्षाबलों की मौत

डकार (सेनेगल)। पश्चिमी अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में जिहादियों के साथ भीषण लड़ाई के दौरान 50 से अधिक सुरक्षाबल मारे गए और कई अन्य सैनिकों के घायल होने की भी खबर है। सेना ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

सेना के बयान के मुताबिक सोमवार को यातेंगा प्रांत के कौम्बरी प्रशासनिक जिले में 17 सैनिक और सेना की सहायता करने वाले काफी संख्या में स्वयंसेवी लड़ाके मारे गए। सेना ने कहा कि कौम्बरी से जिहादियों को पीछे धकेलने के लिए चलाए गए अभियान के तहत बड़ी संख्या में इस्लामिक आतंकवादी भी मारे गए। इस अभियान का मकसद विस्थापित लोगों की वापसी है। सेना ने जारी बयान में कहा कि

अत्यंत कायरतापूर्ण इस कृत्य को माफ नहीं किया जाएगा। फरार हुए शेष आतंकवादी तत्वों को निष्क्रिय करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। गौरतलब है कि बुर्किना फासो में आतंकवादी संगठन अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े हुए जिहादियों के हमलों में हजारों लोगों की मौत हो गयी है जबकि 20 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

स्वर्ण तस्करी मामले में पूर्व उपराष्ट्रपति के बेटे से सीआईबी की पूछताछ

काठमांडू। नेपाल के विमान स्थल से पकड़े गए एक क्विंटल सोने की तस्करी मामले में देश के पूर्व उपराष्ट्रपति नन्द किशोर पुन के बेटे से पूछताछ हुई है। इस मामले की जांच कर रही केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने पूछताछ की है।

नेपाल पुलिस के प्रवक्ता डीआईजी कुबेर कडायत ने बताया कि सोने की तस्करी में पकड़े गए चीनी नागरिकों से सीधा संपर्क होने के कारण पूर्व उपराष्ट्रपति नन्द किशोर पुन के बेटे दीपेश पुन को सीआईबी मुख्यालय में बुलाकर पूछताछ की गई। उन्होंने कहा कि दीपेश पुन से करीब चार घंटे तक पूछताछ की गई। एक क्विंटल सोने की तस्करी मामले में गिरफ्तार किए गए मुख्य अभियुक्त चीनी नागरिक दावा शिरिंग सहित कुछ अन्य आरोपितों के साथ उपराष्ट्रपति के बेटे का संबंध और लगातार हुई टेलीफोन बातचीत के रिकार्ड के बाद पूछताछ किए जाने की जानकारी पुलिस की तरफ से दी गई है। पूर्व उपराष्ट्रपति के बेटे सत्तारूढ़ माओवादी पार्टी से सम्बद्ध हैं। सोने की तस्करी के मामले में इससे पहले पूर्व स्पीकर और माओवादी उपाध्यक्ष कृष्ण बहादुर महरा के बेटे राहुल महरा को पूछताछ के बाद

हिरासत में लिया जा चुका है। राहुल महरा और दीपेश पुन के बीच लम्बे समय से व्यावसायिक साझेदारी भी है।

ब्राजील में चक्रवात से बिगड़े हालात, 24 घंटे में 300 मिमी हुई बारिश, 21 की मौत, बाढ़ का खतरा और बढ़ा

ब्राजील। ब्राजील में चक्रवात की वजह से हुई जबरदस्त बारिश और हवाओं ने कोहराम मचा दिया है। दक्षिणी ब्राजील में इस प्राकृतिक आपदा के चलते अब तक कम से कम 21 लोगों की जान जा चुकी है। साथ ही लगातार हो रही बारिश ने बाढ़ की तीव्रता को और बढ़ा दिया है, जिससे प्रभावित क्षेत्रों में राहत-बचाव कार्य भी काफी मुश्किल हुआ है। ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल के गवर्नर ने इसे अपने राज्य की सबसे खतरनाक मौसमी आपदा करार दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, कई इलाकों में हजारों लोगों को अपने घरों को छोड़कर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा है। आलम यह है कि मुकुम नाम के 5000 की आबादी वाले छोटे शहर में अधिकतर लोग अपने घरों की

छतों पर ही फंस गए। इनमें से ज्यादातर को हवाई मदद के जरिए निकाला गया है। बताया गया है कि इस शहर का 85 फीसदी इलाका बाढ़ के पानी में डूबा है।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने कहा कि संघीय सरकार राज्य की मदद के लिए तैयार है। रियो ग्रांडे डो सुल के गवर्नर एडुअर्डो लेइटे ने एक न्यूज कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि राज्य में पिछले 24 घंटे के अंदर ही 300 मिमी (11 इंच) बारिश हुई है। इससे कई जगहों पर बाढ़ और भूस्खलन हुए। राहत-बचाव कर्मियों को लोगों को निकालने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करना पड़ रहा है।

फरवरी में भी आई थी ऐसी ही आपदा- ब्राजील के साओ पाउलो राज्य में भी इस साल भारी बारिश की वजह से बाढ़ और भूस्खलन हुए थे। तब इस आपदा में 40 लोगों की मौत हुई थी। पिछले साल रेसिफे शहर में जबरदस्त बारिश से हुए भूस्खलन में 100 लोगों की जान चली गई थी। विशेषज्ञों की मानें तो ब्राजील के पास अमेजिन जंगलों की कटाई का असर जलवायु पर पड़ा है और लगातार आ रही प्राकृतिक आपदाएं इसी का नतीजा है।

चीनी नागरिक पर्यटक बनकर रख रहे अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर नजर, एफबीआई ने देश के लिए बताया जासूसी खतरा

वाशिंगटन। अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने लगभग 100 ऐसी घटनाओं पर नजर रखी है, जिसमें चीनी नागरिक पर्यटक के रूप में सैन्य ठिकानों और अन्य संवेदनशील स्थानों में कई बार पहुंचने की कोशिश की है। अमेरिकी अधिकारियों ने ऐसी घटनाओं को देश के लिए जासूसी खतरा बताया है। एक मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रक्षा विभाग, एफबीआई और अन्य एजेंसियों ने ऐसी घटनाओं को कम करने के लिए समीक्षा की थी, जिसमें बिना अनुमति के सैन्य अड्डों में घुसने वाले गेट क्रैशर्स भी शामिल थे। रिपोर्ट में बताया गया कि न्यू मैक्सिको में अमेरिकी मिसाइल रेंज में भी चीनी नागरिक घुसपैठ करते हुए पकड़े गए थे। वहीं फ्लोरिडा के सरकारी रॉकेट लॉन्च साइट के पास स्कूबा डाइवर बनकर गंदे पानी में तैरते हुए भी पाए गए। कुछ अधिकारियों का

मानना है कि चीनी सरकार सुरक्षा संबंधित कुछ मामलों में अपने नागरिकों के द्वारा रिपोर्ट तैयार कर रही है। एफबीआई के प्रवक्ता ने कहा, 'हमारे सूचना और बौद्धिक संपदा अधिकार के लिए सबसे बड़ा खतरा चीन ही है।' एक अन्य मीडिया सूत्र के अनुसार हाल ही में चीनी नागरिकों का एक समूह अलास्का के फोर्ट वेनराइट पहुंचा था, उन्होंने कमर्शियल होटल के रिजरवेशन होने का दावा किया था। दरअसल, फोर्ट वेनराइट आर्कटिक युद्ध पर केंद्रित अमेरिकी सेना के 11वें एयरबोर्न डिविजन का घर है।

प्रवक्ता ने कहा, 'हम अपने सैनिकों की रक्षा के लिए स्थानीय, राज्य और संघीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों, खुफिया विभाग और अपने विदेशी साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।' अधिकारियों ने बताया कि ये घटनाएं ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में होती है, जहां सेनाओं द्वारा पकड़े जाने के बाद चीनी नागरिक पार्यटक होने का दावा करते हुए कहते हैं कि वे रास्ता भटक गए हैं। एक पूर्व अधिकारी ने चीन के इस हरकत की निंदा करते हुए कहा कि चीनी सरकार ने इसे एक खेल बना दिया है और अपने नागरिकों को इसमें झोंकने के लिए तैयार है। उन्हें यह भी पता है कि यदि कोई पकड़ा गया तो क्या होगा।

मीडिया रिपोर्ट ने ऐसी घटनाओं के बार बार होने का दावा करते हुए कहा कि कुछ साल पहले फ्लोरिडा में स्थित खुफिया केंद्र के पास कुछ चीनी नागरिकों को पानी में तैरते हुए और तस्वीरें लेते हुए देखा गया था।

47 साल पहले दुष्कर्म मामले में दोषी करार शख्स को मिला न्याय, वकील बोले- इतिहास की सबसे लंबी गलत दोषसिद्धी

वाशिंगटन। अमेरिका से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने जो अपराध किया भी नहीं, उसके लिए उसे करीब साढ़े सात साल जेल की सजा काटनी पड़ी। इतना ही नहीं, शख्स को अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए 47 साल लग गए। दरअसल, सन् 1975 में न्यूयॉर्क के एक व्यक्ति को दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अब उसे नए डीएनए जांच के आधार पर बरी कर दिया गया है। कहते हैं ना कि सच एक न एक दिन सामने आ जाता है। यह अमेरिका के इस मामले से सिद्ध भी हो गया। न्यूयॉर्क राज्य के ग्रीनबर्ग में करीब पांच दशक पहले लियोनार्ड मैक, जो अब 72 साल के हैं, उन पर आरोप लगा था कि उन्होंने स्कूल जा रही एक किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। करीब 50 साल की लंबी लड़ाई के बाद दोषमुक्त होने पर मैक ने कहा कि आखिरकार मैं स्वतंत्र हूं।

बयान में कहा गया है कि न्यूयॉर्क राज्य के ग्रीनबर्ग में 22 मई 1975 में स्कूल से घर जा रहीं दो किशोर लड़कियों को एक अनजान शख्स ने रोक लिया था। इनमें से एक के साथ दुष्कर्म किया, जबकि दूसरी लड़की भागकर स्कूल पहुंच गई और शिक्षक को पूरी बात बताई। शिक्षक ने तुरंत पुलिस को फोन किया। यह हमला श्वेत बहुल इलाके में हुआ था। ग्रीनबर्ग पुलिस विभाग ने तुरंत जांच शुरू की। उन्हें 20 साल के एक अश्वेत व्यक्ति की तलाश थी। इस दौरान पुलिस को पड़ोस में गाड़ी चला रहे लियोनार्ड मैक दिखे। हालांकि, वह संदिग्ध से अलग कपड़े पहने हुए थे, फिर भी पुलिस ने ढाई घंटे की तलाश के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया, क्योंकि मैक अफ्रीकी-अमेरिकी थे। वेस्टचेस्टर काउंटी अभियोजक के कार्यालय ने कहा कि उस समय डीएनए जांच उपलब्ध नहीं था, जिसकी वजह से मैक को अपराधी मान लिया गया और उन्हें जेल की सजा काटनी पड़ी। हालांकि, इस बीच मैक अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए लड़ते रहे। अब डीएनए जांच से सच सामने आ गया है। मैक को अदालत ने बेगुनाह घोषित किया है। वहीं, एक अन्य अपराधी की पहचान कर ली है, जिसने अपना अपराध कबूल लिया है। जिला अटॉर्नी के कार्यालय ने मैक की लगभग 50 वर्षों की लड़ाई का हवाला देते हुए कहा कि यह अमेरिका के इतिहास में इनोसेंस प्रोजेक्ट के लिए डीएनए साक्ष्य द्वारा पलट दी गई सबसे लंबी गलत सजा है।

आईसीसी विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, सीन एबॉट को मिला मौका

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी विश्व कप 2023 के लिए बुधवार को 15 खिलाड़ियों की अस्थायी टीम की घोषणा की है। टीम में मार्नस लाबुशेन का जगह नहीं मिली है, जबकि चोटिल खिलाड़ी पैट कमिंस, स्टीवन स्मिथ, मिशेल स्टार्क और ग्लेन मैक्सवेल को शामिल किया गया है।

वहीं, सीन एबॉट ने विश्व कप टीम में पहली बार जगह बनाई है। जोश इंगलिस को बैकअप विकेटकीपर और अतिरिक्त बल्लेबाजी विकल्प के रूप में शामिल किया गया है। टीम में 28 सितंबर तक संशोधन किया जा सकता है जिसके बाद आईसीसी की मंजूरी की आवश्यकता होगी।

इस महीने की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका और भारत दौरों के लिए चुने गए मूल 18-

खिलाड़ियों के समूह में से एलिस, आरोन हार्डी और तनवीर संघा तीन ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें अंतिम टीम में जगह नहीं मिली है। विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की तैयारी पहली पसंद के खिलाड़ियों के कई चोटों के कारण कुछ हद तक अव्यवस्थित हो गई है। कमिंस और स्मिथ दोनों को एशेज के दौरान कलाई में चोट लग गई, जिससे वे दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गए, जबकि स्टार्क को कमर की समस्या के कारण बाहर कर दिया गया है। इस बीच, मैक्सवेल, जो अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण दक्षिण अफ्रीका के एकदिवसीय मैचों से बाहर रहने वाले थे, अपने टखने में तकलीफ के कारण जल्दी घर लौट आए और विश्व कप से पहले सावधानी बरतने की संभावना है।

राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, आने वाले हफ्तों में सभी बड़े खिलाड़ी वापस आने और संभावित रूप से भारत के खिलाफ आगामी श्रृंखला में चयन के लिए अच्छी स्थिति में हैं। अंतिम टीम घोषित होने से पहले दक्षिण अफ्रीका और भारत में अभी भी आठ एक दिवसीय मैच खेले जाने बाकी हैं। उनके बाद दो विश्व कप अभ्यास मैच होंगे, जो टूर्नामेंट के लिए तैयारी जारी रखने का भरपूर अवसर प्रदान करते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में प्रभावित करने के बाद लेगस्पिनर सांघा ने पिछले हफ्ते सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था, जहां एडम जाम्पा के बीमार होने पर उन्हें आखिरी मिनट में डेब्यू के लिए बुलाया गया था। हालांकि, चयनकर्ताओं ने टीम में दो फ्रंटलाइन स्पिनरों - जाम्पा और एश्टन एगर - को मैक्सवेल और ट्रैविस हेड के पूरक के रूप में चुना है। आने वाले हफ्तों में चयनकर्ताओं को जो प्रमुख निर्णय लेने होंगे उनमें से एक यह है कि बल्लेबाजी की शुरुआत कौन करेगा। मिशेल मार्श की टी20 फॉर्म और मार्च में भारत के खिलाफ उनके प्रदर्शन ने उन्हें शीर्ष क्रम पर बनाए रखने का मजबूत दावा पेश किया है, जबकि हेड वनडे में वापसी के बाद से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

वार्नर इस साल की शुरुआत में भारत श्रृंखला के पहले दो मैचों में नहीं खेल पाए थे और जब वह लौटे तो हेड और मार्श के साथ ओपनिंग करते हुए नंबर 4 पर आ गए। संभावना है कि स्मिथ नंबर 3 पर अपना स्थान बरकरार रखेंगे। ऑस्ट्रेलिया अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 8 अक्टूबर को चेन्नई में भारत के खिलाफ करेगा। ऑस्ट्रेलिया की वनडे विश्व कप टीम इस प्रकार है- पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम जाम्पा।

न्यूजीलैंड ने जीता दूसरा टी20, इंग्लैंड से श्रृंखला में की बराबरी

नॉटिंघम। न्यूजीलैंड ने चौथे और आखिरी टी20 मैच में इंग्लैंड को छह विकेट से हराकर चार मैचों की श्रृंखला 2.2 से बराबर कर ली। जीत के लिए 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड

के लिये टिम सीफर्ट ने 32 गेंद में 48 रन बनाये जबकि ग्लेन फिलिप्स ने 25 गेंद में 42 रन की पारी खेली। इससे पहले न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 74 रन से हराकर श्रृंखला में वापसी की थी। इंग्लैंड का स्कोर 11वें ओवर में एक विकेट पर 105 रन था लेकिन इसके बाद विकेट गिरते रहे और उसने आठ विकेट पर 175 रन बनाए। दोनों टीमें अब चार मैचों की वनडे श्रृंखला खेलेंगी जो भारत में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी के लिए अहम है।

श्रीलंका का पूर्व क्रिकेटर मैच फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर सचित्रा सेनानायके को बुधवार को मैच फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। खेल की भ्रष्टाचार जांच ईकाई ने उन्हें गिरफ्तार किया जब सुबह उन्होंने

आत्मसमर्पण कर दिया।

तीन सप्ताह पहले अदालत ने उनके विदेश जाने पर रोक लगा दी थी। सेनानायके पर लंका प्रीमियर लीग 2020 के मैचों में फिक्सिंग का आरोप है जिसमें उन्होंने कथित तौर पर दो खिलाड़ियों को मैच फिक्स करने के लिए उकसाया। सेनानायके ने श्रीलंका के लिए 49 वनडे और टी20आई मैच खेले हैं। वनडे में उन्होंने 42 के हाइएस्ट के साथ 290 जबकि टी20आई में 17 के हाइएस्ट के साथ 56 रन बनाए हैं। उन्होंने एक टेस्ट भी खेला जिसमें 5 रन बनाए थे। गेंदबाजी की बात करें तो वनडे में उन्होंने 4/13 के आंकड़े के साथ 53 और टी20आई में 4/46 के सर्वश्रेष्ठ आकड़ों के साथ 25 विकेट लिए हैं।

मिचेल सेंटनर ने टी20आई में बनाया बड़ा रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले तीसरे गेंदबाज बने

नॉटिंघम (यूके) । स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर ने मंगलवार रात टी20आई क्रिकेट में 100 विकेट पूरे किए और वह ऐसा करने वाले न्यूजीलैंड के तीसरे खिलाड़ी बन गए है। वह इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20आई के दौरान इस मील के पत्थर तक पहुंचे। मैच में सेंटनर ने चार ओवरों में 3/30 के आंकड़े के साथ चमक बिखेरी। उन्होंने जॉनी बेयरस्टो, डेविड मालन और मोइन अली के विकेट लिए।

सेंटनर के 90 टी20आई में 22.06 की औसत से 100 विकेट हैं, जिसमें 7.08 की इकॉनमी रेट और 4/11 की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े हैं। 100 टी20आई विकेटों के साथ वह कीवी टीम के लिए टी20आई विकेटों के मामले में कप्तान टिम साउदी (144 विकेट), ईश सोढ़ी (126 विकेट) से पीछे हैं। कुल मिलाकर वह टी20आई में 100 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले केवल आठवें गेंदबाज हैं। साउथी (144 विकेट), बांग्लादेश के शाकिब अल हसन (140 विकेट), अफगानिस्तान के राशिद खान (130 विकेट), ईश सोढ़ी (126 विकेट) और श्रीलंकाई दिग्गज लसिथ मलिंगा (107 विकेट) टी20आई में शीर्ष विकेट लेने वालों में से हैं। सेंटनर फिलहाल नौवें नंबर पर हैं।

विश्व कप 2023 के लिए बांग्लादेश क्रिकेट टीम के निदेशक नियुक्त हुए खालिद महमूद

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के वर्तमान निदेशक खालिद महमूद को राष्ट्रीय चयन समिति द्वारा आईसीसी पुरुष विश्व कप 2023 के लिए 'टीम निदेशक' नियुक्त किया गया है।

इससे पहले, महमूद ने जोर देकर कहा था कि वह टीम निदेशक के रूप में वापसी के लिए तैयार नहीं हैं, यह पद उन्होंने भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद छोड़ दिया था।

हालांकि, महमूद ने मंगलवार को क्रिकबज से पुष्टि की कि वह इस भूमिका के लिए बीसीबी अध्यक्ष नज़मुल हसन के प्रस्ताव को ना नहीं कह सकते।

महमूद ने क्रिकबज से कहा, नज़मुल भाई ने आज सुबह मुझे फोन किया और कहा कि वह विश्व कप के लिए टीम प्रबंधन सूची में मेरा नाम शामिल कर रहे हैं और मैं उन्हें ना नहीं कह सका।

इससे पहले, महमूद राष्ट्रीय मुख्य कोच के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान बांग्लादेश के मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघा के टीम प्रबंधन का हिस्सा थे और दोनों के बीच अच्छे संबंध हैं।

महमूद ने कहा कि वह इस बात को लेकर निश्चित नहीं हैं कि उन्हें चयन प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा या नहीं, हालांकि 2021 में आईसीसी विश्व टी20 में टीम की हार के बाद जब उन्हें पिछली बार टीम निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था तो उन्हें चयन बैठक में शामिल किया गया था। महमूद, जो पहले तकनीकी निदेशक के रूप में कार्यरत थे, ने पद से हटने का फैसला किया था क्योंकि मुख्य कोच रसेल डोमिंगो और टीम प्रबंधन के अन्य सदस्यों द्वारा तैयार किए गए चयन और योजना पर उनका कोई अधिकार नहीं था। बाद में वह टीम प्रबंधन का हिस्सा थे जिसे बीसीबी द्वारा विभाजित कोचिंग शुरू करने का निर्णय लेने के बाद सबसे छोटे प्रारूप में श्रीधरन श्रीराम द्वारा निर्देशित किया गया था, श्रीराम टी20ई की देखभाल करते थे जबकि डोमिंगो टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेटरों का प्रबंधन करते थे।

मोहम्मद नबी ने सबसे तेज फिफ्टी लगाकर 5,000 रन पूरे किए, ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बने

लाहौर । ऑलराउंडर मोहम्मद नबी ने 5,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। नबी ऐसा करने वाले वह पहले अफगानिस्तान खिलाड़ी बन गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप ग्रुप चरण मुकाबले में 38 वर्षीय खिलाड़ी इस मुकाम पर पहुंचा। अपनी टीम के 292 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान नबी ने 32 गेंदों में 65 रन बनाए जिसमें छह चौके और पांच छक्के शामिल थे। उनके रन 203.12 की स्ट्राइक रेट से आए। नबी का अर्धशतक 24 गेंदों में आया जो एकदिवसीय इतिहास में अफगानिस्तान के खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज अर्धशतक भी बन गया जिसने मुजीब उर रहमान के पिछले महीने पाकिस्तान के खिलाफ 26 गेंदों में अर्धशतक के हलिया रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब 259 में

अंतरराष्ट्रीय मैचों में नबी ने 24.56 की औसत और 99.22 की स्ट्राइक रेट से 5,011 रन बनाए हैं। उन्होंने 238 पारियों में एक शतक और 21 अर्द्धशतक बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 116 है।

वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अफगानिस्तान के अग्रणी रन-स्कोरर हैं, उनके बाद मोहम्मद शहजाद (156 मैचों में 4,811) और असगर अफगान (195 मैचों में 4,246) हैं। तीन टेस्ट मैचों में उन्होंने 5.50 की औसत से 33 रन बनाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 24 है। 147 वनडे मैचों की 131 पारियों में उन्होंने 27.18 की औसत से 3,153 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं।

नबी वनडे में रहमत शाह (97 मैचों में 3,269 रन) के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 109 टी20आई मैच भी खेले हैं, जिसमें 22.25 की औसत से 1,825 रन बनाए हैं, जिसमें 101 पारियों में पांच अर्द्धशतक शामिल हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 89 है। वह मोहम्मद शहजाद (2,015 रन) के बाद टी20आई में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

अंडर-23 एशियाई कप क्वालीफायर: मालदीव के देर से हटने के कारण भारत का पहला मैच रद्द

डालियान। एएफसी अंडर-23 एशियन कप क्वालीफायर, ग्रुप जी में भारत का शुरुआती मुकाबला, जो बुधवार को खेला जाना था, मालदीव के टूर्नामेंट से आखिरी मिनट में हटने के बाद रद्द कर दिया गया है। अब ग्रुप जी में तीन टीमें ही रह गई हैं, जिसमें भारत, मेजबान चीन और संयुक्त अरब अमीरात शामिल है।

भारत अब टूर्नामेंट का अपना पहला मैच 9 सितंबर को यहां डालियान सुओहुवान स्टेडियम में चीन पीआर के खिलाफ खेलेगा।मुख्य कोच क्लिफोर्ड मिरांडा ने कहा कि कार्यक्रम में बदलाव के बावजूद उनकी टीम का फोकस वही रहेगा।

एआईएफएफ ने अपनी वेबसाइट में मिरांडा के हवाले से कहा, +हमारे लिए कुछ भी नहीं बदलता; हमें वही चीजें करनी होंगी जो हम मालदीव के साथ करते। हमें अभी भी अपना

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है और अपनी अधिकतम क्षमता से खेलना है।'चीजों के सकारात्मक पक्ष को देखते हुए, कोच मिरांडा चीन में कुछ अतिरिक्त दिनों के प्रशिक्षण से खुश थे। उन्होंने कहा, 'अच्छी बात यह है कि हमें पूरी टीम के रूप में एक साथ कुछ दिनों का प्रशिक्षण मिलता है। साथ ही, चीन की बेहद लंबी और थका देने वाली यात्रा के बाद लड़कों को शारीरिक और मानसिक रूप से आराम करने और स्वस्थ होने का समय मिलेगा। मालदीव के खिलाफ खेलने से हमें चीन और यूएई का सामना करने से पहले अपनी लय हासिल करने का अच्छा मौका मिलेगा। मालदीव सबसे कम खतरनाक प्रतिद्वंद्वी था और उसके खिलाफ टीम के लिए अन्य दो के लिए तैयारी करने के लिए एक अच्छा शुरुआती बिंदु होता।' मिरांडा ने कहा कि मालदीव की वापसी के बावजूद मुख्य उद्देश्य वही है। उन्होंने कहा, 'समूह शायद थोड़ा कठिन हो गया है लेकिन हमें वैसे भी चीन और यूएई से खेलना था। तो, हमारा समग्र उद्देश्य अभी भी वही है। हम अंडर-23 एशियाई कप के लिए प्रयास करने और क्वालीफाई करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।'

इटली की सबसे खूबसूरत फुटबॉलर अगाता सेंटासो ने गीली टी-शर्ट में दिए पोज

इटली। इटालियन फुटबॉलर अगाता सेंटासो आगामी सीजन का जश्न मनाते हुए गीली टी-शर्ट में दिखी हैं। सेंटैसो - जो सीरी बी साइड वेनेजिया के लिए खेलती है, को इटली की सबसे खूबसूरत फुटबॉलर भी कहा जाता है। उनकी हलिया इंस्टाग्राम पोस्ट देखकर यह समझना मुश्किल नहीं है कि वह कितनी खुश हैं। सेंटासो ने गीली टी-शर्ट में टीम के साथी के साथ तस्वीर खिंचवाई। उसने पोस्ट किया- हम नया सीजन शुरू करने वाले हैं। एक ट्रेनिंग कैंप समाप्त हुआ है, चैंपियनशिप एक सप्ताह में शुरू होगी और मैं इंतजार नहीं कर सकती। मैं इसका पूरा आनंद लेना चाहती हूं। हर प्रशिक्षण सत्र, हर किलोमीटर की दौड़, पसीने की हर बूंद, हर टैकल जीता गया।

श्रीलंका के हाथ लगी रोमांचक जीत, अफगानिस्तान सुपर-4 से हुआ बाहर

गहापी । लाहौर के मैदान पर श्रीलंका ने रोमांचक जीत दर्ज कर अफगानिस्तान को सुपर 4 में जाने से रोक दिया। श्रीलंका ने पहले खेलते हुए कुसल मेंडिस के 92 रनों की बदौलत आठ विकेट पर 291 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी अफगानिस्तान को सुपर 4 में क्वालिफाई करने के लिए 37.5 ओवर में 295 रन बनाने की जरूरत थी लेकिन टीम 37.4 ओवर में 289 रन बनाकर ऑल आऊट हो गई। अफगानिस्तान के लिए कप्तान शाहिदी के अलावा मोहम्मद नबी और राशिद खान ने उपयोगी पारियां खेलीं, लेकिन यह उनकी टीम के लिए काम नहीं आई।

इससे पहले श्रीलंका ने पहले खेलते हुए सधी हुई शुरूआत की थी। पाथुम निसांका ने 40 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 41 तो करुणारत्ने ने 35 गेंदों में 32 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर आए कुसल मेंडिस ने एक छोर संभालते हुए 84 गेंदों में छह चौके और तीन छक्कों की मदद से 92 रन बनाकर स्कोर 200 पार लगाया। इसके बाद असलांका ने 43 गेंदों में 36, दुनिथ ने 39 गेंदों पर 33, ठीकशाना ने 24 गेंदों में 28 रन बनाकर स्कोर 291 तक पहुंचा दिया।

अफगानिस्तान की ओर से सबसे सफल गेंदबाज गुलाबद्दीन

रहे। उन्होंने निसांका, करुणारत्ने, समरविक्रमा और ठीकशाना के विकेट निकाले। इसके अलावा राशिद खान थोड़ा महंगा साबित हुए। उन्होंने 63 रन देकर दो विकेट लिए। इसके अलावा मुजीब उर रहमान ने 60 रन देकर एक विकेट लिया।

जवाब में खेलने उतरी अफगानिस्तान की शुरूआत खराब रही। गुरबाज ने 4, जादरान ने 7 रन बनाए। गुलाबद्दीन ने 16 गेंदों पर 22 तो रहमत शाह ने 45 रन बनाकर स्कोर को तेजी से आगे बढ़ाया। मध्यक्रम में कप्तान शाहिदी ने 66 गेंदों पर 59 तो मोहम्मद नबी ने 32 गेंदों में 6 चौके और 5 छक्कों की मदद से 65 रन बनाकर स्कोर 200 से पार करवाया। इसके बाद करीम जन्नत ने 22, जादरान ने 23, राशिद खान ने 16 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 27 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के पास ले जाने की कोशिश की लेकिन वह सफल नहीं हो पाए।

श्रीलंका की ओर से कुसल रंजिता ने 79 रन देकर चार विकेट लिए। इसके अलावा महीष ठीकशाना ने 62 रन देकर एक, दुनिथ ने 36 रन देकर 2, पथिराना ने 63रन देकर एक तो धनंजय डिसिल्वा ने 12 रन देकर दो विकेट लिए।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

अफगानिस्तान : रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रहमत शाह, हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, करीम जनत, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी

श्रीलंका : पथुम निसांका, दिमुथ करुणारत्ने, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका, धनंजय डी सिल्वा, दासुन शनाका (कप्तान), डुनिथ वेललेज, महीश थीक्षाना, कासुन राजिथा, मथीशा पथिराना

विश्व चैम्पियन जू वेंजून नें जीता टाटा स्टील इंडिया ब्लिट्ज़ शतरंज ,हम्पी रही उपविजेता

कोलकाता। टाटा स्टील इंडिया रैपिड और ब्लिट्ज इंटरनेशनल शतरंज में ब्लिट्ज़ टूर्नामेंट का खिताब वर्तमान विश्व चैम्पियन चीन की जू वेंजून नें जीत लिया है , भारत की शीर्ष खिलाड़ी कोनेरु हम्पी दूसरे तो हरिका द्रोणावल्ली तीसरे स्थान पर रही । पहले दिन सयुंक्त बढ़त पर रहने वाली जू वेंजून के दिन की शुरुआत भारत की कोनेरु हम्पी के खिलाफ हार से हुई और उसके बाद उन्हे दिन के तीसरे मैच में यूएसए की इरिना कृश से भी हार का सामना करना पड़ा पर उसके बाद उन्होने बचे हुए 6 राउंड में 5 जीत और एक ड्रॉ के साथ 5.5 अंक बनाए और कुल 12.5 अंको के साथ पहला स्थान

हासिल कर लिया , वैसे दूसरे दिन कोनेरु हम्पी नें शानदार खेल दिखाया और कुल 9 राउंड में 6 जीत और 2 ड्रॉ के साथ 7 अंक बनाए और कुल 12 अंको के साथ दूसरे स्थान पर रही ,कल तक सयुंक्त बढ़त में चल रही हरिका द्रोणावल्ली के लिए अंतिम दिन खास नहीं रहा और कुल वह अपने कल के स्कोर में सिर्फ 4 अंक ही जोड़ सकी और 10.5 अंको के साथ तीसरे स्थान पर रही । रैपिड का खिताब जीतने वाली दिव्य भी 10.5 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रही , अन्य खिलाड़ियों में रूस की पोलिना शुवालोवा 10 अंक ,यूएसए की इरिना कृश 9 अंक ,उक्रेन की एना ऊषेनीना और भारत की वन्तिका अग्रवाल 7 अंक , जॉर्जिया की नीनों बताश्विली 6 अंक और भारत की सविता श्री 5.5 अंक बनाकर क्रमशः पांचवें से दसवें स्थान पर रही ।

यूएस ओपन में फैली बीमारी ! टॉप खिलाड़ी दिख रहे बीमार

नई दिल्ली । महिला रैंकिंग में नंबर 5 पर काबिज ओन्स जाबेउर बीते दिनों लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ मैच के दौरान कोर्ट पर थकी-थकी दिखीं। मैच के बाद बताया गया कि वह बीमार हैं। जाबेउर जोकि पिछले साल यू.एस. ओपन के फाइनल में पहुंची थी, उन कई खिलाड़ियों में से हैं जिन्हें इस साल के टूर्नामेंट में किसी प्रकार की बीमारी से जूझना पड़ा है। इससे पहले ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम अपने दूसरे दौर के मैच के दूसरे सेट में सेवानिवृत्त हो गए थे। एमिल

रुसुवुओरी ने अज्ञात बीमारी का हवाला देते हुए अपने पहले दौर के मैच से पहले टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। टेनीस सेंडग्रेन, जो क्वालीफायर से आगे बढ़ने में असफल रहे, ने एक्स पर लिखा- मैं टूर्नामेंट से घर लौटने के बाद बीमार हो गया हूं। उन्होंने एक अलग पोस्ट में लिखा- मुझे यू.एस. ओपन बग मिला। एक तरह से अभी भी ऐसा लगता है कि मैं टूर्नामेंट में हूं लेकिन असल में मैं घर पर हूं। बहरहाल, पहले दौर में जीत के बाद जाबेउर ने कहा कि उसे फ्लू है। अपने दूसरे दौर के मैच में, वह फिर से संघर्ष करती दिखीं, कोर्ट पर कई बार खांसती रहीं। उन्होंने मैच जीतने के बाद कहा कि वह लगभग एक सप्ताह से बीमार थीं। उन्होंने कहा- यू.एस. ओपन के डॉक्टरों के कहने पर मैंने बहुत सारी दवाएं ली हैं। जाबेउर बोलीं- टूर्नामेंट में अन्य खिलाड़ी पेट की समस्याओं से जूझ रहे हैं लेकिन मेरा पेट ठीक था। मुझे इस बात को लेकर असमंजस था कि यह फ्लू है या कुछ और। मुझे लगता है कि मुझे फ्लू या कुछ और हो गया है।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ ऊना ▸ 07 सितंबर 2023 ▸ पृष्ठ 12 ▸ आरएनआई: HPHIN / 2012 / 48072

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

मूलचंद प्रधान की स्मृति दिवस पर 'मूलचंद प्रधान प्याऊ' का हुआ शुभारंभ

क्षेत्र की जानी-मानी हस्तियों ने दर्ज कराई उपस्थिति, मूलचंद प्रधान के कार्यों, उनके व्यक्तित्व को किया गया याद, सरोज अस्पताल के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन, संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ का भी हुआ आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

दिल्ली के आदर्श नगर विधानसभा के केवल पार्क इलाके में एक ऐसा नाम जिनके कामों को आज भी याद किया जाता है। जी हाँ हम बात कर रहे हैं समाजसेवा का दूसरा नाम मूलचंद प्रधान के बारे में। मूलचंद प्रधान अपने आप में एक जीवंत संस्था थे। उनके दर से कभी कोई खाली हाथ नहीं गया। हर किसी के सुख-दुख में शामिल होना उनकी आदत का एक अभिन्न हिस्सा था। 5 सितंबर 2023 को उनकी सातवीं पुण्यतिथि मनाई गई। केवल पार्क स्थित जनता भवन में श्रद्धांजलि सभा के साथ साथ लोगों की सुविधा के लिये निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर केवल पार्क में 'मूलचंद प्रधान प्याऊ' का भी शुभारंभ किया गया। स्वास्थ्य जाँच शिविर में स्थानीय लोगों ने अन्य जाँचों के साथ ही कैंसर की भी जाँच करवाई।

आज 7 वर्ष बीत चुके हैं उस पुण्य आत्मा को: मूलचंद प्रधान को परलोकगमन हुए 7 वर्ष बीत चुके हैं लेकिन आज भी उनका अंदाज, व्यक्तित्व, सामाजिक कार्य सभी को प्रेरणा देते हैं। काबिलेगौर है कि उसी कार्यशैली, सामाजिक कार्यों और धार्मिक व्यवस्थाओं को मूलचंद परिवार निरंतर रूप से आगे बढ़ा रहा है जिसकी बानगी एक बार फिर देखने को मिली। उनके सुपुत्र अरविंद मूलचंद प्रधान ने अपने पिता की कभी कमी नहीं खलने दी। सभी को साथ लेकर चलना और अपने पिता की ही तरह सामाजिक और धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना अरविंद मूलचंद प्रधान की भी आदत बन चुकी है। **मनाई गई मूलचंद प्रधान की 7वीं पुण्यतिथि:** मूलचंद परिवार ने प्रधान मूलचंद जी की 7वीं पुण्यतिथि मनाई। इस अवसर पर जनता भवन केवल पार्क, आजादपुर में मूलचंद प्रधान प्याऊ का उद्घाटन किया। मूलचंद परिवार ने पूजा-पाठ के बाद नारियल फोड़कर प्याऊ का उद्घाटन किया। इस विशेष मौके पर क्षेत्र का जानी-मानी राजनीतिक, सामाजिक हस्तियों के साथ-साथ उनके चाहने वाले लोग भी मौजूद रहे।

संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ का हुआ आयोजन: मूलचंद प्रधान की 7वीं स्मृति दिवस पर श्री हनुमान मंदिर केवल पार्क में संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया।

स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन: मूलचंद प्रधान की 7वीं स्मृति दिवस पर केवल पार्क वेलफेयर एसोसिएशन के नेतृत्व में सरोज सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रोहिणी द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का मूलचंद प्रधान मैमोरियल डिस्पेंसरी में आयोजन हुआ। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में अनुभवी डॉक्टरों की मौजूदगी में फिजिशयन कंसलटेशन, आई चेकअप, ईसीजी, ब्लड शुगर जांच के साथ-साथ मरीजों को कैंसर से संबंधित परामर्श भी दिया। आपको बता दें कि मूलचंद प्रधान की हर वर्ष उनकी पावन स्मृति दिवस पर मूलचंद परिवार उनकी याद और समाज के प्रति उनकी समर्पण भावना और सामाजिक उत्थान को देखते हुए कार्यक्रम का आयोजन करता हैं।

ये लोग रहे मौजूद : पूर्व विधायक जय प्रकाश यादव, नेता सदन मुकेश गोयल, पूर्व केशवपुरम जिलाध्यक्ष राजुकमार भाटिया, पूर्व निगम पार्षद नीलम बुद्धिराजा, गुरमीत अरोड़ा सह संयोजक, दिल्ली नगर निगम, चंद्रशेखर शर्मा, एक्शन इंडिया के समूह संपादक रवि भारद्वाज, अनुराग गर्ग, पूर्व निगम प्रत्याशी सहित भारी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

भावना मूलचंद प्रधान ने पिता के कार्यों को किया याद

इस विशेष मौके पर भावना मूलचंद प्रधान ने अपने पिता मूलचंद प्रधान के कार्यों को याद करते हुए उनसे जुड़े कुछ संस्मरण सभी के साथ साझा किए। उत्तर प्रदेश के छोटे से गाँव से दिल्ली आकर सफलता का परचम लहराना कोई आसान बात नहीं थी। घर में हुई चोरी में सब कुछ गँवा देना, कर्ज लेकर फिर शुरूआत करना और शीर्ष तक पहुँचना मूलचंद प्रधान के संघर्षमय जीवन को भी रेखांकित करता है। हनुमान जी के अनन्य भक्त रहे मूलचंद प्रधान जी ने अपने अंतिम श्वास भी मंगलवार के दिन हनुमान जी का टीका लगने के बाद हो छोड़े थे। इसके अलावा कई अन्य पहलुओं पर भी बेटी भावना ने प्रकाश डाला।

जयप्रकाश यादव, पूर्व विधयाक आदर्श नगर: मूलचंद प्रधान से मेरे लंबे समय से ताल्लुकात थे। वे सामाजिक व्यक्ति तो थे ही साथ ही यारों के यार और जिंदादिल इंसान थे। सामाजिक कार्यों को अमलीजामा पहनाने के लिए न दिन देखते थे न रात। यही कारण है कि आज जब मूलंचद परिवार ने इस कार्यक्रम को रखा तो लोग उस पुण्यआत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करने दौड़े चले आए।

मुकेश गोयल, नेता सदन, दिल्ली नगर निगम: मूलचंद प्रधान एक कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति थे। उनकी कमी मुझे सदैव खलती रहेगी। सामाजिक कार्यों के लिए दिन-रात प्रयत्नशील रहते थे और जो कार्य अपने हाथों में ले लेते थे उसे अमलीजामा पहना कर ही दम भरते थे। उनके व्यक्तित्व की अमिट छाप हम सबके मन-मस्तिष्क पर है। ऐसी पुण्यआत्मा को मैं शत-शत नमन करता हूं।

राजकुमार भाटिया, पूर्व केशवपुरम जिलाध्यक्ष: मूलचंद प्रधान का व्यक्तित्व अनूठा था। हर किसी से दिल खोलकर बातें करना और उसके सुख-दुख में शामिल होना उनकी आदतों में शुमार था। उनके व्यक्तित्व की अमिट छाप हम सबके मन-मस्तिष्क पर है। ऐसे आत्म को मैं शत-शत नमन करता हूं।

नीलम बुद्धिराजा, पूर्व निगम पार्षद: मूलचंद प्रधान सामाजिक व्यक्ति थे, जिनकी कार्यशैली से सभी प्रभावित थे। मूलचंद प्रधान ने हमेशा ही समाज के उत्थान के लिए कार्य किया। यही कारण है कि आज उनके स्मृति दिवस पर समाज के सभी व्यक्ति दौड़े चले आए। मूलचंद परिवार भी मूलचंद प्रधान के दिखाए हुए मार्ग पर चल रह है।

नत्थूराम नागर, पूर्व चेयरमैन सिविल लाई जोन: मूलचंद प्रधान सामाजिक कार्यों को परस्पर रूप से लागू करने में यकीन रखते थे। परस्पर सहानुभूति और सद्भावना को मूलचंद प्रधान ने हमेशा बढ़ावा दिया और सामाजिक उत्थान के लिए अनगिनत कार्य किए। उनके इस कार्यशैली से सभी प्रभावित थे और हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

रवि भारद्वाज, समूह संपादक, एक्शन इंडिया: मूलचंद प्रधान जी की याद में आयोजित हुआ ये कार्यक्रम बहुत खास है। इस बार उनकी याद में स्वास्थ्य जाँच शिविर के साथ साथ मूलचंद प्रधान प्याऊ का शुभारंभ किया गया है। इसकी जितनी तारीफ की जाये वो कम है। हम सभी के लिए मूलचंद जी प्रेरणास्त्रोत रहे हैं।

अरविंद मूलचंद, प्रधान, केवल पार्क आरडब्ल्यूए: पिताजी की 7वीं पुण्य आत्मा पर आप सभी महानुभावों का आना और मूलचंद प्रधान प्याऊ के उद्घाटन कार्यक्रम को सफल बनाने पर मैं आप सबका आभार प्रकट करता हूं। साथ ही आप सबको यकीन दिलाता हूं कि जो कार्य पिताजी ने शुरू किए थे, उन्हीं सामाजिक कार्यों को मूलचंद परिवार आगे बढ़ता रहेगा।

चंद्रशेखर शर्मा: मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। मनुष्य को समाज से अलग करना संभव नहीं, कुछ इन्हीं विचारों को मूलचंद प्रधान ने आत्मसात किया हुआ था। मूलचंद प्रधान ने हमेशा सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाया। मूलचंद प्रधान जी हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत हैं जो समाज में बेहतरी के लिए कार्य करते थे।

गुरमीत अरोड़ा, सह संयोजक, दिल्ली नगर निगम: मूलचंद प्रधान ने हमेशा ही समाज के उत्थान में अपना योगदान दिया। मूलचंद प्रधान के कार्यों से क्षेत्र का हर कोई वाकिफ है। मूलचंद जी ने सामाजिक कार्यों के लिए न दिन देखा न रात। कोई भी उनके दर से खाली हाथ नहीं लौटता था। मूलचंद प्रधान जी हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत हैं जो समाज में बेहतरी के लिए कार्य करते थे।

अनुराग गर्ग, पूर्व निगम प्रत्याशी: समाज जहां व्यक्ति के व्यवहार को नियंत्रित करता है वहीं उसकी क्षमताओं की स्वाभाविक प्रगति की पहलकदमी भी करता है। मूलचंद प्रधान समाज के इस व्यवहार से भली-भांति वाकिफ थे और समाज के उत्थान के लिए दिन-रात प्रयासरत थे। यहीं कारण है कि आज उनके स्मृति दिवस पर मूलचंद परिवार ने मूलचंद प्रधान प्याऊ का उद्घाटन किया।